

EDU TERIA

बिहार

तथ्य संग्रह

EDU TERIA PUBLICATION
Near S.K. Puri Park
Boring Road,
Patna-800001
Website : www.eduteriatestseries.com

मूल्य - **₹ 115**

प्रकाशक

EDU TERIA PUBLICATION
Near S.K. Puri Park
Boring Road,
Patna-800001
E-Mail : eduteriapublication@gamil.com

मुद्रक

Jai Hind Printers

Composer

Brahma Jee

Marketing Representative

9431216685

विधिक घोषणाएँ

- इस पुस्तक में प्रकाशित सूचनाएँ, समाचार, ज्ञान, एवं तथ्य पूरी तरह से सत्यापित किये गए हैं । फिर भी, यदि कोई जानकारी या तथ्य गलत प्रकाशित हो गया हो तो प्रकाशक, संपादक या मुद्रक उससे किसी व्यक्ति-विशेष या संस्था को पहुंचे क्षति के लिए जिम्मेदार नहीं हैं ।

विषय सूची

भूमिका

प्रिय अभ्यर्थीगण ,

आप सभी अवगत है कि बिहार राज्य से सम्बंधित विभिन्न परीक्षाओ में बिहार राज्य विशेष से काफी अधिक प्रश्न पूछे जाते है, यह प्रश्न राज्य के विभिन्न क्षेत्रों जैसे- इतिहास,भूगोल, अर्थव्यवस्था, संस्कृति, राजव्यवस्था आदि पर आधारित होते हैं, इन प्रश्नो को सही-सही हल करके परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन किया जा सकता है ।

बिहार राज्य विशेष के तथ्यों पर आधारित यह **EDU TERIA बिहार तथ्य संग्रह का प्रथम संस्करण है,** इस पुस्तक में परीक्षा के दृष्टि से बिहार से सम्बंधित सभी खण्डों के मुख्य बिंदूओं को तथ्य संग्रह के रूप में दिया जा रहा है, **साथ ही पुस्तक में नवीनतम बजट, आर्थिक सर्वेक्षण, वन रिपोर्ट एवं जनगणना आदि के आकड़े दिए जा रहे हैं,** छात्रों के अध्ययन के उद्देश्य से **BPSC एवं CDPO के प्रीवियस ईयर के प्रश्नो का संकलन** भी दिया जा रहा है । आशा है कि यह पुस्तक आप सभी के लिए राज्य विशेष के अध्ययन में काफी सहयोगी सिद्ध होगी ।

आप सभी के उज्जवल भविष्य के शुभकामनाओं के साथ...



TEAM EDU TERIA

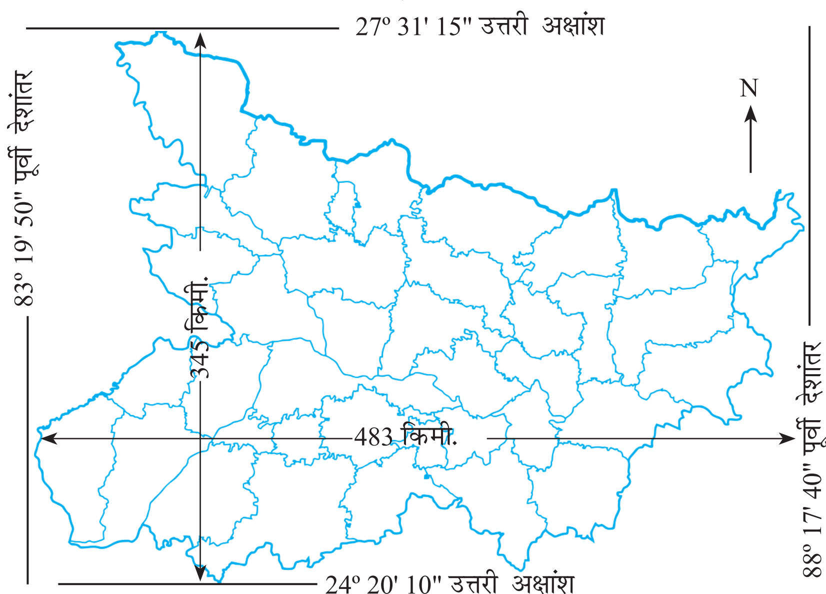


सामान्य परिचय

01

नामकरण – 12वीं सदी में बौद्ध विहारों की बहुलता के कारण इस क्षेत्र का नाम बिहार पड़ा। बौद्ध अनुयायियों के प्रार्थना स्थल को विहार कहा जाता था, इनमें बौद्ध भिक्षु निवास करते थे।

भौगोलिक स्थिति – बिहार उत्तर-पूर्व भारत में स्थित है।



अक्षांशीय विस्तार	24°20' 10"N से 27°31' 15" N तक
देशांतरीय विस्तार	83°19' 50"E से 88°17' 40" E तक
राज्य की आकृति	आयताकार

- 12 दिसंबर-1911 ई. को दिल्ली दरबार में पृथक बिहार प्रांत बनाने की घोषणा।
- 22 मार्च-1912 ई. बिहार (उड़ीसा सहित) प्रांत गठन की अधिसूचना/घोषणा की गई।
- 01 अप्रैल – 1912 ई. को बिहार (उड़ीसा सहित) प्रांत का गठन।
- 01 अप्रैल – 1936 ई. को बिहार एवं उड़ीसा अलग-अलग राज्य बने।
- 15 नवंबर – 2000 ई. को बिहार का अंतिम विभाजन हुआ। झारखंड एक नये राज्य के रूप में अस्तित्व में आया। 46 प्रतिशत भू-भाग के साथ झारखण्ड 28वां राज्य बना।

- बिहार स्थापना दिवस - 22 मार्च
- क्षेत्रफल- 94,163 वर्ग किमी.
- भारत के कुल क्षेत्रफल का 2.86%
- भारत का 12वां बड़ा राज्य (क्षेत्रफल के अनुसार)
- कुल जनसंख्या - 10,40,99,452 (जनगणना 2011 के अनुसार)
- भारत के कुल जनसंख्या का - 8.60%
- भारत का तीसरा बड़ा राज्य (जनसंख्या के अनुसार)
- लम्बाई- 345 किमी. (उत्तर से दक्षिण)
- चौड़ाई- 483 किमी. (पूर्व से पश्चिम)
- समुद्र तल से ऊंचाई - 173 फीट (53 मीटर)
- औसत वर्षा - 112 सेमी.

प्रशासनिक विभाजन

- प्रमंडल - 09
- जिला - 38 (38वां जिला अरवल है)
- अनुमंडल - 101
- प्रखंड-सह-अंचल - 534
- पंचायत - 8067
- नगर निगम - 19 (19वां नगर निगम सहरसा है)
- नगर परिषद् - 88
- नगर पंचायत - 154

बिहार की विधायिका

- पुलिस जिला-40 (38 जिलों के अतिरिक्त बगहा एवं नवगछिया पुलिस जिला है)
- बिहार का विधान मंडल - द्वि-सदनीय
- बिहार विधान सभा सीटों की संख्या - 243
- विधान परिषद सीटों की संख्या - 75
- लोक सभा सीटों की संख्या - 40
- राज्य सभा सीटों की संख्या - 16
- विधान सभा में कुल आरक्षित सीटों की संख्या - 40
  - → अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीट - 38
  - → अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीट - 02 (कटोरिया एवं मनिहारी)
- लोक सभा में अनुसूचित जाति हेतु आरक्षित सीटों की संख्या - 06 (गोपालगंज, हाजीपुर, समस्तीपुर, जमुई, गया एवं सासाराम)

✪ राज्य की चौहद्दी/सीमा

उत्तर में- नेपाल देश

→ नेपाल से बिहार के 07 जिले सीमा साझा करते हैं।

→ पश्चिम चम्पारण, पूर्वी चम्पारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज।

दक्षिण में - झारखंड राज्य

→ झारखंड के साथ 08 जिले सीमा साझा करते हैं।

→ रोहतास, औरंगाबाद, गया, नवादा, जमुई, बांका, भागलपुर, कटिहार।

पूर्व में - पश्चिम बंगाल राज्य

→ पश्चिम बंगाल के साथ 03 जिले सीमा साझा करते हैं।

→ किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार।

पश्चिम में - उत्तर प्रदेश राज्य

→ उत्तर प्रदेश के साथ 08 जिले सीमा साझा करते हैं।

→ रोहतास, कैमूर, बक्सर, भोजपुर, सारण, सीवान, गोपालगंज, पश्चिम चम्पारण।

✪ राजकीय प्रतीक-

- ◈ राजकीय चिन्ह - बोधि वृक्ष
- ◈ प्रथम राजकीय भाषा - हिन्दी
- ◈ द्वितीय राजकीय भाषा - उर्दू
- ◈ राजकीय वृक्ष - पीपल
- ◈ राजकीय पुष्प - गेंदा
- ◈ राजकीय पशु - बैल (2013 से पूर्व में रीछ)
- ◈ राजकीय पक्षी - गौरैया (2013 से पूर्व में फाख्ता)
- ◈ राजकीय मछली - मांगुर

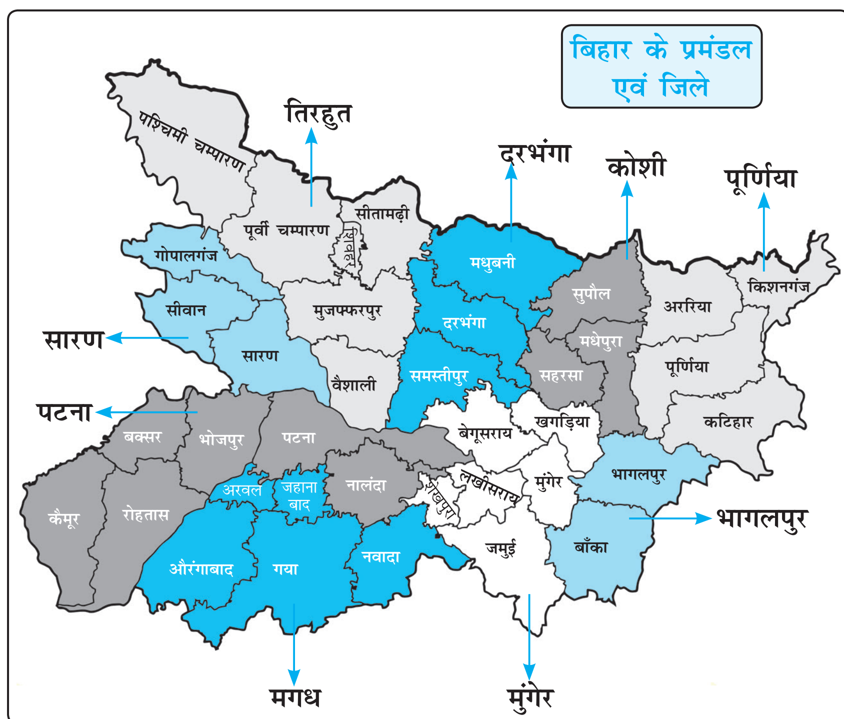
✪ बिहार का राजकीय गीत - मेरे भारत के कंठ हार, तुझको सत् सत् वंदन बिहार...

- ◈ गीतकार - सत्य नारायण
- ◈ संगीतकार - हरि प्रसाद चौरसिया और शिवकुमार शर्मा
- ◈ मान्यता दी गई - वर्ष 2012

✪ बिहार राज्य का प्रार्थना गीत - मेरी रफ्तार पर सूरज की किरण नाज करे...

✪ प्रमंडल एवं संबंधित जिले-

क्र.स.	प्रमंडल	जिलों की सं.	संबंधित जिले
1.	सारण	3	सारण, सीवान, गोपालगंज
2.	तिरहुत	6	पश्चिम चम्पारण, पूर्वी चम्पारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, सीतामढ़ी, शिवहर
3.	दरभंगा	3	मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर
4.	कोशी	3	सहरसा, सुपौल, मधेपुरा
5.	पूर्णिया	4	अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार
6.	पटना	6	पटना, नालंदा, भोजपुर, बक्सर, कैमूर, रोहतास
7.	मगध	5	गया, औरंगाबाद, नवादा, जहानाबाद, अरवल
8.	मुंगेर	6	मुंगेर, जमुई, लखीसराय, शेखपुरा, बेगूसराय, खगड़िया
9.	भागलपुर	2	भागलपुर, बांका

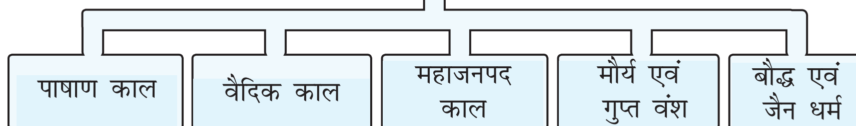




बिहार का इतिहास

02

प्राचीन बिहार का इतिहास



प्राचीन बिहार के इतिहास के स्रोत

- प्राचीन बिहार के इतिहास को जानने के लिए दो प्रकार के स्रोतों का उपयोग किया गया है- **पुरातात्विक एवं साहित्यिक**

पुरातात्विक स्रोत

- पूर्व ऐतिहासिक युग के लिए **मुंगेर, चिराँद** (सारण), **चेचर** (वैशाली), **मनेर** (पटना), एवं **सोनपुर** (सारण) से ताम्र-प्रस्तर वस्तुएँ और मृदभांड प्राप्त हुए।
- मौर्यकालीन अभिलेख **लौरिया नंदनगढ़, लौरिया अरेराज, रामपुरवा** आदि स्थानों से प्राप्त हुए हैं।
- बराबर की गुफाएँ, राजगीर, नालंदा, पाटलिपुत्र, विक्रमशिला से प्राप्त स्मारक।
- खुदाई से प्राप्त सिक्के, मनके एवं मूर्तियाँ आदि प्रमुख पुरातात्विक स्रोत हैं।

साहित्यिक स्रोत

- **रामायण, महाभारत, पुराण,** बौद्ध रचनाएँ-**अंगुत्तर निकाय, दीर्घ निकाय, विनय पिटक,** जैन रचनाएँ- **भगवती सूत्र** आदि प्रमुख साहित्यिक स्रोत हैं।
- इसके अतिरिक्त यात्रियों के विवरण जैसे- **मेगास्थनीज (इंडिका) फाहियान, इत्सिंग, ह्वेनसांग** के यात्रा वृतांत।
- कौटिल्य के अर्थशास्त्र एवं स्थानीय लेखकों के विवरण से प्राचीन बिहार के इतिहास की विस्तृत जानकारी मिलती है।

पाषाणकाल

पुरा पाषाण काल

- इस काल में मानव आखेटक एवं खाद्य संग्राहक था।

- दक्षिण बिहार में **मुंगेर** एवं **नालंदा** से बड़े और खुरदरे पत्थर के **कुल्हाड़ी, चाकू, खुर्पी** आदि प्राप्त हुए हैं।
- ये अवशेष लगभग 1 लाख ई० पू० के हैं।

✪ मध्य पाषाण काल -

- इस काल में मानव आखेटक, खाद्य संग्राहक एवं पशुपालक था। मानव द्वारा पहला पालतु पशु कुत्ता को बनाया गया था।
- दक्षिण बिहार में **मुंगेर** से छोटे आकार के तेज धार वाले औजार प्राप्त हुए हैं।
- ये अवशेष लगभग 40,000 से 10,000 ई० पू० के हैं।

✪ नव पाषाण काल -

- इस काल में मानव खाद्य उत्पादक हो गया था और मानव बस्तियों में निवास करने लगा था।
- नव पाषाण काल के अवशेष बिहार के मैदानी भागों से प्राप्त हुए हैं।
- **चिराँद** (सारण), **चेचर** (वैशाली), **मनेर** (पटना), **सनुआर** (रोहतास) से पत्थर एवं हड्डियों के औजार प्राप्त हुए हैं।
- कैमूर की पहाड़ियों, नवादा और जमुई से **गुफा चित्र** प्राप्त हुए हैं।
- ये अवशेष लगभग 2500 ई० पू० के हैं।

✪ ताम्र पाषाण काल -

- **चिराँद, सोनपुर, ताराडीह, चेचर, मनेर, सनुआर** आदि से ताम्रपाषाण काल के अवशेष मिले हैं।
- इस काल में पत्थर के औजार के अतिरिक्त **ताम्र उपयोग के प्रमाण मिले** हैं।
- ये अवशेष लगभग 1000 ई० पू० के हैं।

वैदिक काल

- आर्यो द्वारा स्थापित सभ्यता को **वैदिक सभ्यता** कहा गया क्योंकि इस सभ्यता का इतिहास वेदों पर आधारित है।
- वैदिक सभ्यता को दो वर्गों में विभाजित किया गया है–

  (1) पूर्व वैदिक काल (1500–1000 ई० पू०)

  (2) उत्तर वैदिक काल (1000–600 ई० पू०)
- पूर्व वैदिक / ऋग्वैदिक सभ्यता का विस्तार बिहार क्षेत्र में नहीं था।
- उत्तर वैदिक काल में आर्यों का विस्तार **गंडक नदी** के तट तक बिहार के क्षेत्र में हुआ।

- बिहार के भौगोलिक क्षेत्र की प्रथम चर्चा शतपथ ब्राह्मण (लगभग 800 ई.पू. की रचना) में मिलती है। इसमें बिहार की चर्चा **विदेह** के रूप में की गई है, जो **तिरहुत-मिथिला** क्षेत्र को दर्शाता है।
- ऋग्वेद में बिहार को **कीकट** एवं **व्रात्य** शब्द से संबोधित किया गया है।
- वाराह पुराण में **कीकट को अपवित्र प्रदेश** कहा गया है।

महाजनपद काल

- छठी शताब्दी ई० पू० में **अंगुत्तर निकाय** एवं **भगवती सूत्र** से **16 महाजनपदों** की जानकारी मिलती है।
- 16 महाजनपद में **तीन** महाजनपद का विस्तार क्षेत्र बिहार में था।
  - (i) **वज्जि/लिच्छवी** – (वैशाली, मुजफ्फरपुर क्षेत्र)
  - (ii) **मगध** – (पटना, गया, नालंदा क्षेत्र)
  - (iii) **अंग** – (भागलपुर, मुंगेर क्षेत्र)

वज्जि संघ महाजनपद –

- वज्जि संघ आठ राज्यों का संघ (अट्ठकुल) था। **वज्जि, लिच्छवी, ज्ञातृक, विदेह, उग्र, भोग, कुरु तथा इक्ष्वाकु** इस संघ के आठ जनपद थे। वज्जि संघ में सबसे प्रसिद्ध **लिच्छवी** जनपद था।
- लिच्छवी की राजधानी **वैशाली** थी। वैशाली नगर की स्थापना राजा **विशाल** ने की थी।
- लिच्छवी के अतिरिक्त मिथिला के **विदेह** तथा कुंडग्राम के **ज्ञातृक** वज्जि संघ के प्रमुख जनपद थे।
- वज्जि संघ/लिच्छवी को **विश्व के प्रथम गणतंत्र** की संज्ञा दी जाती है।

मगध महाजनपद –

- मगध राजनीतिक, आर्थिक एवं भौगोलिक कारण से सभी महाजनपदों में सबसे अधिक शक्तिशाली था।
- मगध की प्रारंभिक राजधानी **गिरिव्रज/राजगृह** थी। यह पाँच पहाड़ियों से घिरा नगर था।
- मगध का विस्तार मुख्यत: **पटना** से **गया** क्षेत्र में था।
- मगध एवं अंग महाजनपद का वर्णन सर्वप्रथम **अथर्ववेद** में मिलता है।

✪ अंग महाजनपद –

- अंग महाजनपद का विस्तार **भागलपुर** एवं **मुंगेर** के क्षेत्र में था।
- अंग महाजनपद की राजधानी **चम्पा** थी।
- अंग के अंतिम शासक **ब्रह्मदत्त** को हराकर मगध शासक **बिम्बिसार** ने अंग को मगध में मिला लिया।

मगध का उत्कर्ष एवं उसके राजवंश

- मगध की स्थापना **बृहद्रथ** ने की थी। बृहद्रथ का पुत्र **जरासंध** इस वंश का सबसे प्रसिद्ध शासक था।
- जरासंध को भीम ने द्वन्द युद्ध में पराजित कर उसका वध किया था, इसका वर्णन महाभारत में मिलता है।
- मगध की प्रारंभिक राजधानी **राजगृह** पाँच पहाड़ियों से घिरा एक सुरक्षित क्षेत्र था।
- मगध ऊर्वर भूमि, नदियों की उपलब्धता, खनिज एवं वन संसाधन की उपलब्धता के कारण आर्थिक रूप से संपन्न क्षेत्र था।
- बृहद्रथ वंश का अंतिम शासक **रिपुंजय** था।

✪ हर्यक वंश (544-412 ई० पू०)

- इस वंश की स्थापना **बिम्बिसार** ने 544 ई० पू० में की। बिम्बिसार को मगध का **वास्तविक संस्थापक** माना जाता है।
- बिम्बिसार ने विवाह नीति द्वारा साम्राज्य विस्तार को **प्रश्रय** दिया। उसकी पहली पत्नी **कोशल देवी** कोशल की राजकुमारी थी। इस विवाह से उसे दहेज में **काशी** का क्षेत्र प्राप्त हुआ।
- उसकी दूसरी पत्नी **चेल्हना/चेल्लना** थी। चेल्हना, लिच्छवी के राजा चेटक की पुत्री थी।
- उसकी तीसरी पत्नी **क्षेमा** पंजाब के मद्र की राजकुमारी थी।
- बिम्बिसार ने अवन्ति के शासक चंड प्रद्योत के साथ मैत्री संबंध बनाया।
- बिम्बिसार ने **चंड प्रद्योत** के उपचार के लिए अपने राजवैद्य **जीवक** को भेजा था।
- बिम्बिसार की हत्या 492 ई० पू० में उसके पुत्र अजातशत्रु ने कर दी।
- **अजातशत्रु** (492-460 ई० पू०) बिम्बिसार के बाद हर्यक वंश का शासक बना। उसका वास्तविक नाम **'कुणिक'** था।
- बिम्बिसार एवं कोशल देवी की मृत्यु के बाद कोशल के राजा प्रसेनजीत ने काशी वापस ले लिया। जिस कारण प्रसेनजीत का संघर्ष अजातशत्रु से हुआ। अंततः अजातशत्रु ने प्रसेनजीत को पराजित कर काशी पर अधिकार कर लिया।

- बाद में अजातशत्रु का विवाह प्रसेनजीत की पुत्री **वाजिरा** से हो गया।
- अजातशत्रु ने वज्जि संघ एवं मल्लों को पराजित किया।
- अजातशत्रु प्रारंभ में जैन धर्म को मानता था, बाद में उसने बौद्ध धर्म को अपना लिया।
- अजातशत्रु ने **483 ई० पू०** में राजगृह की सप्तपर्णि गुफा में **प्रथम बौद्ध संगीति** का आयोजन करवाया।
- सिंहल अनुश्रुति के अनुशार 460 ई० पू० में **उदयन** ने अपने पिता अजातशत्रु की हत्या कर दी।
- उदयन या उदायिन ने अपनी **राजधानी राजगृह से पाटलिपुत्र** (गंगा, सोन एवं गंडक के संगम तट पर) स्थानांतरित किया ।
- उदयन के तीन पुत्र **अनिरूद्ध, मुंडक** एवं **नागदशक** थे। **नागदशक** इस वंश का अंतिम शासक था।

शिशुनाग वंश (412–344 ई० पू०)

- **शिशुनाग** ने हर्यक वंश की जगह शिशुनाग वंश की स्थापना की।
- शिशुनाग ने **वैशाली** को राजधानी बनाया।
- शिशुनाग ने **अवन्ति के राजा अवन्तिवर्धन** को पराजित कर अवन्ति को मगध में मिला लिया।
- इसके अतिरिक्त शिशुनाग ने **वत्स** एवं **कौशाम्बी** को भी मगध में शामिल कर लिया।
- 394 ई० पू० में शिशुनाग की मृत्यु के बाद **कालाशोक** मगध का शासक बना। पुराणों में उसे काकवर्ण कहा गया है।
- कालाशोक के समय मगध की राजधानी पुनः **पाटलिपुत्र** हो गयी।
- कालाशोक ने **383 ई० पू०** में वैशाली में **द्वितीय बौद्ध संगीति** का आयोजन कराया।
- कालाशोक की मृत्यु के बाद उसके दस पुत्रों ने शासन चलाया। शिशुनाग वंश का अंतिम शासक **नंदिवर्धन** था।

नंद वंश (344–321 ई० पू०)

- **महापद्मनंद** ने 344 ई० पू० में शिशुनाग वंश को समाप्त कर नंद वंश की स्थापना की।
- महापद्मनंद ने **'एकराट'** अथवा **'एकछत्र'** की उपाधि धारण की।
- पालि ग्रंथों में महापद्मनंद को **उग्रसेन** कहा गया है।
- पुराणों में उसे **परशुराम का दूसरा अवतार** बताया गया है।

- महापद्मनंद ने **पांचाल, इक्ष्वाकु, काशी, अश्मक, कलिंग, मैथिल** आदि राज्य को पराजित कर मगध साम्राज्य का विस्तार किया। अब तक (321 ई०पू० तक) के काल में मगध का सर्वाधिक विस्तार महापद्मनंद के समय हुआ था।
- व्याकरण के महान विद्वान **पाणिनि** महापद्मनंद के समकालीन थे।
- इस वंश का अंतिम शासक **घनानंद** हुआ। घनानंद के समय ही यूनानी शासक **सिकन्दर** ने भारत पर आक्रमण (326 ई० पू०) किया था।
- नंद वंश आर्थिक एवं सैन्य रूप से काफी संपन्न था। मगध की सैन्य शक्ति के डर से ही सिकन्दर की सेना ने **व्यास नदी** पार करने से इंकार कर दिया था।
- घनानंद ने अपने दरबार में विद्वान ब्राह्मण **चाणक्य** का अपमान किया था। चाणक्य ने चन्द्रगुप्त मौर्य की सहायता से घनानंद की हत्या करवा दी। नंद वंश के पतन के बाद चन्द्रगुप्त मौर्य के नेतृत्व में मौर्य वंश की स्थापना हुई।

मौर्य वंश (321-184 ई० पू०)

- **चन्द्रगुप्त मौर्य- (321-298 ई० पू०)**
- जस्टिन एवं स्ट्रैबो ने चंद्रगुप्त मौर्य को **सेण्ड्रोकोट्स** कहा जिसकी पुष्टि विलियम जोन्स ने भी की। प्लूटार्क एवं एरियन ने चन्द्रगुप्त मौर्य को **'एण्ड्रोकोट्टस'** के रूप में चिन्हित किया है।
- चन्द्रगुप्त मौर्य के गुरू **चाणक्य (कौटिल्य)** थे। उन्हीं की सहायता से चन्द्रगुप्त ने 321 ई० पू० में मौर्य वंश की स्थापना की।
- चन्द्रगुप्त मौर्य ने 305 ई० पू० में सिकन्दर के उत्तराधिकारी **सेल्युकस निकेटर** के साथ युद्ध किया। युद्ध पश्चात् हुई संधि में चंद्रगुप्त को **काबुल, कांधार, मकरान** एवं **हेरात** का क्षेत्र प्राप्त हुआ। बदले में चन्द्रगुप्त ने सेल्युकस को 500 हाथी उपहार में दिये।
- युद्ध पश्चात् चंद्रगुप्त मौर्य का विवाह युनानी राजकुमारी **हेलन कार्नेलिया** (सेल्युकस की पुत्री) से हुआ।
- सेल्युकस ने चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में राजदूत '**मेगास्थनीज**' को भेजा। मेगास्थनीज ने '**इंडिका**' की रचना की।
- चन्द्रगुप्त मौर्य के साम्राज्य का विस्तार उत्तर में हिंदुकूश पर्वत ईरान तक, दक्षिण में कर्नाटक तक तथा पश्चिम में सौराष्ट्र तक विस्तृत था।
- चन्द्रगुप्त मौर्य के शासन के अंतिम वर्षों में मगध में 12 वर्षों का भीषण अकाल पड़ा। चन्द्रगुप्त मौर्य अपनी राजगद्दी त्यागकर **श्रवणबेलगोला (कर्नाटक)** में चन्द्रगिरि पर्वत पर तपस्या करने चला गया। चन्द्रगुप्त मौर्य जैन धर्म को मानता था। **298 ई० पू०** में उसने जैन उपवास पद्धति **सल्लेखना** द्वारा अपने प्राण त्याग दिये।

✪ बिन्दुसार (298-272 ई० पू०)

- बिन्दुसार चन्द्रगुप्त मौर्य का उत्तराधिकारी था। उसे **अमित्रघात, सिंहसेन** आदि नाम भी दिया गया है।
- स्ट्रेबो के अनुसार **सीरिया** के राजा **एंटियोकस** ने **डायमेकस** नामक राजदूत को बिन्दुसार के दरबार में भेजा था।
- बिन्दुसार के दरबार में **मिस्त्र** के राजा **टॉलमी फिलाडेल्फस** ने **डाइनोसियस** नामक राजदूत भेजा था।
- बिन्दुसार ने **तक्षशिला** में हुए विद्रोह को दबाने के लिए अपने पुत्र **अशोक** को भेजा था।
- बिन्दुसार **आजीवक संप्रदाय** का अनुयायी था।

✪ अशोक (269-232 ई० पू०)

- बिन्दुसार की मृत्यु के चार वर्षों बाद अशोक मौर्य वंश की गद्दी पर बैठा। इससे पूर्व वह **उज्जैन का राज्यपाल** था।
- पुराणों में अशोक को **अशोकवर्द्धन** कहा गया है।
- **मास्की** एवं **गुर्जरा** के अभिलेख में उसे **'अशोक'** कहा गया है।
- **सिंहल अनुश्रुतियों** (बौद्ध ग्रंथ) के अनुशार अशोक ने अपने 99 भाईयों की हत्या कर गद्दी प्राप्त की। हांलाकि अन्य स्त्रोतों से इसकी पुष्टि नहीं होती है।
- अशोक ने अपने शासन के 9वें वर्ष में **कलिंग युद्ध** (261 ई० पू०) किया तथा कलिंग को मगध में सम्मिलित किया।
- अशोक के **13वें शिलालेख** में कलिंग युद्ध का वर्णन है।
- कलिंग युद्ध के बाद अशोक ने बौद्ध धर्म को अपनाया, उससे पूर्व वह शैव धर्म को मानता था।
- **दिव्यावदान** के अनुसार **उपगुप्त** ने अशोक को बौद्ध धर्म की दीक्षा दी।
- **अशोक के शासन के महत्त्वपूर्ण वर्ष-**

9वें वर्ष में	कलिंग युद्ध
10वें वर्ष में	बोधगया की यात्रा
12वें वर्ष में	निगाली सागर की यात्रा
13वें वर्ष में	'धम्म' का शिलालेखों में अंकन
14वें वर्ष में	धम्म महामात्रों की नियुक्ति
20वें वर्ष में	लुम्बिनी की यात्रा (अशोक ने कर घटाकर 1/8 कर दिया।)

- अशोक ने बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए अपने पुत्र **महेन्द्र** एवं पुत्री **संघमित्रा** को **श्रीलंका** भेजा।
- अशोक ने **तीसरी बौद्ध संगीति** का आयोजन **पाटलिपुत्र** में करवाया।
- अशोक ने लगभग 37 वर्षों तक शासन किया, उसकी मृत्यु 232 ई० पू० में हो गई। अशोक के बाद उसके 10 उत्तराधिकारियों ने शासन किया। ये उत्तराधिकारी **कुणाल, बंधुपालित, इन्द्रपालित, दशोन, दशरथ, सम्प्रति, शालिशूक, देवधार्मन्, शतधनुष** एवं **बृहद्रथ** थे ।
- मौर्य वंश का अंतिम शासक बृहद्रथ था। मौर्य वंश का शासनकाल 137 वर्षों का था।

बौद्ध धर्म एवं जैन धर्म

बौद्ध धर्म

- बौद्ध धर्म के संस्थापक थे – **गौतम बुद्ध**
- उनका जन्म 563 ई० पू० में **लुम्बिनी** (नेपाल) में हुआ था।
- उन्हें **'शाक्य मुनि** एवं Light of Asia/**एशिया का ज्योति पुंज'** के नाम से भी जाना जाता है।
- उनके बचपन का नाम **सिद्धार्थ** था।
- उनके पिता का नाम **शुद्धोधन** था।
- उनकी माता का नाम **महामाया देवी** था।
- सौतेली माँ या मौसी का नाम **प्रजापति गौतमी** था।
- उनकी पत्नी का नाम **यशोधरा** (16 वर्ष की आयु में विवाह) था।
- उनके पुत्र का नाम **राहुल** था।
- बुद्ध ने चार दृश्य देखे- **बूढ़ा व्यक्ति, बीमार व्यक्ति, एक शव, एक सन्यासी**
- उन्होंने **29 वर्ष की आयु** में गृह त्याग कर सन्यास को अपना लिया।
- 06 वर्षों की तपस्या के बाद **35 वर्ष की आयु** में उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई उसके बाद उन्हें **तथागत** एवं **बुद्ध** कहा गया।
- उन्हें ज्ञान की प्राप्ति वैशाख **पूर्णिमा** को पीपल वृक्ष के नीचे **निरंजना/फल्गु नदी** के तट पर **बोधगया** में हुई।
- **बौद्ध धर्म के चार आर्य सत्य**

दु:ख	संसार दु:खमय है।
दु:ख समुदाय	दु:ख का कारण तृष्णा है।
दु:ख निरोध	दु:ख निवारण हेतु तृष्णा पर विजय आवश्यक है।
दु:ख निरोध मार्ग	दु:ख निवारण हेतु अष्टांगिक मार्ग आवश्यक है।

◈ **बौद्ध धर्म का अष्टांगिक मार्ग-**

(1) सम्यक दृष्टि (2) सम्यक संकल्प (3) सम्यक वाक् (4) सम्यक कर्म

(5) सम्यक आजीव (6) सम्यक व्यायाम (7) सम्यक स्मृति (8) सम्यक समाधि।

◈ बौद्ध धर्म के त्रिरत्न - **बुद्ध, धम्म और संघ**

◈ बुद्ध ने किस मार्ग का प्रतिपादन किया - **मध्यम मार्ग**

◈ बुद्ध ने अपने उपदेश किस भाषा में दिए - **पाली**

◈ बुद्ध ने अपना पहला उपदेश **सारनाथ** में दिया था।

◈ बुद्ध ने सर्वाधिक उपदेश कौशल की राजधानी **श्रावस्ती** में दिए थे।

◈ बुद्ध की मृत्यु 483 ई० पू० में **कुशीनगर**(मल्ल) में 80 वर्ष की आयु में हुई।

◈ बुद्ध के प्रथम गुरू **अलार कलाम** (वैशाली) तथा द्वितीय गुरू **रूद्रक रामपुत्त** (राजगृह) थे।

◈ बौद्ध धर्म के दस शील/आचरण थे -

(i) सत्य (ii) अहिंसा

(iii) अस्तेय (iv) अपरिग्रह

(v) ब्रह्मचर्य (vi) नृत्य-गायन का त्याग

(vii) असमय भोजन का त्याग (viii) कोमल शय्या का त्याग

(ix) श्रृंगार प्रसाधनों का त्याग (x) मद्य सेवन नहीं करना

◈ **बुद्ध के जीवन के घटनाक्रम एवं उसके प्रतीक -**

घटना	प्रतीक
जन्म	कमल
यौवन	साँढ़
महाभिनिष्क्रमण (गृह त्याग)	घोड़ा
सम्बोधि (ज्ञान प्राप्ति)	पीपल/बोधिवृक्ष
महापरिनिर्वाण (मृत्यु)	पदचिन्ह/स्तूप
धर्मचक्रप्रवर्तन (प्रथम उपदेश)	चक्र

◈ **बौद्ध धर्म** चौथी बौद्ध संगीति के उपरांत दो भागों में विभाजित हो गया-

1. **हीनयान (परिवर्तन विरोधी)**
2. **महायान (परिवर्तन समर्थक)**

8वीं सदी में बौद्ध धर्म के आडम्बर वाले शाखा **वज्रयान** का विकास हुआ।

◈ **बौद्ध धर्म के त्रिपिटक –**

सुत्त पिटक	बुद्ध के उपदेशों का संकलन	सबसे वृहत पिटक जिसका संकलन आनंद ने किया।
विनय पिटक	संघ के नियमों का संकलन	सबसे लघुत्म पिटक जिसका संकलन उपाली ने किया।
अभिधम्म पिटक	बुद्ध के दार्शनिक विचारों का संकलन	इस पिटक का संकलन मोगलीपुत्त तिस्स ने किया।

◈ **बौद्ध संगीति/सभा–**

संगीति	वर्ष	स्थान	शासक	अध्यक्ष	विशेषताएँ
प्रथम	483 ई०पू०	राजगृह	अजातशत्रु	महाकश्यप	सुत्त पिटक, विनय पिटक की रचना।
द्वितीय	383 ई०पू०	वैशाली	कालाशोक	सबाकामी	महासंघिक एवं स्थविर के रूप में विभाजन।
तृतीय	251 ई०पू०	पाटलिपुत्र	अशोक	मोगलीपुत्त तिस्स	अभिधम्म पिटक का संकलन
चतुर्थ	ई० की प्रथम शताब्दी	कुण्डलवन कश्मीर	कनिष्क	वसुमित्र, अश्वघोष	महायान एवं हीनयान में विभाजन

◈ बौद्ध धर्म का परम लक्ष्य है – **निर्वाण** की प्राप्ति।

◈ बुद्ध के पुनर्जन्म की कथा **जातक कथा** में मिलती है।

चैत्य	बौद्ध धर्म का पूजा घर।
स्तूप	बौद्ध धर्म के पवित्र अवशेषों का संग्रहण स्थल।
विहार	बौद्ध भिक्षुओं का निवास स्थान।

✪ जैन धर्म

◈ जैन धर्म के संस्थापक– **ऋषभदेव** थे।

◈ वे जैन धर्म के **प्रथम तीर्थंकर** थे।

◈ उन्हें **आदिनाथ, वृषभनाथ** भी कहा जाता है।

◈ जैन धर्म में कुल **24 तीर्थंकर** हुए।

◈ 23वें तीर्थंकर **पार्श्वनाथ** थे। इनका जन्म **काशी** में हुआ था। उनके पिता **अश्वसेन** काशी के राजा थे। उन्हें ज्ञान की प्राप्ति **सम्मेद पर्वत** पर हुई थी। उन्होंने चार महाव्रत की शिक्षा दी–

(i) सत्य (ii) अहिंसा (iii) अस्तेय (iv) अपरिग्रह

✪ महावीर स्वामी

- जैन धर्म के **24वें तीर्थंकर थे।** महावीर स्वामी को जैन धर्म का **वास्तविक संस्थापक** माना जाता है।
- उनका जन्म **540 ई० पू०** (कुछ जगह 499 ई० पू० माना गया है) में **कुंडग्राम** (वैशाली) में हुआ था।
- उनके पिता **सिद्धार्थ** ज्ञातृक कुल के प्रधान थे।
- उनकी माता **त्रिशला** लिच्छवी गणराज्य की राजकुमारी थीं।
- उनकी पत्नी का नाम **यशोदा** था।
- उनकी पुत्री का नाम **प्रियदर्शनी/अनोज्जा** था।
- उनके जामाता/दामाद का नाम **जामालि/जमाली** था।
- उन्होंने 30 वर्ष की आयु में गृह त्याग किया। 12 वर्षों के कठोर तप के बाद 42 वर्ष की आयु में उन्हें कैवल्य (ज्ञान) की प्राप्ति जृम्भिक ग्राम में **ऋजुपालिका नदी** के तट पर **साल वृक्ष** के नीचे हुई ।
- जैन धर्म के त्रिरत्न –

  (i) सम्यक दर्शन (ii) सम्यक ज्ञान (iii) सम्यक आचरण
- **जैन धर्म के पाँच महाव्रत –**

सत्य	झूठ नहीं बोलना
अहिंसा	हिंसा नहीं करना
अस्तेय	चोरी नहीं करना
अपरिग्रह	धन का संग्रह नहीं करना
ब्रह्मचर्य	इन्द्रियों को वश में करना

- पाँचवा महाव्रत **ब्रह्मचर्य** महावीर स्वामी द्वारा प्रतिपादित किया गया।
- **अनेकांतवाद/स्यादवाद** या **सप्तभंगी ज्ञान** सिद्धांत का संबंध जैन धर्म से है।
- महावीर स्वामी ने अपना पहला उपदेश **राजगृह** में दिया।
- **जैन धर्म के तीर्थंकर एवं उनके प्रतीक –**

प्रथम तीर्थंकर	ऋषभदेव	बैल/वृषभ
द्वितीय तीर्थंकर	अजितनाथ	हाथी
तेइसवें तीर्थंकर	पार्श्वनाथ	सर्प
चौवीसवें तीर्थंकर	महावीर स्वामी	सिंह

Note : महावीर स्वामी के अतिरिक्त 12वें तीर्थंकर 'वासुपूज्य' का जन्म बिहार में हुआ था।

◈ जैन संगीतियां –

	वर्ष	स्थान	शासक	अधयक्ष	विशेषताएँ
प्रथम	310 ई०पू०	पाटलिपुत्र (बिहार)	चन्द्रगुप्त मौर्य	स्थूलभद्र	• दिगम्बर एवं श्वेताम्बर में जैन धर्म का विभाजन • जैन धर्म के 12 अंगों का संकलन
द्वितीय	512 ई०	वल्लभी (गुजरात)	–	देवर्धि क्षमाश्रमण	• जैन धर्मग्रंथों का अंतिम संकलन

- ◈ महावीर स्वामी की मृत्यु **468 ई० पू०** में 72 वर्ष की आयु में **पावापुरी** में हुई।
- ◈ जैन धर्म का विभाजन **प्रथम जैन संगीति** में **श्वेताम्बर** एवं **दिगम्बर** के रूप में हो गया।
- ◈ **दिगम्बर** – **भद्रबाहु** ने नेतृत्व प्रदान किया। इसमें परिवर्तन को स्वीकार नहीं करते हुए पूर्ण नग्नता एवं कठोरता को अपनाया गया।
- ◈ **श्वेताम्बर** – **स्थूलभद्र** ने नेतृत्व प्रदान किया। इसमें श्वेत वस्त्र पहनने की परम्परा थी तथा यह **दिगंबर** की तुलना में कम कठोर था। इसमें परिवर्तन को स्वीकार किया गया।

✪ शुंग वंश –

- ◈ मौर्य वंश के अंतिम शासक **बृहद्रथ** की हत्या कर **पुष्यमित्र शुंग** ने 185 ई० पू० में शुंग वंश की स्थापना की।
- ◈ पुष्यमित्र शुंग **ब्राह्मण** था। वह **बृहद्रथ** का सेनापति था।
- ◈ पुष्यमित्र ने **सेनानी** की उपाधि ली थी, उसने यवनों के आक्रमण को विफल किया था।
- ◈ पुष्यमित्र ने दो **अश्वमेध** यज्ञ करवाये। इसमें पुरोहित **पतंजलि** थे।
- ◈ पुष्यमित्र की मृत्यु के बाद उसका पुत्र **अग्निमित्र** 148 ई० पू० में राजा बना। कालिदास के नाटक '**मालविकाग्निमित्रम्**' में अग्निमित्र एवं मालविका का वर्णन है।
- ◈ इस वंश का अंतिम शासक **देवभूति** था।

✪ कण्व वंश

- ◈ कण्व वंश की स्थापना **वसुमित्र** ने देवभूति की हत्या कर की। वसुमित्र शुंगो के आमात्य (मंत्री) थे।
- ◈ कण्व वंश भी **ब्राह्मण** वंश था।
- ◈ इस वंश का अंतिम शासक **सुशर्मा** था।
- ◈ सातवाहन वंश के संस्थापक **सिमुक** ने **सुशर्मा** की हत्या कर कण्व वंश का अंत कर दिया।

✪ कुषाण वंश

- ◈ भारत आनेवाले विदेशियों में कुषाण सबसे अंतिम थे। विदेशियों के आने का क्रम (हिन्द युनानी-शक- पहलव-कुषाण)।
- ◈ कुषाण चीन के **यूची/तोखरी** जाति से संबंधित थे।
- ◈ कुषाण वंश के संस्थापक **कुजुल कडफिसेस** थे।
- ◈ इस वंश का सबसे प्रमुख शासक **कनिष्क** था।
- ◈ कुषाण वंश की राजधानी **पुरूषपुर/पेशावर** एवं **मथुरा** थी।
- ◈ **अश्वघोष** जिन्होंने **बुद्धचरित** की रचना की, को कनिष्क ने पाटलिपुत्र से विजित किया था।
- ◈ कनिष्क के समय में **गांधार** एवं **मथुरा** कला का विकास हुआ।
- ◈ कनिष्क ने **चौथी बौद्ध संगीति** का आयोजन **कुण्डलवन (कश्मीर)** में करवाया।
- ◈ कनिष्क ने 78 ई० में राजा बनने के अवसर पर **शक संवत्** चलवाया था।
- ◈ कनिष्क के समय **सिल्क मार्ग** पर कुषाणों का आधिपत्य था।

✪ गुप्त वंश

- ◈ गुप्त वंश की स्थापना **श्री गुप्त** (240 ई० -280 ई०) ने की थी।
- ◈ श्री गुप्त का उत्तराधिकारी **घटोत्कच गुप्त** (280 ई० -320 ई०) था। वह प्रथम गुप्त शासक था जिसने **महाराजा** की उपाधि ली थी।

✪ चन्द्रगुप्त प्रथम (320 ई० - 335 ई०)

- ◈ गुप्त वंश का **वास्तविक संस्थापक चन्द्रगुप्त प्रथम** को माना जाता था।
- ◈ उन्होंने **320 ई०** में **गुप्त सम्वत्** चलाया।
- ◈ चन्द्रगुप्त प्रथम ने लिच्छवियों की राजकुमारी **कुमार देवी** से विवाह किया था।
- ◈ वह प्रथम गुप्त शासक था, जिसने **'महाराजाधिराज'** की उपाधि धारण की।

✪ समुद्रगुप्त (335 ई० - 375 ई०)

- ◈ इतिहासकार **स्मिथ** ने समुद्रगुप्त को **'भारत का नेपोलियन'** कह कर संबोधित किया है।
- ◈ समुद्रगुप्त ने **'परक्रमांक', 'अप्रतिरथ'** आदि की उपाधि धारण की थी।
- ◈ समुद्रगुप्त के अभियानों की चर्चा **हरिषेण** द्वारा रचित **प्रयाग प्रशस्ति** से मिलती है। उसने उत्तरापथ के नौ राजाओं तथा दक्षिणापथ के बारह राजाओं को विजित किया था।
- ◈ समुद्रगुप्त को **'कविराज'** भी कहा गया है।

- समुद्रगुप्त को उसके सिक्के पर **वीणा बजाते** हुए दिखाया गया है।
- समुद्रगुप्त का दरबारी कवि **हरिषेण** था।
- समुद्रगुप्त **वैष्णव धर्म** को मानता था। समुद्रगुप्त द्वारा अश्वमेघ यज्ञ कराने के प्रमाण भी मिले हैं।
- समुद्रगुप्त के बाद 375 ई० में **रामगुप्त** के राजा बनने का साक्ष्य मिला है, लेकिन उसके अयोग्य होने के कारण **चन्द्रगुप्त-II** ने उसकी हत्या कर स्वयं को राजा घोषित कर दिया।

✪ चन्द्रगुप्त द्वितीय (375 ई० - 415 ई०)

- चन्द्रगुप्त-II ने **शकों** को पराजित कर 389 ई० में **'विक्रमादित्य'** की उपाधि धारण की।
- चन्द्रगुप्त-II ने **देवगुप्त, देवराज, देवश्री** आदि की उपाधि भी धारण की थी।
- चन्द्रगुप्त-II ने **ध्रुव देवी** एवं **कुबेरनाग** से विवाह किया था।
- कुबेरनाग से उत्पन्न पुत्री **प्रभावती गुप्त** का विवाह **वाकाटक नरेश रूद्रसेन द्वितीय** के साथ हुआ था।
- रूद्रसेन की मृत्यु के बाद प्रभावती ने अपने अल्प वयस्क पुत्रों के संरक्षिका के रूप में शासन किया। उस दौरान प्रभावती ने चन्द्रगुप्त-II की सहायता से गुजरात और काठियावाड़ पर विजय प्राप्त की।
- चीनी यात्री **फाहियान** चन्द्रगुप्त-II के समय भारत आया था। फाहियान भारत में 14 वर्षों (399- 414 ई०) तक रहा था।
- चन्द्रगुप्त-II को **मेहरौली लौहस्तंभ** में **'चन्द्र'** नाम से संबोधित किया गया है। मेहरौली लौह स्तंभ चन्द्रगुप्त-II का माना जाता है।
- चन्द्रगुप्त-II के नौ रत्न थे - **कालिदास, धनवंतरि, अमर सिंह, वराहमिहिर, शंकु, बेताल भट्ट, घटकर्पर, क्षपणक** एवं **भरूचि**।

✪ कुमारगुप्त प्रथम (415 ई० - 455 ई०)

- चन्द्रगुप्त-II एवं ध्रुवदेवी का पुत्र **कुमारगुप्त प्रथम** 415 ई० में शासक बना।
- **नालंदा विश्वविद्यालय** की स्थापना **कुमारगुप्त** के समय में हुई थी। गुप्त काल में नालंदा विश्वविद्यालय शिक्षा का प्रमुख केन्द्र था। बाद में यह बौद्ध धर्म के शिक्षा का सबसे प्रमुख केन्द्र बना।

✪ स्कंदगुप्त (455 ई०-467 ई०)

- मध्य एशिया के बर्बर जाति **हूणों** का आक्रमण स्कंदगुप्त के समय हुआ। स्कंदगुप्त ने हूणों को पराजित कर भारत से बाहर खदेड़ दिया। इसका वर्णन **जूनागढ़ अभिलेख** में मिलता है, अभिलेख में हूणों को **'मलेच्छ'** कहा गया है।

- स्कंदगुप्त ने चंद्रगुप्त मौर्य द्वारा निर्मित **सुदर्शन झील का पुनरूद्धार** करवाया था।
- स्कंदगुप्त ने '**शक्रादित्य**' की उपाधि धारण की थी।
- गुप्त वंश का अंतिम शासक **विष्णुगुप्त** था। गुप्त वंश के साथ मगध वंश का अंत हो गया।
- इतिहासकार **वी.ए. स्मिथ** ने सांस्कृतिक उपलब्धियों के कारण गुप्त काल को **'स्वर्ण युग'** की संज्ञा दी है।

पाल वंश -

- पाल वंश की स्थापना **गोपाल** ने 750 ई० में की थी।
- गोपाल ने **ओदंतपुरी विश्वविद्यालय** की स्थापना **बिहार शरीफ** में की।
- इस वंश का सबसे प्रमुख शासक **धर्मपाल** था।
- धर्मपाल ने **विक्रमशिला विश्वविद्यालय** (भागलपुर) की स्थापना की।
- **सोमपुर महाविहार** (वर्त्तमान में बांग्लादेश में है) का निर्माण भी धर्मपाल ने करवाया था।
- धर्मपाल ने **त्रिपक्षीय संघर्ष** में प्रतिहारों एवं राष्ट्रकूटों से संघर्ष किया था। धर्मपाल प्रतिहार शासक वत्सराज से पराजित हुआ। बाद में धर्मपाल ने राष्ट्रकूट शासक ध्रुव और प्रतिहार शासक वत्सराज को पराजित किया। उसने कुछ समय के लिए **कन्नौज** पर अधिकार भी किया।
- धर्मपाल ने '**उत्तरापथस्वामी**' की उपाधि धारण की।
- धर्मपाल के बाद उसका पुत्र **देवपाल** 810 ई० में शासक बना।
- देवपाल ने '**मुंगेर**' को अपनी राजधानी बनाया।
- देवपाल ने **जावा (इंडोनेशिया)** के **शैलेन्द्र वंशी** शासक "**बालपुत्रदेव**" को नालंदा में विहार बनवाने के लिए **5 गाँव** दान में दिए थे।
- देवपाल के बाद **विग्रहपाल, महिपाल, रामपाल** आदि ने शासन किया।
- पालकालीन **काँसे की 'मूर्तियाँ'** अपनी कलात्मकता के लिए काफी प्रसिद्ध थीं। **धीमन** एवं **विठपाल** इस कला के प्रवर्त्तक माने जाते हैं।

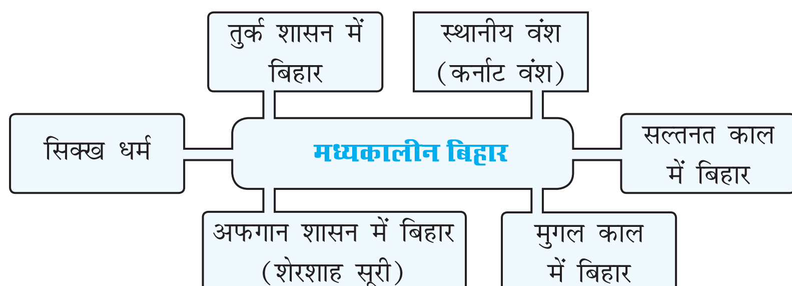
✪ प्राचीन बिहार इतिहास के विभिन्न वंश/शासक एवं उसकी राजधानी

वंश/शासक	राजधानी
बृहद्रथ	गिरिव्रज/राजगृह (मगध की प्रथम राजधानी)
बिम्बीसार	गिरिव्रज/राजगृह
उदयन	पाटलिपुत्र
शिशुनाग	वैशाली
कालाशोक	पाटलिपुत्र
नंद वंश	पाटलिपुत्र
मौर्य वंश	पाटलिपुत्र
कुषाण	पुरुषपुर एवं मथुरा
गुप्त वंश	पाटलिपुत्र
पाल वंश	मुंगेर

✪ प्राचीन बिहार इतिहास के प्रमुख साहित्य -

साहित्य	लेखक	विशेषता
अर्थशास्त्र	कौटिल्य	राज्य प्रबंधन के लिए प्रसिद्ध
बुद्ध चरित	अश्वघोष	बौद्ध धर्म का महाकाव्य
प्रज्ञा पारमिता	नागार्जुन	शून्यवाद का सिद्धांत
सी-यू-की	ह्वेनसांग	भारत का यात्रा विवरण
इण्डिका	मेगास्थनीज	मौर्य साम्राज्य का विवरण
मिलिंदपन्हो	नागसेन	बैक्ट्रियन शासक मिनांडर एवं नागसेन के वार्तालाप का संग्रहन
ललित विस्तार	-	बुद्ध की लीलाओं का वर्णन
महावंश	-	श्रीलंका के राजाओं का वर्णन
जातक कथाएँ	-	बुद्ध के पुनर्जन्म की कहानियाँ

मध्यकालीन बिहार का इतिहास



तुर्क शासन में बिहार

✪ तुर्क शासक (बख्तियार खिलजी)

- ◈ बिहार में तुर्क सत्ता की स्थापना का वास्तविक श्रेय **बख्तियार खिलजी** को जाता है। बख्तियार खिलजी **कुतुबुद्दीन ऐबक** का दास था।
- ◈ बख्तियार खिलजी के आक्रमण के समय बिहार में छोटे-छोटे शासकों का शासन था। उत्तर बिहार में कर्नाट वंश का शासन था।
- ◈ बख्तियार खिलजी की पहली महत्त्वपूर्ण सफलता **ओदन्तपुरी विहार** (बिहार शरीफ) की विजय थी (1198 ई०)।
- ◈ बख्तियार खिलजी ने **ओदंतपुरी** के साथ **नालंदा** एवं **विक्रमशिला विश्वविद्यालय** को भी नष्ट कर दिया। इन विश्वविद्यालयों में उसने **आग** लगवा दिया था।
- ◈ उसने 1203-04 ई० में **नदिया (बंगाल)** पर चढ़ाई की जो सेन वंश की राजधानी थी। उस समय **सेन वंश** का शासक **लक्ष्मण सेन** था। लक्ष्मण सेन बिना लड़े ही डर कर भाग गया। बख्तियार ने इस क्षेत्र पर अधिकार कर **लखनौती** को अपनी राजधानी बनाया।
- ◈ बख्तियार की हत्या उसके एक अधिकारी **अलीमर्दान** ने कर दी। उसके शव को बिहार शरीफ के **इमादपुर** में दफनाया गया।

स्थानीय वंश (कर्नाट वंश)

✪ मिथिला के कर्नाट वंश -

- ◈ पाल वंश के पतन के दौर में **तिरहुत- मिथिला** क्षेत्र में **कर्नाट वंश** का उदय हुआ।

- कर्नाट वंश के संस्थापक **नान्यदेव** थे।
- कर्नाट वंश की राजधानी **सिमराँवगढ़** थी, जो वर्तमान में नेपाल में है।
- बख्तियार खिलजी के बिहार अभियान के समय कर्नाट शासक **नरसिंह देव** ने उसे नजराना/भेंट देकर सहयोग किया था, क्योंकि कर्नाट वंश का सेन वंश से संघर्ष चलता रहता था।
- कर्नाट वंश पर तुर्क सेनापति **तुगरिल तुगन** के अभियान की चर्चा तिब्बती धर्मास्वामिन् ने की है।
- सामान्यतः दिल्ली के सुल्तान के साथ कर्नाट वंश का संबंध नजराना एवं भेंट का था, परन्तु **गियासुद्दीन तुगलक** ने अपने **बंगाल अभियान** (1324-25) के क्रम में कर्नाट क्षेत्र पर विजय प्राप्त कर लिया ।
- गियासुद्दीन के अभियान के समय कर्नाट वंश का शासक **हरिसिंहदेव** था। हरिसिंह देव (1279-1335) समाज-सुधारक भी था।
- **हरिसिंह** इस वंश का अंतिम शासक था। उसके समय **पंजी-प्रबंध** का विकास हुआ था।

सल्तनत काल में बिहार

- दिल्ली के सुल्तान एवं बंगाल शासकों के बीच निरंतर होने वाले संघर्ष में बिहार लम्बे समय तक युद्ध का अखाड़ा बना रहा।
- **इल्तुतमिश दिल्ली सल्तनत का प्रथम सुल्तान** था, जिसने **बिहार पर अभियान** किया। उसने 1225 ई० में बंगाल एवं बिहार पर अधिकार किया, परन्तु यह अधिकार उसके उत्तराधिकारी के समय खत्म हो गया।
- तुगलक काल में बिहार पर सुल्तानों का वास्तविक नियंत्रण हुआ। 1324-25 में **गियासुद्दीन तुगलन ने कर्नाट क्षेत्र पर विजय** प्राप्त की।
- **फिरोजशाह तुगलक** भी अपने **बंगाल अभियान (1359)** के समय बिहार आया था। पटना और गया से उसके अभिलेख प्राप्त हुए हैं। राजगीर के **जैन मंदिर** के अभिलेखों में उसके द्वारा **अनुदान** देने के प्रमाण मिले हैं।
- तुगलक काल में बिहार की राजधानी **'बिहार शरीफ'** थी। उस काल में बिहार शरीफ का नगर बौद्ध धर्म का प्रमुख केन्द्र था।
- तुगलक काल में बिहार के प्रशासकों में सबसे महत्त्वपूर्ण नाम **मलिक इब्राहिम** का है, **जो मलिक बयां** कहलाते थे। इनका **मकबरा बिहार शरीफ** में पहाड़ी पर स्थित है।
- 13वीं शताब्दी के मध्य में **मिनहाज** की रचना **तबकाते नासिरी** में '**बिहार**' नाम का उल्लेख मिलता है।

अफगान शासन में बिहार

- **सिकन्दर लोदी** ने 1495-96 ई० में **दरिया खाँ नूहानी** को बिहार में प्रशासक/राज्यपाल नियुक्त किया।
- इब्राहिम लोदी की मृत्यु के बाद **दरिया खाँ नूहानी** का पुत्र **बहार खाँ नूहानी** ने स्वतंत्र सत्ता की घोषणा कर दी। दूसरी ओर अफगान शासक **महमूद लोदी** बाबर से बचने के लिए बिहार आ गया।
- **बाबर** ने 1529 ई० में **घाघरा के युद्ध** में बिहार के इन अफगानों को पराजित कर दिया।
- घाघरा युद्ध के बाद बिहार में शेरशाह के नेतृत्व में पुनः अफगानों का उदय हुआ।

शेरशाह सूरी

- शेरशाह सूरी का जन्म **1486 ई०** में हुआ।
  उसके पिता का नाम – **हसन खाँ** था जो **सासाराम के जागीरदार** थे।
- शेरशाह के बचपन का नाम **फरीद खाँ** था।
- बहार खाँ नूहानी ने फरीद खाँ को '**शेर खाँ**' की उपाधि दी।
- शेर खाँ ने नुहानियों के पतन के बाद बहार खाँ की विधवा **दूदू बेगम** से विवाह कर बिहार क्षेत्र को अपने अधीन कर लिया।
- शेर खाँ ने 1534 ई० में **सूरजगढ़ की लड़ाई** में **बंगाल को पराजित** कर उस पर अधिकार कर लिया।
- 1539 ई० में **चौसा के युद्ध** में **हुमायूँ को पराजित** कर उसने **शेरशाह की उपाधि** धारण की।
- 1540 ई० में **कन्नौज (बिलग्राम) युद्ध** में **हुमायूँ को पराजित** कर उसने दिल्ली में **शूर वंश की स्थापना** की।
- **1541 ई०** में शेरशाह ने **पटना का दुर्ग** बनवाया तथा इस नगर को **बिहार की राजधानी** बनाया। इसका वर्णन **अब्दुल्लाह के तारीखे दाऊदी** में मिलता है।
- शेरशाह ने 1543 ई० में रायसीन, 1544 ई० में मारवाड़ विजय किया। 1545 ई० में **कालिंजर अभियान** में गोला फटने से वह घायल हो गया और उसकी मृत्यु हो गई।
- शेरशाह ने अपने जीवन काल में ही **सासाराम** में इंडो-इस्लामिक स्थापत्य कला पर आधारित **मकबरा** का निर्माण प्रारंभ करवाया। शेरशाह की मृत्यु के बाद उसके पुत्र इस्लाम शाह ने इसे बनवाया। कृत्रिम झील के मध्य स्थित यह इमारत आकार में अष्टकोणीय है एवं लाल बलुआ पत्थर से निर्मित है।

- शेरशाह ने बिहार में **रोहतास किला** भी बनवाया।
- शेरशाह ने **जब्ती प्रणाली** चलाई जिसमें भूमि की माप के आधार पर लगान-निर्धारण किया जाता था। बाद में इसे अकबर ने भी अपनाया।
- शेरशाह का शासन सुव्यवस्थित शासन प्रणाली के लिए प्रसिद्ध था। उसने संचार व्यवस्था, डाक व्यवस्था, सैन्य व्यवस्था, राजस्व व्यवस्था में व्यापक सुधार किये थे।
- शेरशाह के बाद उसका पुत्र **जलालखाँ 'इस्लामशाह'** की उपाधि के साथ गद्दी पर बैठा।
- बाद में शूर वंश तीन भागों में बंट गया। 1555 ई० में मच्छीबार एवं सरहिन्द के युद्ध में हूमायूँ ने **सिकन्दर सूरी** को पराजित कर **शूर** वंश का अंत कर दिया।

मुगल काल में बिहार

- शेरशाह की मृत्यु के बाद कुछ वर्षों तक शूर वंश की सत्ता बनी रही लेकिन 1555-56 ई० में मुगल राज्य की पुनः स्थापना हो गई।
- दिल्ली में मुगल राज्य की पुनः स्थापना के समय बिहार में **ताज खाँ करारानी** के नेतृत्व में एक अफगान राज्य का गठन हुआ।
- ताज खाँ करारानी ने अकबर के प्रति सम्मान की नीति अपनाई लेकिन उसके पुत्र **दाऊद खाँ करारानी** ने इसका विरोध किया।
- **अकबर** ने उसे दंडित करने के लिए स्वयं आक्रमण किया। **1576 ई०** में उसने **पटना को जीत** लिया और दाऊद खाँ को पटना छोड़कर भागना पड़ा।
- **दाऊद खाँ बिहार** का **अंतिम अफगान शासक** सिद्ध हुआ।
- **1580 ई०** में बिहार को मुगलों द्वारा एक **सूबा/प्रान्त** का दर्जा दिया गया।
- अकबर द्वारा **मुनिम खाँ** को **बिहार का गर्वनर** बनाया गया।
- अकबर के समय **राजा मानसिंह** को बिहार का प्रांतपति (1587 ई० से 1594 ई०) बनाया गया। मानसिंह के समय मुगल साम्राज्य बिहार में काफी मजबूत हो गया था।
- मानसिंह के समय **रोहतास को बिहार की राजधानी** बनाया गया।
- जहाँगीर के समय छोटानागपुर के क्षेत्र पर मुगलों का अधिकार स्थापित हुआ। इस क्षेत्र से मुगलों को हीरा और सोना प्राप्त होता था।
- **जहाँगीर** ने 1621 ई० में **राजकुमार परवेज** को बिहार का प्रान्तपति बनाया। इसके बाद यह पद केवल राजकुमारों को ही दिया जाने लगा।

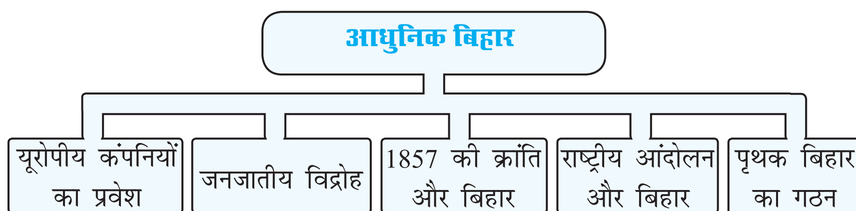
- **औरंगजेब** ने अपने प्रिय पौत्र **राजकुमार अजीम** को 1702 ई० में बिहार का प्रांतपति/सूबेदार नियुक्त किया। अजीम ने पटना का नाम **अजीमाबाद** कर उसका सौन्दर्यीकरण कराया।
- उत्तर मुगल काल के शासक **फर्रूखशियर** ने 1713 ई० में **पटना में अपना औपचारिक राज्याभिषेक** कराया। वह पहला मुगल सम्राट था जिसका राज्याभिषेक बिहार में हुआ। (**शाह आलम द्वितीय** का भी विधिवत् राज्याभिषेक 1761 ई० में पटना में हुआ था)
- औरंगजेब की मृत्यु (1707 ई०) के बाद कमजोर होती सत्ता में बिहार बंगाल का भाग बन गया।
- **मुर्शीद कुली खाँ** 1727 ई० तक बिहार, बंगाल, उड़ीसा का सूबेदार रहा। उसके बाद सरफराज खाँ नवाब बना। **अलीवर्दी खाँ** ने **गिरिया के युद्ध** (1740 ई०) में **सरफराज खाँ** को पराजित किया और बंगाल का नवाब बन गया। उसने मुगल सम्राट को 2 करोड़ रुपये देकर अपने पद को स्थायी बना दिया। 1756 ई० में अलीवर्दी खाँ की मृत्यु तक बिहार, बंगाल एवं उड़ीसा क्षेत्र पर उसका प्रत्यक्ष नियंत्रण रहा।

सिक्ख धर्म

सिक्ख धर्म और बिहार –

- सिक्ख धर्म के **संस्थापक गुरू नानक** देव थे। उन्होंने बिहार में **गया, राजगीर, पटना, मुंगेर, भागलपुर** आदि की यात्रा की थी।
- सिक्ख धर्म के **नौवें गुरू श्री तेग बहादुर** भी सासाराम, गया होते हुए पटना आये थे। यहाँ वे अपनी **पत्नी गुजरी देवी** को छोड़ गये थे, जो माँ बनने वाली थी। यहीं **पटना में गुरू गोविन्द सिंह का जन्म** हुआ।
- सिक्ख धर्म के दसवें एवं अंतिम **गुरू गोविन्द सिंह का जन्म** पटना में **26 दिसंबर 1666 ई०** को हुआ।
- गुरू गोविंद सिंह **1676 ई०** में 10 वें गुरु बने तथा **1699 ई०** में उन्होंने **खालसा पंथ** की स्थापना की।
- **तख्त श्री हरिमंदिर पटना साहिब** सिक्ख धर्म का प्रमुख तीर्थ स्थल है। इसका निर्माण **महाराजा रंजीत सिंह** ने करवाया था।

आधुनिक बिहार का इतिहास



यूरोपीय कंपनियों का प्रवेश

- बिहार में सर्वप्रथम **पुर्तगाली** आये जो **हुगली से पटना नाव द्वारा** व्यापार करते थे। वे पटना से **शोरा, सूती वस्त्र, चीनी मिट्टी के बर्तन, मसाले** आदि प्राप्त करते थे।
- **1632 ई० में पटना में** (पटना कॉलेज की उत्तरी इमारत) **डचों** ने अपना व्यापारिक केन्द्र स्थापित किया। डचों की अभिरूचि सूती वस्त्र, शोरा आदि में थी।
- अंग्रेजों ने **1620 ई०** में **पटना के आलमगंज** में अपना व्यापारिक केन्द्र स्थापित किया लेकिन वह 1621 ई० में बंद हो गई, उन्हें व्यापारिक केन्द्र स्थापित करने में वास्तविक सफलता **1651 ई०** में मिली।
- अंगेज यात्री **पीटर मुंडी** 1632 ई० में बिहार आया था, उसने यहाँ व्यापार की संभावनाएं देखी तथा डच कंपनी को व्यापार करते हुए देखा।
- **अंग्रेजी कंपनी की फैक्ट्री** में वर्त्तमान में **गुलजारबाग, पटना स्थित गवर्नमेंट प्रिटिंग प्रेस एवं सर्वे कार्यालय** स्थित है।
- **डेनिश कंपनी** ने 1774 ई० में पटना सिटी के **नेपाली कोठी** के समीप अपनी फैक्ट्री स्थापित की थी।
- मुगल शासक **फर्रूखशियर** (1713-19 ई०) ने **1717 ई०** में अंग्रेजों को भारत में कहीं भी व्यापार करने एवं सिक्के प्रयोग करने की मान्यता दी। इस घोषणा को **ईस्ट इंडिया कंपनी का 'मैग्नाकार्टा'** कहा जाता है।

✪ बंगाल, बिहार एवं अंग्रेज

- अंग्रेजी कंपनी को 1717 ई० में व्यापारिक अधिकार प्राप्त हो गया था। दूसरी ओर बंगाल के नवाब अलीवर्दी खाँ मुगलों से हटकर स्वतंत्र सत्ता चला रहे थे, अत: व्यापारिक हितों के लिए संघर्ष स्वाभाविक था।

- **1756 ई.** में अलीवर्दी खाँ की मृत्यु के बाद उसका नाती **सिराजुद्दौला बंगाल का नवाब** बना।
- **23 जून 1757 ई०** को अंग्रेजों एवं सिराजुद्दौला के मध्य **पलासी की लड़ाई** हुई, जिसमें सिराजुद्दौला पराजित हुआ।
- उसके बाद **मीरजाफर को कठपुतली नवाब** बनाया गया। 1760 ई० में मीरजाफर की जगह उसके दामाद **मीरकासिम को नवाब** बनाया गया।
- मीरकासिम ने अंग्रेजों के हस्तक्षेप को कम करने के उद्देश्य से अपनी **राजधानी मुंगेर** स्थानांतरित कर दिया। स्थानीय व्यापारियों पर से करों को समाप्त कर दिया। इससे ब्रिटिश व्यापारियों को परेशानी होने लगी। अंग्रजों ने 1763 ई० में मीरकासिम को हटाकर पुनः मीरजाफर को नवाब बना दिया।
- 1763 ई. में मीर कासिम भाग कर पटना आ गया। पटना में उसने अंग्रेजी फैक्ट्री पर अधिकार कर लिया।
- इसके बाद वह **अवध के नबाब शुजाउद्दौला** एवं **मुगल बादशाह शाहआलम द्वितीय** से मिला।
- तीनों की संयुक्त सेना एवं अंग्रेजों (हेक्टर मुनरो के नेतृत्व में) के बीच **22 अक्टूबर 1764 ई०** को **बक्सर का युद्ध** हुआ। इस युद्ध में संयुक्त सेना की हार हुई।
- 12 अगस्त 1765 ई० को **इलाहाबाद संधि** के तहत मुगल सम्राट शाहआलम द्वितीय को 26 लाख रूपये वार्षिक के बदले ईस्ट इंडिया कंपनी को बिहार, बंगाल और उड़ीसा का दीवानी (लगान वसूली) अधिकार देना पड़ा।
- 1766 ई० में पटना स्थित अंग्रेजी फैक्ट्री के मुख्य अधिकारी मिडल्टन को राजा धीरज नारायण और राजा शिताब राय के साथ एक प्रशासनिक मंडली का सदस्य बनाया गया। 1767 ई० में धीरज नारायण को हटाकर शिताब राय को कम्पनी द्वारा नायब दीवान बनाया गया।
- 1770 ई० में बंगाल बिहार के क्षेत्र में भीषण अकाल पड़ा। पटना, भागलपुर, दरभंगा, पूर्णिया में अकाल का प्रकोप भयंकर था।
- 1783 ई० में बिहार में पुनः अकाल पड़ा। जाँच अधिकारी **जॉन शोर** ने एक अन्नागार के निर्माण का सुझाव दिया। उसके सुझाव पर **1784 ई०** में पटना में **ब्रिटिश इंजीनियर जॉन गार्स्टिन** द्वारा **गोलघर का निर्माण** कराया गया।

जनजातीय विद्रोह

- जनजातीय क्षेत्रों में अंग्रेजों के बढ़ते राजनीतिक, आर्थिक एवं धार्मिक हस्तक्षेप के कारण कई जनजातीय विद्रोह हुए। बिहार के प्रमुख जनजातीय विद्रोह निम्नलिखित हैं –

विद्रोह	वर्ष	क्षेत्र	नेतृत्वकर्त्ता
तमाड़ विद्रोह	1789–94	छोटानागपुर	---
चेरो विद्रोह	1800–1802	पलामू	भूषण सिंह
हो विद्रोह	1820–21	सिंहभूम	---
कोल विद्रोह	1831–32	छोटानागपुर	बुद्धो भगत
संथाल विद्रोह	1855–56	संथाल परगना	सिद्धू, कान्हु, चाँद एवं भैरव
सरदारी विद्रोह	1858–95	छोटानागपुर, सिंहभूम	---
मुण्डा विद्रोह	1895–1900	छोटानागपुर	बिरसा मुण्डा
ताना भगत विद्रोह	1913–14	गुमला	जतरा भगत

संथाल विद्रोह (1855–56 ई०)

- 1857 ई० की क्रांति से तुरंत पहले यह विद्रोह **भागलपुर से राजमहल तक** के क्षेत्र में हुआ, जिसे **'दामन-ए-कोह'** के नाम से जाना जाता है।
- यह जनजातीय शोषण के विरूद्ध **प्रथम सशक्त जनजातीय विद्रोह** था।
- इस विद्रोह का कारण बाहरी लोगों (दीकूओं) द्वारा शोषण, **मांझी व्यवस्था** एवं **परहा पंचायत व्यवस्था** में परिवर्त्तन आदि था।
- इस विद्रोह का नेतृत्व **सिद्धू, कान्हू, चाँद** एवं **भैरव** ने किया।
- यह विद्रोह असफल रहा लेकिन इसके परिणाम स्वरूप **संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम (1869), संथाल परगना** एवं **माँझी व्यवस्था** को मान्यता दी गई।

मुंडा विद्रोह (1895–1900 ई०) –

- यह जनजातीय विद्रोहों में **सबसे सशक्त जनजातीय विद्रोह** था। विद्रोह की व्यापकता के कारण इसे **'उलगुलान विद्रोह'** के रूप में भी जाना जाता है।
- इस विद्रोह का कारण दिकूओं द्वारा शोषण, **खुँटकटी व्यवस्था में परिवर्त्तन** तथा धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप आदि था।
- इस विद्रोह का नेतृत्व **बिरसा मुण्डा** ने किया था। उन्होंने **आनंद पाण्डे** से वैष्णव धर्म की दीक्षा प्राप्त की। उन्होंने स्वयं को **सिंहबोंगा** का अवतार बताया। उन्होंने **आचरण शुद्धता, आत्म सुधार** एवं **एकेश्वरवाद** का उपदेश दिया।

- इस विद्रोह का तीव्र रूप 1899 ई० में रहा, जब कई स्थानों पर अंग्रेजों को हराया गया।
- **3 फरवरी 1900 ई०** को बिरसा मुण्डा को गिरफ्तार कर लिया गया। **9 जून 1900 ई०** को **हैजा के कारण उनकी मृत्यु** हो गई।
- विद्रोह के परिणामस्वरुप **खुँटकट्टी व्यवस्था** पुनः लागू की गई। **छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (1908)** पारित किया गया।

1857 ई० की क्रांति के पूर्व बिहार में हुए विद्रोह/आंदोलन

वहाबी आंदोलन

- वहाबी आंदोलन के प्रवर्तक **अब्दुल-अल-वहाब** थे। उन्होंने अरब क्षेत्र में इसको प्रारंभ किया था।
- भारत में इसको **सैयद अहमद बरेलवी** (रायबरेली) ने नेतृत्व प्रदान किया।
- प्रारंभ में इस विद्रोह का उद्देश्य धार्मिक सुधार था परंतु बाद में राजनीतिक सुधार एवं आंदोलन के रूप में बदल गया।
- भारत में इस विद्रोह के दो केन्द्र थे। प्रथम केन्द्र **सितना** (पश्चिमोत्तर सीमा पर) तथा दूसरा केन्द्र **पटना** में था। पटना केन्द्र से धन एवं स्वंयसेवकों को 'सितना' भेजा जाता था।
- सैयद अहमद बरेलवी ने पटना में अपने चार प्रतिनिधि चुने- **इनायत अली, विलायत अली, फरहत अली एवं मुहम्मद हुसैन।**
- बंगाल का **'फरायजी आंदोलन'** वहाबी आंदोलन से ही प्रेरित था।
- वहाबी आंदोलन के दमन के लिए **1863 ई० में अम्बाला** तथा **1865 ई० में पटना अभियान** चलाया गया। वहाबी नेताओं को कारावास तथा मृत्युदंड की सजा दी गई। अंततः आंदोलन को दबा दिया गया।

नोनिया विद्रोह (1770-1800 ई०)

- बिहार के **शोरा उत्पादक वर्ग नोनिया** द्वारा यह विद्रोह किया गया था।
- शोरा का उपयोग बारूद बनाने में किया जाता था। बिहार में शोरा उत्पादन **मुजफ्फरपुर, सारण, हाजीपुर, पूर्णिया** आदि क्षेत्रों में होता था।
- बिचौलिये कच्चा शोरा ब्रिटिश कारखाने को देते थे तथा मुनाफा स्वयं रख लेते थे। परिणामस्वरूप नोनिया समुदाय ने गुप्त रूप से शोरा बेचना शुरू कर दिया। अंग्रेजों ने इस पर रोक लगाई जिसके विरोध में नोनिया समुदाय ने विद्रोह कर दिया। अंततः अंग्रेजों द्वारा विद्रोह को दबा दिया गया।

✪ लोटा विद्रोह (1856 ई०)

- यह विद्रोह **मुजफ्फरपुर जेल के कैदियों** द्वारा किया गया था।
- जेल में कैदियों को पहले **पीतल का लोटा** दिया जाता था। बाद में सरकार ने **मिट्‌टी का लोटा** देने का निर्णय लिया।
- कैदियों ने इसका कड़ा विरोध किया और 1856 ई० में विद्रोह कर दिया। परिणामस्वरूप अंग्रेजी सरकार को पुन: कैदियों को **पीतल का लोटा देना पड़ा।**

1857 की क्रांति और बिहार

- बिहार में 1857 की क्रांति **12 जून 1857** को **देवघर जिले** के **रोहिणी गाँव** में **32वीं इनफैन्ट्री रेजिमेंट** के सैनिकों के विद्रोह से हुआ। इस विद्रोह में **लेफ्टीनेंट नार्मन लेस्ली** एवं **सर्जन डॉ. ग्रांट** मारे गये।
- रोहिणी के विद्रोह को **मेजर मैक्डोनाल्ड** द्वारा दबा दिया गया। विद्रोही सैनिकों को फाँसी दे दी गई।
- **पटना में** विद्रोह का नेतृत्व 3 जुलाई को पटना सिटी के **पुस्तक विक्रेता 'पीर अली'** ने किया। विद्रोह में **अफीम एजेंट डॉ० आर० लॉयल** मारा गया। परन्तु **कमिश्नर टेलर ने विद्रोह को दबा दिया।** पीर अली सहित 17 व्यक्तियों को फाँसी दे दी गई।
- 25 जुलाई 1857 को **मुजफ्फरपुर** में असंतुष्ट सैनिकों ने कुछ **अंग्रेज अधिकारियों की हत्या** कर दी। उसी दिन **दानापुर** में तीन रेजीमेंन्टो के **सैनिकों ने भी विद्रोह** कर दिया। सैनिकों ने शाहाबाद जिले में प्रवेश कर **जगदीशपुर के जमींदार बाबू कुँवर सिंह** से मिलकर विद्रोह को प्रारंभ किया।
- 30 जुलाई को सरकार ने तत्कालीन **सारण, तिरहुत, चम्पारण** और **पटना** जिलों में **सैनिक शासन लागू** कर दिया।
- विद्रोही सैनिकों के एक झुंड ने भागलपुर तथा गया पहुंच कर जेल से 400 कैदियों को मुक्त करा लिया। उन्होंने **टिकारी राज** पर हमला कर **10,000 रूपए लूट लिये।**
- **जगदीशपुर के जमींदार बाबू कुँवर सिंह** ने बिहार में हुए 1857 की क्रांति को नेतृत्व प्रदान किया। उन्हें **कमिश्नर टेलर** ने पटना में भेंट के लिए निमंत्रण दिया, मगर **मौलवी अहमदुल्लाह** के साथ हुए विश्वासघात को समझते हुए उन्होंने 4,000 सैनिकों के साथ विद्रोह प्रारंभ कर दिया।
- उन्होंने जगदीशपुर में बन्दुकें एवं गोला-बारूद बनाने का कारखाना स्थापित किया तथा 27 जुलाई 1857 को **आरा पर अधिकार** कर लिया।

- आरा में हुए संघर्ष में **कैप्टन डनवर मारा गया,** लेकिन कुँवर सिंह को आरा छोड़ना पड़ा। वे रीवा और बांदा के रास्ते लखनऊ पहुँचे। उन्हें **अवध के शाह** ने **आजमगढ़ जिला का फरमान** दिया।
- दिसम्बर 1857 में **कुँवर सिंह ने नाना साहब के साथ मिलकर** कानपुर में अंग्रेजों से युद्ध किया। उन्होंने आजमगढ़ में भी अंग्रेजों को पराजित किया।
- 23 अप्रैल 1858 को **कैप्टन ली ग्रांड के** नेतृत्व में आयी ब्रिटिश सेना को कुँवर सिंह ने बुरी तरह पराजित किया।
- **शिवराजपुर घाट (गंगा नदी)** पार करने के क्रम में **सेनापति डगलस** की गोली से कुँवर सिंह का बाँया हाथ घायल हो गया। उन्होंने अपना बाँया हाथ काट कर गंगा में प्रवाहित करते हुए कहा– "**हे गंगा मैया अपने प्यारे की यह अकिंचन भेंट स्वीकार करो**"।
- **26 अप्रैल 1858 ई०** में **कुँवर सिंह की मृत्यु** हो गई।
- कुँवर सिंह की मृत्यु के बाद उनके छोटे भाई **अमर सिंह** ने आंदोलन का नेतृत्व संभाला, जबकि दूसरे भाई **हरिकिशन सिंह** ने उनको पूर्ण सहयोग दिया।
- अमर सिंह ने कैमूर की पहाड़ियों में मोर्चाबन्दी कर सरकार के विरूद्ध संघर्ष जारी रखा।
- नवंबर 1858 ई० तक अंग्रेजी अधिकार पुनः स्थापित हो गया। विद्रोहियों ने हथियार डाल दिये। महारानी विक्टोरिया ने क्षमादान की घोषणा की, परन्तु अमर सिंह आदि को दंडित किया गया।

✪ काँग्रेस की स्थापना और बिहार

- **28 दिसम्बर 1885 ई०** को **बम्बई** के गोकुलदास संस्कृत विद्यालय में **ए.ओ. ह्यूम** द्वारा भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस की स्थापना की गई।
- प्रथम अधिवेशन की अध्यक्षता **डब्लू.सी. बनर्जी** ने की। इस अधिवेशन में 72 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। लेकिन बिहार से कोई प्रतिनिधि शामिल नहीं था।
- काँग्रेस के दूसरे अधिवेशन में बिहार से 31 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
- **बिहार में हुए काँग्रेस के अधिवेशन –**

अधिवेशन	वर्ष	स्थान	अध्यक्ष
27वां अधिवेशन	1912 ई०	बांकीपुर (पटना)	आर.एन. मुधोलकर
37वां अधिवेशन	1922 ई०	गया	चितरंजन दास
54वां अधिवेशन	1940 ई०	रामगढ़ (झारखण्ड)	मौलाना अबुल कलाम आजाद

✪ बंग-भंग/स्वदेशी आंदोलन और बिहार

- बंगाल विभाजन की **घोषणा 20 जुलाई 1905 ई०** को तत्कालीन **वायसराय लॉर्ड कर्जन** ने की। इसे **16 अक्टूबर 1905 ई०** को प्रभावी किया गया।
- विभाजन के विरोध में सम्पूर्ण देश में **बंग-भंग विरोधी आंदोलन** शुरू हो गया।
- बंगाल विभाजन के विरोध में बिहार में प्रधानाध्यापक सतीश चंद्र चक्रवर्ती की प्रेरणा से 16 दिसंबर 1905 ई० को **दरभंगा में रक्षा बंधन मनाया** गया।
- विरोध को सशक्त बनाने के लिए **'बिहारी स्टुडेंट्स कॉन्फ्रेंस'** की स्थापना **1906 ई०** में हुई।
- बंगाल विभाजन को 1911 ई० में रद्द कर दिया गया।

✪ मुजफ्फरपुर बमकांड (1908 ई०)

- **मुजफ्फरपुर में 30 अप्रैल 1908 ई०** को **खुदीराम बोस** और **प्रफ्फुलचंद्र चाकी** ने **जज किंग्सफोर्ड** की हत्या का प्रयास किया। उन्होंने गाड़ी पर बम फेंका लेकिन गाड़ी में प्रिंगले केनेडी की पत्नी और पुत्री थी। बमकांड में उनकी मृत्यु हो गई।
- घटना के बाद वे दोनों रेलवे लाईन से **समस्तीपुर** भाग निकले। प्रफ्फुलचंद्र चाकी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए आत्महत्या कर ली लेकिन खुदीराम बोस पूसा में पकड़े गये।
- **खुदीराम बोस** को 18 वर्ष की आयु में **11 अगस्त 1908 ई० को फाँसी** की सजा दी गई।

✪ होमरूल आंदोलन और बिहार

- 1916 ई० में **एनी बेसेंट के नेतृत्व में मद्रास** तथा **बाल गंगाधर तिलक के नेतृत्व में पूना** में **होमरूल लीग** की स्थापना हुई।
- बिहार में 16 दिसंबर 1916 ई० को **मौलाना मजहरूल हक** की अध्यक्षता में होमरूल लीग की शाखा की स्थापना हुई। खां बहादुर, सरफराज हुसैन खां एवं राय बहादुर पूर्णेन्दु नारायण सिन्हा, उपाध्यक्ष तथा चंद्रवंशी सहाय एवं बैद्यनाथ नारायण सिंह सचिव बनाये गये।
- श्रीमती एनी बेसेंट पहली बार 18 अप्रैल 1918 एवं दूसरी बार 25 जुलाई 1918 को पटना आईं। उन्होंने होमरूल के विचारों से सबको अवगत कराया। इस आंदोलन का **उद्देश्य ब्रिटिश साम्राज्य के अधीन रहते हुए संवैधानिक तरीके से स्व-शासन प्राप्त करना था।**

✪ चम्पारण सत्याग्रह (1917 ई०)

- चम्पारण में किसानों के लिए **तीनकठिया** प्रणाली प्रचलित थी। इसके तहत किसानों को प्रत्येक **20 कट्ठे में से 3 कट्ठे में नील की खेती** करना अनिवार्य था।

- इस व्यवस्था के प्रति किसानों में काफी आक्रोश था क्योंकि नील की फसल भूमि को बंजर बना रही थी, वहीं आर्थिक रूप से शोषक भी थी।
- **1916 ई०** में कांग्रेस के **लखनऊ अधिवेशन में मुरली भरहवा गाँव** के **राजकुमार शुक्ल** ने इस समस्या पर कांग्रेस नेतृत्व का ध्यान आकृष्ट किया। **ब्रजकिशोर प्रसाद** ने एक प्रस्ताव पेश किया।
- राजकुमार शुक्ल ने महात्मा गाँधी जी को बिहार आकर किसानों की समस्या सुनने के लिए आमंत्रित किया।
- **गाँधी जी** कलकत्ता से **10 अप्रैल 1917 ई० को पटना पहुंचे** तथा **15 अप्रैल 1917 ई० को वे चम्पारण** (मोतिहारी) पहुंचे। उन्होंने प्लांटर्स एसोसिएशन के सचिव जे.एम. विल्सन से जाँच कार्य में सहयोग करने का अनुरोध किया।
- चम्पारण के जिला मजिस्ट्रेट **डब्ल्यू. जे. हार्डकॉक** ने 16 अप्रैल 1917 ई० को गांधी जी के चम्पारण छोड़ने संबंधी अधिसूचना जारी की। **धारा 144** के उल्लंघन के आरोप में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में 21 अप्रैल 1917 ई० को उन्हें रिहा कर दिया गया।
- गाँधी जी ने स्वतंत्र जाँच कर 13 मई 1917 ई० को अपनी जाँच रिपोर्ट बिहार-उड़ीसा के मुख्य सचिव को सौंपी।
- परिणामस्वरूप कृषकों की स्थिति की जाँच के लिए **'चम्पारण एग्रेरियन समिति'** का गठन किया गया। इस **समिति के अध्यक्ष** मध्य प्रदेश के आयुक्त **एफ.जी. स्लाई** थे तथा महात्मा गाँधी, एल.सी. अदामी, राजा हरिहर प्रसाद, नारायण सिंह, डी.जे. रीड एवं जी. रैनी आदि इसके अन्य सदस्य थे।
- समिति ने अपनी रिपोर्ट में तीनकठिया प्रणाली समाप्त करने की अनुशंसा की। इस प्रकार गाँधी जी का भारत में प्रथम सत्याग्रह का प्रयोग सफल रहा।
- चम्पारण सत्याग्रह में गाँधी जी के प्रमुख सहयोगी **राजेन्द्र प्रसाद, ब्रजकिशोर प्रसाद, अनुग्रह नारायण सिंह, धरणीधर, मजहरूल हक, राजकुमार शुक्ल, रामनवमी प्रसाद, शंभू शरण** आदि थे।
- चम्पारण सत्याग्रह गाँधी जी द्वारा भारत में चलाया गया **प्रथम सत्याग्रह** था।
- चम्पारण सत्याग्रह से प्रेरित होकर **जून 1919 ई० में मधुबनी** जिले के किसानों ने **स्वामी विद्यानंद के नेतृत्व** में दरभंगा राज के विरूद्ध आंदोलन किया।

किसान सभा

- 1922-23 में **मुंगेर** में **शाह मुहम्मद जुबैर की अध्यक्षता** में किसान सभा का गठन हुआ। **श्री कृष्ण सिंह इसके उपाध्यक्ष** और **सिद्धेश्वरी चौधरी** एवं **नंद किशोर सिंह सचिव** थे।

- **1928 ई०** में **स्वामी सहजानंद सरस्वती** ने **बिहटा (पटना)** में **औपचारिक किसान सभा** की स्थापना की।
- **नवंबर 1929 ई०** में **सोनपुर मेले में स्वामी सहजानंद सरस्वती** की अध्यक्षता में **विधिवत प्रान्तीय किसान सभा की स्थापना** की गई। इसके **सचिव श्री कृष्ण सिंह** थे।
- बिहार किसान आंदोलन में **कार्यानंद शर्मा, राहुल सांकृत्यायन, पंचानन शर्मा, यदुनंदन शर्मा** आदि नेता शामिल थे।
- बिहार प्रान्तीय किसान सभा का दूसरा अधिवेशन **पुरूषोत्तम दास टंडन** की अध्यक्षता में 1934 ई० में हुआ। तीसरा अधिवेशन **स्वामी सहजानंद सरस्वती** की अध्यक्षता में 1935 ई० में **हाजीपुर** में हुआ।
- नवंबर 1936 ई० में **कार्यानंद शर्मा के नेतृत्व** में **मुंगेर के बड़हिया ताल** में बिहार प्रान्तीय किसान सभा ने जमींदारी उत्पीड़न के विरूद्ध संघर्ष किया।
- **11 अप्रैल 1936 ई०** को **लखनऊ में स्वामी सहजानंद** की अध्यक्षता में '**अखिल भारतीय किसान सभा**' का गठन हुआ इसके **सचिव एन.जी. रंगा** थे।
- किसान सभा का मुख्य उद्देश्य किसानों की समस्या को राष्ट्रीय स्तर पर लाना तथा उसका समाधान कराना था।

बिहार प्रातीय किसान सभा सम्मेलन			
क्रम	**स्थान**	**वर्ष**	**अध्यक्ष**
प्रथम	सोनपुर	1929	स्वामी सहजानन्द सरस्वती
द्वितीय	गया	1934	पुरूषोत्तम दास टंडन
तृतीय	हाजीपुर	1935	स्वामी सहजानन्द सरस्वती

प्रमुख किसान नेता	कार्यक्षेत्र
यदुनंदन शर्मा	गया
यमुना कार्य्यी	दरभंगा, सारण
राहुल सांकृत्यायन	अन्नवारी/अम्बारी (सीवान)
कार्यानंद शर्मा	मुंगेर (बड़हिया ताल)

खिलाफत आंदोलन और बिहार

- प्रथम विश्व युद्ध के पश्चात् मित्र राष्ट्रों द्वारा **तुर्की के खलीफा के साथ अपमान जनक शर्तों** के विरोध में **खिलाफत आंदोलन** (1919-23) हुआ।
- नवंबर, 1919 ई० में **पटना में हसन इमाम की अध्यक्षता** में एक सभा आयोजित हुई। इसमें शांति समारोहों के बहिष्कार का आह्वान किया गया।

- 19 मार्च 1920 ई० को बिहार के सभी मुसलमानों ने हड़ताल किया।
- 1920 ई० में खिलाफत आंदोलन, असहयोग आंदोलन के साथ-साथ संचालित होता रहा। लेकिन तुर्की में **मुस्तफा कमाल पाशा** द्वारा **1924 ई०** में खलीफा पद को समाप्त कर देने के कारण खिलाफत आंदोलन स्वत: निष्प्रभावी हो गया।

असहयोग आंदोलन और बिहार

- **सितंबर, 1920** में लाला लाजपत राय की अध्यक्षता में **कलकत्ता के विशेष अधिवेशन** में गाँधी जी के असहयोग आंदोलन के प्रस्ताव को स्वीकार किया गया। **कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन 1920** में इसे पूर्ण स्वीकृति दी गई।
- बिहार में इससे पूर्व बिहार प्रान्तीय सम्मेलन के 12वें अधिवेशन (भागलपुर) में राजेन्द्र प्रसाद की अध्यक्षता में असहयोग पर बल दिया गया।
- नवंबर, 1920 ई० में **शाहाबाद में नशाबंदी आंदोलन** शुरू किया गया।
- असहयोग आंदोलन के क्रम में राजेन्द्र प्रसाद, मजहरूल हक, ब्रजकिशोर प्रसाद, मुहम्मद शफी दाऊदी आदि नेताओं ने विधायिका के चुनाव से नाम वापस ले लिया।
- **राजेन्द्र प्रसाद ने वकालत का पेशा छोड़ दिया।** उनके भाई **राय साहब महेंद्र प्रसाद ने राय साहब की उपाधि लौटा दी** और **मजिस्ट्रेट पद से इस्तीफा** दे दिया।
- असहयोग आंदोलन के समय शिक्षा के वैकल्पिक साधन उपलब्ध कराने के लिए **राष्ट्रीय महाविद्यालय की स्थापना** की गई। इसके **प्राचार्य राजेन्द्र प्रसाद** बने।
- राष्ट्रीय महाविद्यालय के प्रागंण में **बिहार विद्यापीठ का उद्घाटन 6 फरवरी 1921** को **गाँधी जी द्वारा** किया गया। **महजहरूल हक इसके कुलाधिपति** और **ब्रजकिशोर प्रसाद कुलपति** बने।
- असहयोग आंदोलन के दौरान **मजहरूल** हक ने दीघा के पास मित्र खैरू मियाँ से दान में प्राप्त भूमि पर **सदाकत आश्रम** की स्थापना की।
- 30 सितंबर, 1921 ई० को महजरूल हक ने सदाकत आश्रम से **'दि मदरलैण्ड'** नामक एक अखबार निकालना प्रारंभ किया जिसने राष्ट्रीय भावना का प्रचार-प्रसार किया।
- 22 दिसंबर, 1921 को **युवराज प्रिंस ऑफ वेल्स** का पटना आगमन हुआ। उस दिन पटना शहर में हड़ताल आयोजित की गई।
- **5 फरवरी 1922 ई०** को **चौरी-चौरा की घटना** के बाद गाँधी जी द्वारा **12 फरवरी 1922 ई०** को **असहयोग आंदोलन स्थगित** कर दिया गया।
- ब्रिटिश सरकार से असहयोग के लिए **मौलाना सज्जाद** द्वारा **इमारत-ए-शरिया संस्था** का गठन **फुलवारी** में किया गया था।

राष्ट्रीय आंदोलन और बिहार

✪ स्वराज्य पार्टी और बिहार

- ◈ क्रांग्रेस का 37वां अधिवेशन 1922 ई० में बिहार के **गया** में हुआ। इसके **अध्यक्ष देशबंधु चित्तरंजन दास** थे। इस अधिवेशन में क्रांग्रेस द्वारा विधायिका में भाग लेने के बहिष्कार का निर्णय लिया गया।
- ◈ **चित्तरंजन दास**, **मोतीलाल नेहरू** आदि विधायिका में प्रवेश के पक्ष में थे। उन्होंने मिलकर **1923 ई० में स्वराज पार्टी का गठन** किया।
- ◈ बिहार में **फरवरी, 1923 ई०** में स्वराज पार्टी का गठन हुआ। **श्री कृष्ण सिंह** इसके प्रमुख नेता थे।
- ◈ **बिहार में स्वराज पार्टी** के **प्रथम अध्यक्ष श्री नारायण प्रसाद** एवं **सचिव अब्दुल बारी** थे।

✪ साइमन कमीशन और बिहार

- ◈ साइमन कमीशन में एक भी भारतीय सदस्य नहीं होने के कारण भारत में इसके आगमन पर विरोध का निर्णय लिया गया।
- ◈ **1928 ई०** में **साइमन कमीशन** का भारत में आगमन हुआ। यह आयोग भारत में मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधारों (1919 ई०) की जाँच के उद्देश्य से आया था।
- ◈ **राष्ट्रीय स्तर पर लाला लाजपत राय** के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया।
- ◈ बिहार में साइमन कमीशन **12 दिसंबर 1928 ई० को पटना आया। अनुग्रह नारायण सिंह के नेतृत्व में बिहार के** नौजवानों ने विरोध प्रदर्शन किया।

✪ बिहार सोशलिस्ट पार्टी

- ◈ **1931 ई०** में **गंगाशरण सिन्हा, रामानंद मिश्रा, रामवृक्ष बेनीपुरी** आदि ने **'बिहार सोशलिस्ट पार्टी'** नामक संगठन स्थापित किया।
- ◈ 1934 ई० में पटना के **अंजुमन इस्लामिया हॉल** में **बिहार सोशलिस्ट पार्टी** की **औपचारिक स्थापना** हुई। इसके **अध्यक्ष आचार्य श्री नरेन्द्र देव** और **सचिव जयप्रकाश नारायण** थे। इसके अन्य सदस्यों में रामवृक्ष बेनीपुरी, गंगाशरण सिन्हा, अब्दुल बारी, योगेन्द्र शुक्ल आदि थे।
- ◈ इस संगठन का मुख्य योगदान समाजवादी विचारों को बढ़ाने एवं किसान-मजदूरों को संगठित करने में रहा।

✪ सविनय अवज्ञा आंदोलन और बिहार

- ◈ कांग्रेस के **लाहौर अधिवेशन (1929 ई०)** में **पूर्ण स्वराज** के साथ **सविनय अवज्ञा आंदोलन** का प्रस्ताव पारित हुआ।

- प्रस्ताव के अनुरूप 26 जनवरी 1930 ई० को बिहार सहित संपूर्ण भारत में स्वाधीनता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया।
- गाँधी जी ने 12 मार्च 1930 ई० को **दांडी यात्रा** आरंभ की। 6 अप्रैल 1930 ई० को दांडी में नमक कानून का उल्लंघन कर सत्याग्रह आरंभ कर दिया।
- **बिहार में नमक सत्याग्रह** का आरंभ **15 अप्रैल को चंपारण** और **सारण जिला** में नमकीन मिट्टी से नमक बनाकर किया गया।
- सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान बिहार में विदेशी वस्त्रों एवं शराब की दूकानों का विरोध किया गया।
- मई **1930 ई०** में **स्वदेशी लीग** की स्थापना हुई, जिसके **अध्यक्ष सर अली इमाम** थे।
- इस आंदोलन के दौरान **छपरा जेल के कैदियों** ने विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार किया और **'नंगी हड़ताल'** शुरू की।
- सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान बिहार में **'चौकीदारी कर'** बन्द करने के लिए आंदोलन चलाया गया। सारण, चम्पारण, शाहाबाद, पूर्णिया, मुंगेर, पटना आदि में **चौकीदारी कर बंद** कर दिया गया।
- 30 जून 1930 को कांग्रेस को अवैध संगठन घोषित कर दिया गया। 5 जुलाई को राजेन्द्र प्रसाद को गिरफ्तार कर 6 माह की कैद की सजा दी गई।
- गिरफ्तारी के बाद **राजेन्द्र प्रसाद ने भागलपुर के दीपनारायण सिंह** को अपना **उत्तराधिकारी मनोनीत** किया।
- गाँधी जी द्वारा आंदोलन को स्थगित करने तक बिहार में आंदोलन काफी सक्रिय रहा।

बिहार विधान सभा चुनाव (1937)

- जनवरी 1937 ई० में बिहार विधान सभा हेतु चुनाव हुए।
- चुनावों में 152 स्थानों में 107 पर कांग्रेस ने चुनाव लड़ा और 98 स्थानों पर विजयी हुई। **कांग्रेस को बिहार में पूर्ण बहुमत मिला।**
- विधान परिषद में भी कांग्रेस को बहुमत मिल गया। तत्कालीन **राज्यपाल एम.जी. हैलेट** ने कांग्रेस विधायक दल के नेता **श्री कृष्ण सिंह** को सरकार बनाने का निमंत्रण दिया। राज्यपाल द्वारा वैधानिक कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करने के आश्वासन नहीं देने पर श्री कृष्ण सिंह ने सरकार बनाने से इनकार कर दिया।
- इसके उपरांत राज्यपाल ने दूसरी बड़ी पार्टी **इंडिपेंडेंट पार्टी** के नेता **मुहम्मद यूनुस** को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया।

- मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में **बिहार में पहला अंतिरम मंत्रिमंडल 1 अप्रैल 1937 को गठित हुआ।**
- मुहम्मद यूनुस इस प्रकार **बिहार के प्रथम भारतीय मुख्यमंत्री** (तब मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री कहा जाता था) बने।
- कांग्रेस द्वारा सरकार बनाने के निर्णय के बाद मोहम्मद यूनुस ने अंतरिम मंत्रिमंडल से त्याग-पत्र दे दिया।
- **20 जुलाई 1937 ई०** को **श्री कृष्ण सिंह के नेतृत्व** में **बिहार में प्रथम कांग्रेस मंत्रिमंडल का गठन** हुआ।
- श्री कृष्ण सिंह बिहार के प्रथम कांग्रेसी **मुख्यमंत्री** बने। **रामदयालु सिंह बिहार विधान सभा के अध्यक्ष** तथा **प्रो. अब्दुल बारी बिहार विधान सभा के उपाध्यक्ष** निर्वाचित हुए।
- द्वितीय विश्व युद्ध में भारत को शामिल करने के विरोध में बिहार में श्री कृष्ण सिंह ने **31 अक्टूबर 1939 को त्याग पत्र** दे दिया।

✪ भारत छोड़ो आंदोलन एवं बिहार

- **'क्रिप्स मिशन'** की असफलता के बाद राष्ट्रीय स्तर पर **8 अगस्त 1942 ई०** को कांग्रेस द्वारा **'भारत छोड़ो'** आंदोलन प्रारंभ किया गया। **गाँधी जी ने 'करो या मरो'** का नारा दिया।
- 9 अगस्त को कांग्रेस के प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। बिहार में **राजेन्द्र प्रसाद** को गिरफ्तार कर **बांकीपुर जेल** भेज दिया गया।
- **बलदेव सहाय** ने अंग्रेजों द्वारा कांग्रेस के प्रमुख नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध में **महाधिवक्ता के पद से इस्तीफा** दे दिया।
- **11 अगस्त 1942 ई०** को बिहार के विद्यार्थियों ने सचिवालय भवन के सामने जूलूस के साथ मुख्य इमारत पर झंडा फहराने का प्रयास किया।
- पटना के तत्कालीन **जिलाधिकारी डब्लू. जी. आर्चर** के आदेश पर पुलिस ने गोलियां चलाई। सात छात्र गोली कांड में शहीद हो गए तथा अनेक छात्र गंभीर रूप से घायल हुए।
- **उमाकांत सिन्हा, रामानंद सिंह, सतीश प्रसाद झा, राजेन्द्र सिंह, रामगोविन्द सिंह, देवीपद चौधरी** एवं **जगपति कुमार** इस गोली कांड में शहीद हुए थे।

  (स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सचिवालय के सामने **सात शहीद स्मारक** स्थापित किया गया। इसका **शिलान्यास** बिहार के प्रथम **राज्यपाल जयरामदास दौलतराम** ने किया जबकि **औपचारिक अनावरण** देश के प्रथम **राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद** ने **1956 ई०** में किया)

- 12 अगस्त 1942 को सचिवालय गोलीकांड के विरोध में पटना में पूर्ण हड़ताल रही।
- भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान नेपाल में **'आजाद दस्ता'** का अखिल भारतीय केन्द्र संगठित हुआ। इसका गठन सरकार के विरूद्ध **तोड़-फोड़ की कार्रवाई, संचार साधनों को नष्ट** करने आदि के उद्देश्य से किया गया।
- आजाद दस्ता के **संस्थापक जयप्रकाश नारायण** थे। उन्हें गिरफ्तार कर **हजारीबाग जेल** में रखा गया था। **9 नवंबर 1942 ई० को दीपावली की रात** वे अपने पाँच साथियों रामानंदन मिश्र, सूरज नारायण सिंह, योगेन्द्र शुक्ल, गुलाबी सोनार और शालीग्राम सिंह के साथ जेल की दीवार फांदकर भाग निकले और आजाद दस्ता का गठन किया।
- नेपाल में आजाद दस्ता का प्रशिक्षण शिविर राजविलास जंगल में गठित हुआ। इसमें बिहार के युवाओं को **छापामार युद्ध** एवं **अग्नि अस्त्रों को चलाने** की शिक्षा दी गई। इसके **निदेशक सरदार नित्यानंद सिंह** थे।
- आजाद दस्ता में **जयप्रकाश नारायण** के साथ **राममनोहर लोहिया, अरूणा आसफ अली, सूरज नारायण सिंह, योगेन्द्र शुक्ल, रामानन्दन मिश्र, अच्युत पटवर्द्धन** आदि समाजवादी नेता शामिल थे।
- आजाद दस्ता के **रेडियो प्रचार** का दायित्व **राममनोहर लोहिया** पर था।
- 1943 ई० के मध्य तक सभी प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। अत: आजाद दस्ता का प्रयास शिथिल पड़ गया।
- भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान **बिहार के छात्रों** ने ट्रेन पर कब्जा कर **'स्वराज ट्रेन'** नाम से चलाया।
- **सीवान में** थाने पर राष्ट्रीय झंडा फहराने की कोशिश में **फुलेना प्रसाद श्रीवास्तव** पुलिस की गोलियों के शिकार हो गये।
- भारत छोड़ो आंदोलन में बिहार का मुख्य केन्द्र गाँधी मैदान था। 1942 ई० में इसका नाम **पटना लॉन्ज** था, बाद में **1948 ई०** में इसका नाम **गाँधी मैदान** रखा गया।
- भारत छोड़ो आंदोलन में बिहार में 15,000 से अधिक व्यक्ति बंदी बनाये गये, 8783 को सजा हुई, 134 शहीद हुए और 362 व्यक्ति घायल हुए।

✪ पृथक बिहार राज्य का गठन

- **पृथक बिहार राज्य के गठन का श्रेय सच्चिदानंद सिन्हा** को जाता है। उन्होंने **महेश नारायण, श्री कृष्ण सहाय एवं नंद किशोर लाल** के साथ मिलकर 1894 ई० में पटना से **बिहार टाइम्स/बिहारी समाचार-पत्र** निकालना प्रारंभ किया था।

- बिहार टाइम्स के **मुख्य संपादक महेश नारायण** थे। इस समाचार पत्र ने पृथक बिहार राज्य के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **1908 ई० में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी का गठन** हुआ। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के **प्रथम अध्यक्ष हसन इमाम** थे।
- **'बिहार प्रादेशिक सम्मेलन'** का **प्रथम अधिवेशन 1908 ई० में पटना** में हुआ। इसमें पृथक बिहार के निर्माण की मांग को सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसका **दूसरा अधिवेशन 1909 ई० में भागलपुर में** हुआ। इसमें पुनः पृथक बिहार की मांग दुहराई गई।
- 1911 ई० में केन्द्रीय विधान परिषद् में **सच्चिदानंद सिन्हा** और **मोहम्मद अली** ने **बंगाल एवं बिहार के विभाजन का प्रस्ताव पेश** किया।
- 12 दिसंबर 1911 ई० को दिल्ली में आयोजित शाही दरबार में बिहार और उड़ीसा के क्षेत्रों को बंगाल से पृथक एक नये प्रांत के रूप में गठन की घोषणा कर दी गई।

आधुनिक बिहार से जुड़े अन्य तथ्य

- **1937 ई० में मुहम्मद अली जिन्ना** ने बिहार का भ्रमण कर मुस्लिम लीग का प्रचार-प्रसार किया।
- **1938 ई०** में **अब्दुल कयूम अंसारी** ने **'मोमिन कांग्रेस'** की स्थापना की। उन्होंने कांग्रेस के प्रति स्वामीभक्त रहते हुए बिहार में मुस्लिम लीग के प्रभाव को कम करने का प्रयास किया।
- **1938 ई०** में **'आदिवासी महासभा'** का गठन हुआ। इसके **अध्यक्ष थियोडोर सुरिन** थे। कालांतर में इसके प्रभावशाली नेता **राम जयपाल सिंह** हुए।
- बिहार में स्वतंत्रता आंदोलन के क्रम में बिहार की महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। प्रमुख महिला स्वतंत्रता सेनानी थी-**श्रीमती प्रभावती देवी, श्रीमती शैलबाला राय, श्रीमती हसन इमाम, श्री मती सरस्वती देवी, श्रीमती साधना देवी, श्रीमती विध्यवासिनी देवी, श्रीमती कुसुम कुमारी, श्रीमती राजवंशी देवी, श्रीमती भगवती देवी** आदि।
- **आशा सहाय** 1943 में सुभाष चंद्र बोस की **आजाद हिन्द फौज** में शामिल हुई। 1946 में जापान से स्वदेश लौटकर उन्होंने महिलाओं को हथियार चलाने का प्रशिक्षण दिया।
- गोविन्दपुर गाँव के श्री नरसिंह गोप की पत्नी **श्रीमती जिरियावती देवी** ने 16 अंग्रेज सिपाहियों को गोली मार दी थी।
- राष्ट्रीय आंदोलन के प्रसार में बिहार के साहित्य का भी योगदान रहा। **डॉ० राजेन्द्र प्रसाद** ने **'चम्पारण में महात्मा गाँधी'** एवं **'खादी का अर्थशास्त्र'** पुस्तकों की रचना की।

◈ **प. जगन्नाथ प्रसाद चतुर्वेदी** ने **'भारत की वर्तमान दशा'** तथा **'स्वदेशी आंदोलन'** पुस्तक की रचना की।

◈ **राजा साहब** ने **'गाँधी टोपी'** की रचना की।

◈ 1906 ई० में **श्री कृष्ण सिंह** और **श्री तेजेश्वर प्रसाद** ने **'बिहार स्टूडेन्ट्स कांफ्रेस'** की स्थापना की

◈ **राजेन्द्र प्रसाद** ने छात्रों के साथ मिलकर कलकत्ता में **'सर्वेण्ट्स ऑफ इंडिया सोसायटी'** की स्थापना की।

◈ 1916 ई० में तत्कालीन शिक्षा सदस्य सर **शंकरन नायर** ने **'केन्द्रीय विधान परिषद्'** में **पटना विश्वविद्यालय** विधेयक प्रस्तुत किया था।

✪ ऐतिहासिक घटनाक्रम एक नजर में -

वर्ष	मुख्य घटना
1000 से 600 ई. पू.	आर्यो का बिहार क्षेत्र में आगमन
563 ई. पू.	गौतम बुद्ध का जन्म
540 ई. पू.	महावीर स्वामी का जन्म
483 ई. पू.	गौतम बुद्ध का महापरिनिर्वाण
468 ई. पू.	महावीर स्वामी का निधन
544 ई. पू.	बिम्बिसार द्वारा मगध का उत्थान, हर्यक वंश की स्थापना।
455 ई. पू.	उदयन द्वारा पाटलिपुत्र को प्रथम बार राजधानी बनाना।
344 ई. पू.	नंद वंश की स्थापना
321 ई. पू.	चंद्रगुप्त मौर्य द्वारा मौर्य वंश की स्थापना।
261 ई. पू.	कलिंग युद्ध
185 ई. पू.	मौर्यवंश के अंतिम शासक बृहद्रथ की हत्या, शुंग वंश की स्थापना
78 ई.	कनिष्क द्वारा राजा बनने के अवसर पर शक संवत् प्रारंभ
320 ई.	गुप्त संवत् आरंभ
635 ई.	ह्वेनसांग की बिहार यात्रा
673 ई.	इत्सिंग की बिहार यात्रा
750 ई.	पाल वंश की स्थापना
1198 ई.	बख्तियार खिलजी का बिहार शरीफ विजय।
1225 ई.	इल्तुतमिश का बिहार-बंगाल पर अभियान।
1324-25 ई.	गयासुद्दीन तुगलक का बिहार अभियान।
1359-60 ई.	फिरोजशाह का बिहार अभियान।
1504 ई.	सिकंदर लोदी का बिहार अभियान।

वर्ष	मुख्य घटना
1529 ई.	बाबर द्वारा नूहानियों पर विजय।
1532 ई.	हुमायूँ का नूहानियों पर विजय।
1534 ई.	सूरजगढ़ की लड़ाई, शेरशाह की जीत।
1539 ई.	चौसा युद्ध में शेरशाह की जीत।
1540 ई.	कन्नौज युद्ध में शेरशाह की जीत, शूर वंश की स्थापना।
1541 ई.	शेरशाह द्वारा पटना का पुनर्निर्माण।
1545 ई.	सासाराम में शेरशाह के मकबरे का निर्माण।
1545 ई.	कालिंजर युद्ध के दौरान शेरशाह का निधन।
1576 ई.	अकबर का बिहार विजय।
1616 ई.	मनेर में दौलत शाह के मकबरे का निर्माण।
1621 ई.	शाहजादा परवेज बिहार का प्रांतपति बना।
1632 ई.	पीटर मुंडी की बिहार यात्रा। डचों के व्यापारिक केन्द्र की स्थापना।
1651 ई.	ब्रिटिश व्यापारिक केन्द्र की वास्तविक स्थापना।
1666 ई.	श्री गुरुगोविन्द सिंह का जन्म।
1670 ई.	जॉन मार्शल की बिहार यात्रा।
1699 ई.	श्री गुरुगोविन्द सिंह द्वारा खालसा पंथ की स्थापना।
1713 ई.	फर्रुखशियर का बिहार में राज्याभिषेक।
1717 ई.	अंग्रेजी कंपनी को व्यापारिक एकाधिकार मिला।
1740 ई.	अलीवर्दी खाँ बिहार का नवाब बना।
1756 ई.	अलीवर्दी खाँ का निधन, सिराजुद्दौला बंगाल का नवाब बना।
1757 ई.	पलासी का युद्ध।
1764 ई.	बक्सर का युद्ध।
1765 ई.	इलाहाबाद की संधि।
1770 ई.	बिहार में भीषण अकाल।
1784 ई.	गोलघर का निर्माण।
1821 ई.	बिहार में वहाबी आंदोलन प्रारंभ।
1855-56 ई.	संथाल विद्रोह।
1856 ई.	मुजफ्फरपुर में लोटा विद्रोह।
1857 ई.	देवघर से बिहार में 1857 की क्रांति का प्रसार।
1865 ई.	पटना अभियान द्वारा वहाबी आंदोलन का दमन।

वर्ष	मुख्य घटना
1874 ई.	बिहार में अकाल
1884 ई.	राजेन्द्र प्रसाद का जन्म, जीरादेई (सीवान)।
1899-1900 ई.	बिरसा आंदोलन
1906 ई.	बिहार स्टुडेंट्स कांफ्रेंस की स्थापना।
1908 ई.	मुजफ्फरपुर बम कांड, बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी का गठन।
1911 ई.	पृथक बिहार प्रांत बनाने की घोषणा।
1912 ई.	पृथक बिहार प्रांत का गठन
1913 ई.	पटना में शचीन्द्रनाथ सान्याल द्वारा अनुशीलन समिति का गठन
1914 ई.	ताना भगत आंदोलन
1916 ई.	पटना उच्च न्यायालय की स्थापना, बिहार में होमरूल आंदोलन प्रारंभ।
1917 ई.	पटना विश्वविद्यालय की स्थापना।
1919 ई.	बिहार में खिलाफत आंदोलन, स्वामी विद्यानंद के नेतृत्व में किसान आंदोलन।
1920 ई.	बिहार में असहयोग आंदोलन, मजहरूल हक द्वारा पटना में सदाकत आश्रम की स्थापना।
1921 ई.	महात्मा गाँधी द्वारा विद्यापीठ की स्थापना।
1923 ई.	बिहार में स्वराज दल का गठन।
1929 ई.	प्रांतीय किसान सभा का गठन।
1930 ई.	बिहार में नमक सत्याग्रह।
1931 ई.	बिहार सोशलिस्ट पार्टी का गठन।
1934 ई.	बिहार सोशलिस्ट पार्टी की औपचारिक स्थापना।
1937 ई.	बिहार प्रांतीय चुनाव।
1939 ई.	कांग्रेस मंत्रिमंडल का त्यागपत्र।
1940 ई.	फॉरवर्ड ब्लॉक की बिहार शाखा का गठन।
1942 ई.	भारत छोड़ो आंदोलन में बिहार शामिल, पटना सचिवालय गोलीकांड (11 अगस्त, 1942) में सात छात्र शहीद
1942 ई.	आजाद दस्ता का गठन।
1946 ई.	श्रीकृष्ण सिंह के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन।
1947 ई.	15 अगस्त, 1947 को भारत औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्र।

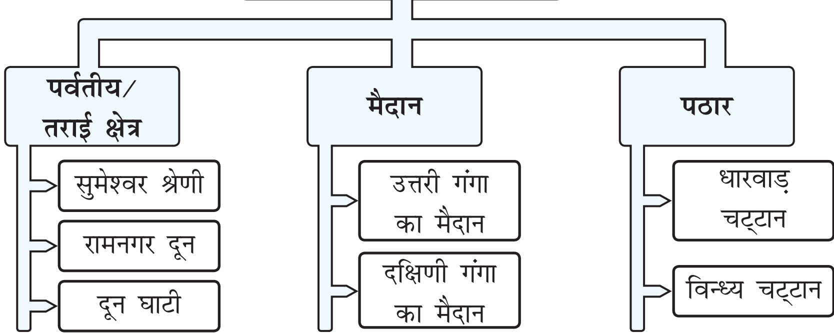


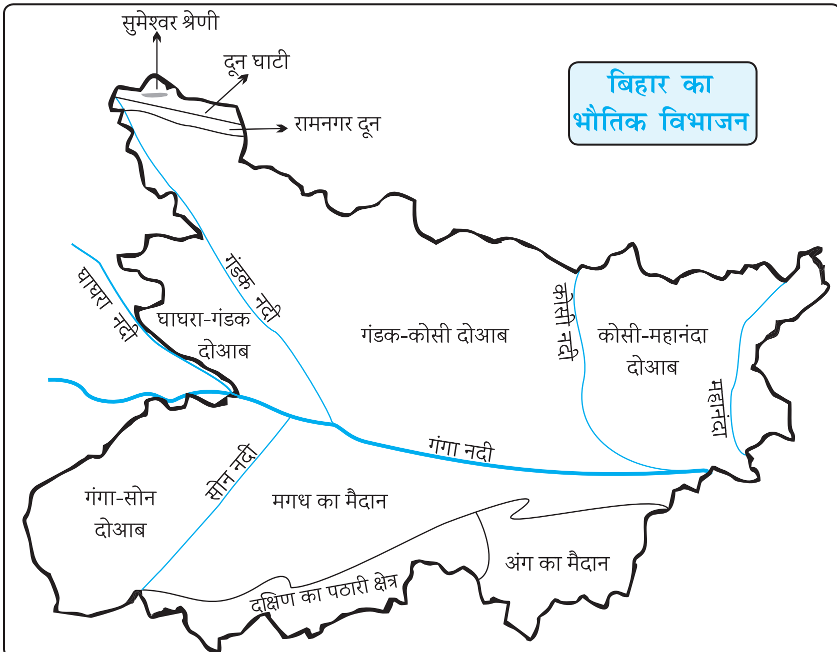


बिहार का भूगोल

03

बिहार भौगोलिक रूप से एक मैदानी राज्य है। यह गंगा के मैदानी क्षेत्र में बसा एक समृद्ध क्षेत्र है। यह नेपाल के तराई क्षेत्र से विंध्य पहाड़ी एवं धारवाड़ के चट्टानी क्षेत्र तक विस्तृत है। बिहार पूर्वी भारत में स्थित राज्य है जो भौगोलिक रूप से तीन भागों में विभाजित है।





पर्वतीय/तराई क्षेत्र

पर्वतीय/तराई क्षेत्र – बिहार के उत्तर-पश्चिम भाग में हिमालय पर्वत की शिवालिक श्रेणी का भाग अवस्थित है। इसका कुल क्षेत्रफल लगभग **932 वर्ग कि.मी.** है। इसका विस्तार मुख्य रूप से पश्चिम चम्पारण जिले में है। इसे तीन उपवर्गों में विभाजित किया जाता है –

(i) **सोमेश्वर श्रेणी** – त्रिवेणी संगम पर यह नेपाल एवं बिहार की सीमा निर्धारित करता है। इसकी **ऊँचाई 874 मीटर** है। यह बिहार की **सबसे ऊँची चोटी** है।

(ii) **रामनगर दून** – इसका विस्तार हरहा नदी घाटी में है। इस क्षेत्र की अधिकतम **ऊँचाई 240 मीटर** है।

(iii) **दून घाटी** – इसका विस्तार सुमेश्वर श्रेणी एवं रामनगर दून के बीच है। इस घाटी को हरहा नदी की घाटी भी कहा जाता है।

मैदान

मैदानी क्षेत्र – बिहार के कुल भू-भाग का **96 प्रतिशत** भाग मैदानी है। इस मैदानी भाग का निर्माण गंगा और उसकी सहायक नदियों के निक्षेप से हुआ है। इस मैदान के मध्य से गंगा नदी बहती है। गंगा नदी की अवस्थिति के आधार पर इसे दो उपवर्गों में विभाजित किया जाता है।

(1) **उत्तरी गंगा का मैदान**– गंगा नदी से उत्तर में नेपाल सीमा तक इसका विस्तार है। इस मैदान का ढ़ाल उत्तर से दक्षिण तथा उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व की ओर है। इस मैदानी भाग को **तीन दोआबों** में बाँटा जाता है। **दोआब से तात्पर्य** है दो नदियों के बीच की भूमि या मैदान। ये सभी दोआब क्षेत्र अपने जलोढ़ मृदा एवं ऊर्वरता के लिए प्रसिद्ध हैं।

(i) **घाघरा-गंडक दोआब**

(ii) **गंडक-कोसी दोआब**

(iii) **कोसी-महानंदा दोआब**

(2) **दक्षिण गंगा का मैदान**– गंगा नदी से दक्षिण और दक्षिण के पठारी-पहाड़ी क्षेत्र के मध्य दक्षिण गंगा का मैदान अवस्थित है। उत्तरी गंगा मैदान की तुलना में इसका आकार छोटा है। इसका निर्माण गंगा के अतिरिक्त पठारी नदियों के निक्षेप से हुआ है। इस क्षेत्र को तीन उपवर्गों में बाँटा जाता है–

(i) **गंगा-सोन दोआब**

(ii) **मगध का मैदान**

(iii) **अंग का मैदान**

पठार

पठार – बिहार के दक्षिणी सीमा पर पठार एवं पहाड़ी क्षेत्र है, जो झारखंड से सीमा साझा करते हैं। दक्षिण में स्थित पठारी क्षेत्र में दो क्रम की चट्टानें अवस्थित हैं–

(i) **धारवाड़ चट्टानें** – मुंगेर, जमुई, नवादा, गया आदि में।

(ii) **विन्ध्य चट्टानें** – कैमूर, रोहतास में।

✪ अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- ◈ बिहार के उत्तरी गंगा के मैदान में प्राकृतिक रूप से **जलमग्न निम्न भूमि क्षेत्र** को **चौर** या **मन** कहा जाता है।
- ◈ गंगा के मैदानी बाढ़ क्षेत्र में बनने वाले विशेष आकृति क्षेत्र को 'दियारा प्रदेश' कहा जाता है।
- ◈ उत्तरी गंगा मैदान में कई मन/चौर **'गोखुर झीलों'** के रूप में पाये जाते हैं।
- ◈ दक्षिणी गंगा मैदान में तटबंध से लगे दक्षिण की ओर गहराई वाले क्षेत्र को **'टाल'** कहा जाता है।
- ◈ उत्तरी गंगा का मैदान **बाढ़ की विभीषिका** के लिए प्रसिद्ध है।

प्रकार	निर्माण काल	क्षेत्र	विशेषताएँ
धारवाड़	प्री–कैंब्रियन	मुंगेर, जमुई, नवादा, गया, राजगीर आदि	• बिहार में सबसे प्राचीन पहाड़ी क्षेत्र
विन्ध्य	प्री–कैंब्रियन	कैमूर, रोहतास	• दूसरा प्राचीन पहाड़ी क्षेत्र • सीमेंट उद्योग (चूना पत्थर) के लिए प्रसिद्ध
टर्शियरी	प्लीस्टोसीन	पश्चिमी चम्पारण	• सोमेश्वर पहाड़ी स्थित क्षेत्र • सबसे नवीन पहाड़ी क्षेत्र
क्वार्टनरी	प्लीस्टोसीन एवं होलोसीन	गंगा का मैदान	• बिहार का अधिकांश भाग मैदानी है • कृषि के लिए सबसे उपयुक्त है

बिहार की जलवायु

- ◈ किसी क्षेत्र के दीर्घकालिक मौसम की औसत दशाओं को जलवायु कहते हैं। बिहार की जलवायु **उपोष्ण कटिबंधीय/मानसूनी** जलवायु है।
- ◈ किसी क्षेत्र की जलवायु विभिन्न कारकों से प्रभावित होती है। बिहार में जलवायु को प्रभावित/निर्धारित करने वाले प्रमुख कारक निम्नलिखित हैं –

- अक्षांशीय स्थिति (उपोष्ण क्षेत्र)
- उत्तर में हिमालय पर्वत की उपस्थिति
- बंगाल की खाड़ी से दूरी
- उच्चावच
- मानसून का प्रभाव, इत्यादि

◈ बिहार के उत्तरी भाग एवं दक्षिणी भाग के भौगोलिक दशाओं में अंतर के कारण विभिन्न भूगोलवेत्ताओं ने बिहार की जलवायु का अलग-अलग प्रकार से वर्गीकरण किया है –

जलवायु	क्षेत्र	संकेतक
कोपेन	उत्तरी बिहार	CWg
	दक्षिणी बिहार	AW
ट्रिवार्था	उत्तरी बिहार	Caw
	दक्षिणी बिहार	Aw
थॉर्नवेट	उत्तरी पश्चिमी संकीर्ण क्षेत्र	CB'w
	शेष बिहार	CA'w

✪ **बिहार में सामान्यतः तीन ऋतुएं होती हैं –**

(i) **ग्रीष्म ऋतु**– जब सूर्य के उत्तरायण की स्थिति होती है तब तापमान में वृद्धि से वायुदाब में कमी आने लगती है। यह **मार्च से मध्य जून** की स्थिति होती है।

◈ इस मौसम में पश्चिमी और मध्य बिहार में गर्म हवाएं चलती है, जिन्हें **'लू'** कहा जाता है।

◈ इस मौसम में तापमान 32° सेल्सियस होता है। **सबसे गर्म स्थान गया (47° सेल्सियस)** है।

◈ मानसून आने के पूर्व बिहार में बंगाल की खाड़ी से आने वाले उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के कारण वर्षा होती है, जिसे **नार्वेस्टर** या **काल वैशाखी** कहते हैं।

(ii) **वर्षा ऋतु**– **जून मध्य से अक्टूबर मध्य** के बीच के समय को बिहार में वर्षा ऋतु के रूप में जाना जाता है।

◈ बिहार में **मानसून का प्रवेश मध्य जून** में होता है। बिहार में जुलाई एवं अगस्त में अधिक वर्षा होती है।

◈ बिहार में **औसत वर्षा 112 सेमी.** होती है। यहाँ **सर्वाधिक वर्षा किशनगंज** (205 सेमी.) जिले में तथा **सबसे कम वर्षा औरंगाबाद** (101 सेमी.) जिले में होती है।

◈ बिहार में दक्षिणी-पश्चिमी मानसून की **बंगाल की खाड़ी की शाखा** से सर्वाधिक वर्षा होती है। बिहार में उत्तरी भाग अधिक वर्षा प्राप्त करता है, जिसके कारण उत्तरी बिहार बाढ़ से तथा दक्षिणी बिहार का कुछ भाग सूखा से प्रभावित होता है।

(iii) **शीत ऋतु**- इसका काल **मध्य अक्टूबर से फरवरी** माह तक होता है। मानसून लौटने के साथ बिहार में शीत ऋतु आरंभ हो जाती है।

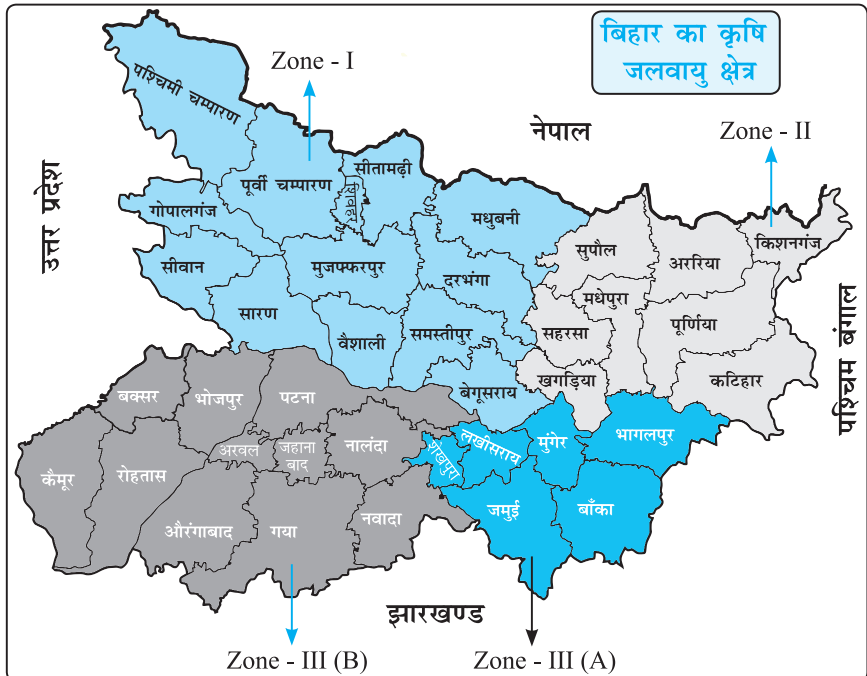
◈ बिहार में दिसंबर एवं जनवरी माह सर्वाधिक ठंढ़क वाला होता है। **सर्वाधिक ठंढ़ा जिला गया है।**

◈ दिसंबर-जनवरी माह में भूमध्य सागर से आने वाले शीतोष्ण चक्रवात के कारण पश्चिमी एवं मध्य बिहार में हल्की वर्षा होती है। ये वर्षा रबी फसल के लिए लाभदायक होती है।

◈ अत्यधिक ठंढ़ बिहार में रबी फसल के लिए काफी लाभदायक होती है।

बिहार में कृषि जलवायु क्षेत्र

◈ बिहार में कृषि की दशाओं एवं फसल वर्गीकरण के आधार पर कृषि जलवायु क्षेत्र को तीन वर्गों में विभाजित किया गया है। दक्षिणी बिहार के तीसरे वर्ग को दो उपवर्गों में विभाजित किया गया है।



क्र. सं.	Zone	कुल जिले	जिलों का नाम
1.	Zone-I	13	पश्चिमी चम्पारण, पूर्वी चम्पारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, गोपालगंज, सीवान, सारण, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय।
2.	Zone-II	08	सुपौल, अररिया, किशनगंज, सहरसा, कटिहार, खगड़िया, पूर्णिया, मधेपुरा
3.	Zone-III (A)	06	भागलपुर, बांका, मुंगेर, जमुई, शेखपुरा, लखीसराय
	Zone-III (B)	11	बक्सर, भोजपुर, पटना, अरवल, जहानाबाद, नालंदा, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गया, नवादा

◈ विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्र की विशेषताओं को निम्नलिखित सारणी में देखा जा सकता है –

कृषि जलवायु क्षेत्र	विशेषताएँ
Zone-I (उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र)	• इस क्षेत्र में औसत वर्षा 104 से 145 सेमी० तक होती है। • यहाँ खादर मिट्टी की प्रधानता है। • मुख्य फसलें – गन्ना, धान, गेहूं, अरहर, मक्का आदि।
Zone-II (उत्तर-पूर्वी क्षेत्र)	• इस क्षेत्र में औसत वर्षा 120 से 140 सेमी० तक होती है। • मुख्य फसलें – जूट, धान, चाय, मक्का आदि।
Zone-III (दक्षिणी क्षेत्र)	• इस क्षेत्र में औसत वर्षा 95 से 115 सेमी० तक होती है। • यहाँ बांगर मिट्टी की प्रधानता है। • मुख्य फसलें – गेहूं, दाल, अरहर, चना आदि।

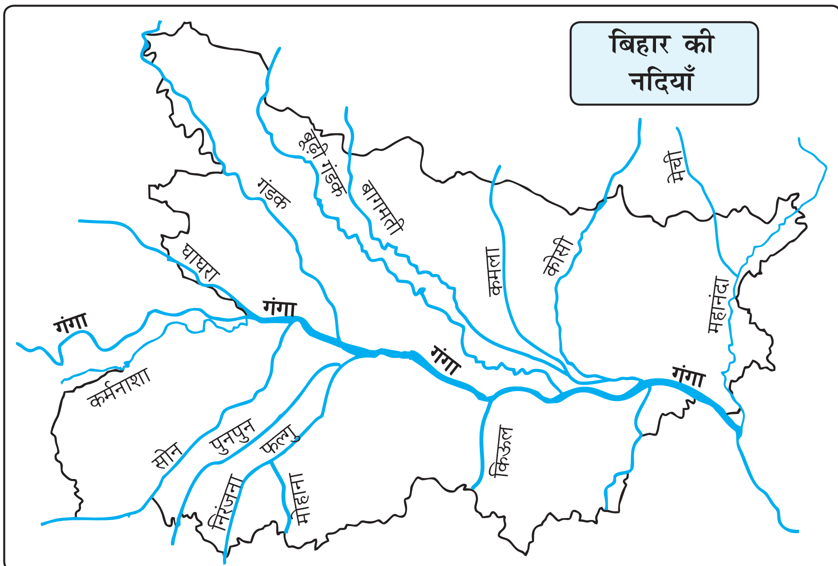
बिहार का अपवाह तंत्र

बिहार की नदियाँ

◈ बिहार अपवाह तंत्र के दृष्टि से एक समृद्ध राज्य है। यहाँ नदियों एवं उनकी सहायक नदियों का विस्तृत जाल है।

◈ अपवाह तंत्र के आधार पर बिहार की नदियों को दो वर्गों में विभाजित किया जाता है।

हिमालयी नदियाँ	पठारी नदियाँ
• ये सदानीरा/वर्ष भर जल प्रवाह वाली नदियाँ हैं।	• ये वर्षा आधारित नदियाँ हैं।
• ये उत्तर से दक्षिण की ओर प्रवाहित होती हैं।	• ये दक्षिण से उत्तर की ओर प्रवाहित होती हैं।
• ये नदियाँ पूर्ववर्ती होती हैं।	• ये नदियाँ अनुवर्ती होती हैं।
• ये नदियाँ बड़े-बड़े डेल्टा बनाती है।	• ये नदियाँ छोटे डेल्टा बनाती है।
• ये नदियाँ बाल्य अवस्था में है।	• ये नदियाँ प्रौढ़ अवस्था में है।
• ये मार्ग परिवर्तन एवं गोखुर झील बनाने वाली नदियाँ है।	• ये सीधी गमन करने वाली नदियाँ हैं।
• अत्यधिक जल संग्रहण के कारण बाढ़ का कारण बनती हैं।	• बाढ़ की कम संभावना होती है।
• गंगा, गंडक, कोसी, महानंदा, बागमती आदि।	• सोन, पुनपुन, फल्गु, अजय आदि



नदी	उद्गम	संगम/मुहाना	बिहार में लम्बाई
गंगा	गंगोत्री (उत्तराखण्ड)	बंगाल की खाड़ी	445 किमी.
घाघरा	तिब्बत	गंगा (सारण)	83 किमी.
गंडक	नेपाल	गंगा (सोनपुर)	260 किमी.
बूढ़ी गंडक	सोमेश्वर पहाड़ी	गंगा (खगड़िया)	320 किमी.
बागमती	महाभारत श्रेणी (नेपाल)	कोसी	394 किमी.
कमला	महाभारत श्रेणी (नेपाल)	कोसी	
कोसी	गोसाईं स्थान (नेपाल)	गंगा/कुर्सेला (कटिहार)	260 किमी.
महानंदा	पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले की पहाड़ी	गंगा (मालदा)	
कर्मनाशा	विंध्य पहाड़ी	गंगा (चौसा)	
सोन	अमरकंटक पहाड़ी (मध्य प्रदेश)	गंगा (दानापुर)	
पुनपुन	झारखंड (पलामू)	गंगा (फतुहा)	
फल्गु/निरंजना	छोटानागपुर पठार	पुनपुन नदी के साथ गंगा में	
अजय	जमुई	गंगा (पश्चिम बंगाल)	
किऊल	हजारीबाग (झारखंड)	गंगा(लखीसराय)	
सकरी	छोटानागपुर पठार	किऊल नदी के साथ गंगा में	

✪ गंगा नदी

- गंगा नदी उत्तराखंड के **गंगोत्री ग्लेशियर** से निकलती है।
- इसकी लंबाई **2525 किलोमीटर** है, जिसमें **बिहार में** इसकी लंबाई **445 किलोमीटर** है।
- देवप्रयाग में **अलकनंदा** और **भागीरथी** दोनों नदियों के मिलने के बाद इस नदी को गंगा के नाम से जाना जाता है।
- गंगा नदी बिहार की सबसे प्रमुख नदी एवं प्रवाह तंत्र का आधार है।

- गंगा नदी बिहार में बक्सर जिले में चौसा के समीप प्रवेश करती है और कटिहार एवं भागलपुर से सीमा बनाती हुई बिहार से बाहर पश्चिम बंगाल में चली जाती है। इस दौरान गंगा नदी बिहार के **12 जिलों** से गुजरती है।
- बिहार में गंगा नदी की सर्वाधिक लम्बाई **पटना** जिले में है।
- गंगा की सहायक नदियों में **घाघरा, गंडक, बूढ़ी गंडक, कोसी, सोन, पुनपुन** आदि नदियां बिहार में गंगा से मिलती हैं, जबकि **महानंदा, अजय** बिहार से बाहर गंगा में मिलती हैं।
- बांग्लादेश में इसे **पद्मा नदी** कहा जाता है और यह अंतत: बंगाल की खाड़ी में गिरती है।

घाघरा नदी

- यह **मानसरोवर (तिब्बत)** के पास से निकलती है, बिहार के **सीवान में प्रवेश** करती है, उत्तर प्रदेश और बिहार की सीमा पर बहती हुई सारण में गंगा में मिल जाती है।
- अन्य नाम- **सरयू** (मैदानी भाग में), **गोगरा, करनाली** (नेपाल में) आदि।
- इसकी सहायक नदियां **राप्ती, छोटी गंडक, शारदा, भेरी, सेती** आदि हैं।

गंडक नदी

- गंडक नदी को **नारायणी** (मैदानी भाग में), **सप्त गंडकी, शालिग्रामी** (नेपाल में) नाम से भी जाना जाता है।
- गंडक की मुख्य शाखा धौलागिरी और अन्नपूर्णा श्रेणियों को पार करते समय गॉर्ज बनाती है और बिहार में **भैंसालोटन (पश्चिमी चंपारण)** में प्रवेश करती है।
- यह उत्तर प्रदेश और बिहार के बीच 45 किलोमीटर की सीमा बनाती है।
- इसकी सहायक नदियां **काली गंडक, त्रिशुली, बूढ़ी गंडक** आदि है।
- इसमें मिलने वाले गोल-गोल काले पत्थरों को शालीग्राम कहा जाता है।

बूढ़ी गंडक नदी

- **सोमेश्वर श्रेणी** के पश्चिमी भाग से निकलकर पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, बेगूसराय जिलों में बहते हुए अंत में खगड़िया जिले में गंगा नदी में मिल जाती है।
- इसका अन्य नाम-**सिकरहना** (ऊपरी भाग में) है।
- इसकी सहायक नदियाँ- **मसान, बालोर, तिऊर, धनौती** आदि हैं।

✪ बागमती नदी

- यह नेपाल में हिमालय के महाभारत श्रेणी से निकलती है। यह बिहार में सीतामढ़ी **जिले में प्रवेश** करती है तथा अंत में गंगा नदी में विलीन हो जाती है।
- पहले यह बूढ़ी गंडक में मिलती थी लेकिन अब यह **कमला** नदी से मिलकर कोसी नदी में मिल जाती है।
- इसकी सहायक नदियाँ– **लालबकिया, लखनदेई, मनोहरा, अधवारा, विष्णुमति आदि हैं।**
- नेपाल में इस नदी के तट पर **काठमांडू** एवं **पशुपतिनाथ मंदिर** स्थित है।

✪ कोसी नदी

- यह नेपाल के उत्तर-पूर्व में स्थित गोसाईं स्थान से निकलती है। इसे नेपाल में **सप्तकौशिकी** कहा जाता है क्योंकि यह सात धाराओं के मिलने से बनती है।
- कोसी नदी बिहार में **सुपौल** जिले में प्रवेश करती है तथा **कुर्सेला** में गंगा नदी में बिलीन हो जाती है।
- कोसी नदी अपने **मार्ग परिवर्त्तन** एवं बाढ़ के लिए कुख्यात है इसलिए इसे **बिहार का शोक (बिहार का अभिशाप)** कहा जाता है।
- इसकी सहायक नदियाँ– **अरूण, तमोर, लिखु, दूधकोशी, तामाकोशी, इन्द्रावती, सुनकोसी** आदि हैं।

✪ महानंदा नदी

- यह **पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग** जिले की पहाड़ी से निकलकर किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार होते हुए **मालदा (पश्चिम बंगाल)** में गंगा नदी में मिलती हैं।
- यह उत्तर बिहार की सबसे पूर्वी नदी है।
- इसकी सहायक नदियाँ – **पैनोर, नागर, बालासर, मेची** हैं।

✪ कर्मनाशा नदी

- इसकी **उत्पत्ति विंध्य पहाड़ी** से होती है और यह बिहार एवं उत्तर प्रदेश की सीमा निर्धारित करती हुई चौसा (बक्सर) में गंगा नदी से मिलती है।
- यह दक्षिण बिहार की सबसे पश्चिमी नदी है।
- कर्मनाशा नदी को **अपवित्र नदी** माना जाता है।

✪ सोन नदी

- यह मध्य प्रदेश के **अमरकंटक पहाड़ी** के मैकाल श्रेणी से निकलती है। यह रोहतास (बिहार) एवं गढ़वा जिले (झारखंड) के बीच से बिहार में प्रवेश करती है। रोहतास तथा भोजपुर की पूर्वी सीमा बनाते हुए **मनेर-दानापुर** में गंगा नदी से मिलती है।

- यमुना के बाद गंगा की दूसरी सबसे बड़ी दक्षिणी सहायक नदी है।
- इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ **रिहंद, कन्हार** और **उत्तरी कोयल** हैं।
- सोन नदी पर **डेहरी बांध** (रोहतास), **इंद्रपुरी बैराज** (रोहतास), **बाणसागर बांध** (मध्य प्रदेश) स्थित है। सोन नदी पर बने नहरों ने रोहतास, भोजपुर के शुष्क मैदानी क्षेत्र को बिहार का मुख्य चावल उत्पादक क्षेत्र बनाया है।

पुनपुन नदी

- यह झारखंड के **पलामू** जिले के छोटा नागपुर पठार से निकलती है तथा बिहार में औरंगाबाद, जहानाबाद होते हुए फतुहा में गंगा नदी में मिल जाती है।
- इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ **मोरहर, मादर, दरधा** आदि हैं।
- यह दक्षिण बिहार की दूसरी प्रमुख नदी है।

फल्गु नदी

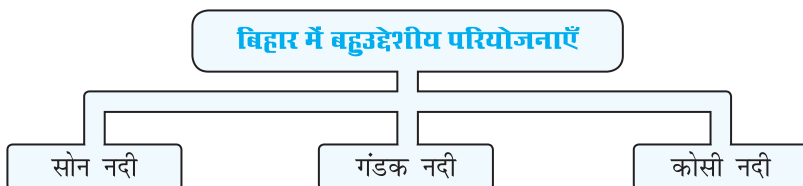
- यह हजारीबाग के पठार से निकलने वाली **लीलाजन** (निरंजना) तथा **मोहाना** नदियों के मिलने से बनती है, और अंततः गया होते हुए पुनपुन नदी में मिल जाती है जो गंगा की उपनदी है।
- गया में फल्गु नदी के पास **विष्णुपद मंदिर** स्थित है जहां पितृपक्ष के दौरान लाखों की संख्या में हिंदू धर्म के तीर्थयात्री आते हैं।
- फल्गु नदी पर भारत का सबसे बड़ा रबर डैम **गयाजी डैम** बनाया गया है।
- फल्गु नदी के किनारे ही **गौतम बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति** हुई थी।

बिहार में नदियों के किनारे स्थित प्रमुख शहर

शहर	नदियाँ	शहर	नदियाँ
पटना	गंगा नदी	सोनपुर	गंडक नदी
मोकामा	गंगा नदी	मुजफ्फरपुर	बूढ़ी गंडक नदी
मुंगेर	गंगा नदी	खगड़िया	बूढ़ी गंडक नदी
भागलपुर	गंगा नदी	समस्तीपुर	बूढ़ी गंडक नदी
बक्सर	गंगा नदी	दरभंगा	बागमती नदी
छपरा	घाघरा नदी	गया	फल्गु नदी
हाजीपुर	गंडक नदी	फतुहा	पुनपुन नदी, गंगा नदी

बिहार की नदी घाटी परियोजनाएँ

जल प्रबंधन के उद्देश्य से बिहार में **तीन बहुउद्देशीय परियोजनाओं** का निर्माण किया गया है। इन परियोजनाओं में **बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई प्रबंधन**, **जल संरक्षण, पर्यटन, परिवहन, ऊर्जा उत्पादन** आदि को लक्षित किया गया है।



✪ सोन बहुउद्देशीय परियोजना

- ◈ सोन नदी परियोजना का निर्माण **1874 ई० में डेहरी (रोहतास)** में किया गया था।
- ◈ यह बहुउद्देशीय नदी परियोजना बिहार की सबसे पुरानी एवं प्रथम नदी घाटी परियोजना है।
- ◈ डेहरी में बारून के पास सोन नदी पर बांध बनाकर दो नहरें दोनों किनारे से निकाली गयी हैं।
  - **पूर्वी सोन नहर** – इस नहर से औरंगाबाद, गया, जहानाबाद, अरवल, पटना तक सिंचाई की जाती है।
  - **पश्चिमी सोन नहर** – इस नहर से रोहतास, कैमूर, बक्सर, भोजपुर आदि जिलों में सिंचाई की जाती है।
- ◈ सोन नहर पर दो जलविद्युत केन्द्र **डेहरी जलविद्युत केन्द्र** (6.6 मेगावाट) तथा **बारून जलविद्युत केन्द्र** (3.3 मेगावाट) स्थापित किए गए हैं।

✪ गंडक बहुउद्देशीय परियोजना

- ◈ गंडक परियोजना भारत एवं नेपाल की संयुक्त परियोजना है। इसका लाभ बिहार, उत्तर प्रदेश एवं नेपाल को मिलता है।
- ◈ गंडक परियोजना के लिए 1959 ई० में नेपाल के साथ समझौता हुआ। इस परियोजना का कार्य 1960 ई० में प्रारंभ हुआ।
- ◈ इस परियोजना के अन्तर्गत भारत-नेपाल सीमा पर **भैंसालोटन** के पास गंडक नदी पर बाँध का निर्माण कर जलाशय का निर्माण किया गया है।
- ◈ यह **बराज/बाँध बाल्मीकिनगर** के पास **त्रिवेणी संगम** के पास निर्मित है।
- ◈ गंडक परियोजना में जलाशय से पूर्व एवं पश्चिम की ओर नहर निकाली गयी है।
  - पूर्वी गंडक नहर
  - पश्चिमी गंडक नहर

- पूर्वी नहर तीन भागों में विभक्त है जिसे **तिरहुत, त्रिवेणी** एवं **दोन** नहर के नाम से जाना जाता है।
- तिरहुत, त्रिवेणी एवं दोन नहर से पश्चिमी चम्पारण, पूर्वी चम्पारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली आदि जिलों में सिंचाई की जाती है।
- पश्चिमी नहर जलाशय से नेपाल होकर निकलती है। नेपाल में सिंचाई के अतिरिक्त इनसे निकलने वाली सहायक नहरों से उत्तर प्रदेश में गोरखपुर, देवरिया एवं बिहार में सीवान, सारण में सिंचाई होती है।
- इस परियोजना के तहत पूर्वी नहर पर 15 मेगावाट का जलविद्युत केन्द्र स्थापित है। इसी प्रकार का विद्युत केन्द्र पश्चिमी नहर पर भी बना है।

कोसी बहुउद्देशीय परियोजना

- कोसी परियोजना भारत एवं नेपाल की संयुक्त परियोजना है। इस परियोजना की स्थापना 1953 ई० में की गयी थी। यह परियोजना 1954 ई० में लागू हुई।
- इस परियोजना के तहत **हनुमान नगर बाँध** बनाकर नेपाल में जलाशय का निर्माण किया गया है। यह परियोजना 1965 ई० में पूर्ण रूप से तैयार हुई।
- कोसी पर निर्मित जलाशय से पूर्व एवं पश्चिम की ओर नहरों का निर्माण किया गया है।
  - **पूर्वी कोसी नहर** – इससे अररिया, सुपौल एवं पूर्णिया आदि में सिंचाई होती है।
  - **पश्चिमी कोसी नहर** – इससे दरभंगा, मधुबनी, सुपौल एवं बेगूसराय आदि में सिंचाई होती है।

जलप्रपात

जब नदी की ढाल में अकस्मात परिवर्तन आने से नदी तीव्र वेग से पहाड़ से नीचे गिरती है तो उसे जलप्रपात कहा जाता है।

- **बिहार के प्रमुख जलप्रपात –**

जलप्रपात	जिला
ककोलत जलप्रपात	नवादा
दुर्गावती जलप्रपात	रोहतास (सबसे ऊँचा)
कर्मनाशा जलप्रपात	बक्सर
धुआँकुण्ड जलप्रपात	सासाराम (रोहतास)
मंझर कुण्ड जलप्रपात	सासाराम (रोहतास)
जिआरकुण्ड जलप्रपात	भोजपुर
तेलहर कुण्ड जलप्रपात	कैमूर

◈ बिहार की प्रमुख झीलें

झील	जिला
काँवर झील	बेगूसराय
गोगाबिल/घोघा झील	कटिहार
कुशेश्वर झील	दरभंगा
घोड़ा कटोरा झील	राजगीर (नालंदा)
अनुपम झील	कैमूर
सिमरी झील	सहरसा
जगतपुर झील	भागलपुर
मोती झील	मोतिहारी (पूर्वी चम्पारण)
सरैया मन	बेतिया (पश्चिम चम्पारण)
पिपरा मन	मोतिहारी (पूर्वी चम्पारण)

◈ बिहार की प्रमुख नहरें –

नहर	नदी	लाभान्वित क्षेत्र
त्रिवेणी	गंडक	प० चम्पारण, पूर्वी चम्पारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली
तिरहुत	गंडक	
दोन	गंडक	
पूर्वी कोसी	कोसी	अररिया, सुपौल, पूर्णिया
पश्चिमी कोसी	कोसी	दरभंगा, मधुबनी, सुपौल
राजपुर	कोसी	सहरसा, मधेपुरा, बेगुसराय
पूर्वी सोन	सोन	औरंगाबाद, जहानाबाद, पटना, गया, अरवल
पश्चिमी सोन	सोन	रोहतास, भोजपुर, कैमूर, बक्सर

◈ **बिहार के प्रमुख गर्म जलकुण्ड –**

अवस्थिति	जलकुण्ड
राजगीर	• ब्रह्मकुण्ड (बिहार का सबसे गर्म जलकुण्ड) • सप्तधारा • सूर्यकुण्ड • मखदूमकुण्ड • नानककुण्ड • गोमुखकुण्ड
मुंगेर	• लक्ष्मणकुण्ड • सीताकुण्ड • रामेश्वरकुण्ड • ऋषिकुण्ड • जन्मकुण्ड • भीमबाँध • श्रृंगार ऋषिकुण्ड • भरारीकुण्ड • पंचतरकुण्ड
गया	• अग्निकुण्ड

बिहार की मिट्टी

◈ पृथ्वी के ऊपरी सतह पर फैले मोटे, मध्यम और बारीक कार्बनिक तथा अकार्बनिक मिश्रित कणों को **मृदा/मिट्टी** कहते हैं।

◈ मृदा का निर्माण चट्टानों के टूटने-फूटने तथा इनमें भौतिक और रासायनिक परिवर्त्तनों के फलस्वरूप होता है।

◈ मृदा के निर्माण में **स्थलाकृति, वर्षा, आर्द्रता, तापमान, प्राकृतिक वनस्पति** आदि की मुख्य भूमिका होती है।

◈ मृदा के अध्ययन को **मृदा विज्ञान (Pedology)** कहते है। विश्व मृदा दिवस **5 दिसंबर** को मनाया जाता है।

◈ बिहार एक मैदानी राज्य है जहाँ लगभग 90% क्षेत्र में जलोढ़/अपोढ़/कछारी मिट्टी पाई जाती है।

◈ बिहार में मिट्टी को उत्तर बिहार एवं दक्षिण बिहार में निम्नलिखित रूप में विभाजित किया गया है –

उत्तर बिहार की मिट्टी	दक्षिण बिहार की मिट्टी
पर्वतपादीय मिट्टी	टाल मिट्टी
तराई मिट्टी	कगारी मिट्टी
पुरानी जलोढ़ (बांगर) मिट्टी	पुरानी जलोढ़ (करैल-केवाल) मिट्टी
नवीन जलोढ़ (खादर) मिट्टी	लाल पीली (बलथर) मिट्टी

✪ उत्तर बिहार की मिट्टी

- उत्तर बिहार की मिट्टी का निर्माण हिमालय से निकलने वाली गंगा, गंडक, बूढ़ी गंडक, कोसी, महानंदा एवं उसकी सहायक नदियों से हुआ है। उत्तर बिहार की मिट्टी को चार उपवर्गों में बांटा गया है।

(i) पर्वतपादीय मिट्टी

- यह मिट्टी पश्चिमी चंपारण के **उत्तरी-पश्चिमी भाग** के **सुमेश्वर श्रेणी** के आस-पास पाई जाती है।
- इस क्षेत्र में अधिक वर्षा होने के कारण मृदा में अधिक नमी पाई जाती है और यह **अधिक उपजाऊ** होती है। यह मृदा मुख्य रूप से धान एवं गन्ने की खेती के लिए अनुकूल होती है।

(ii) तराई मिट्टी

- इस मिट्टी का विस्तार बिहार के **उत्तरी सीमा पर पश्चिम में चंपारण से लेकर पूर्व में किशनगंज** तक 5 से 7 किलोमीटर चौड़ी पट्टी में है।
- इस मिट्टी में कहीं-कहीं कंकड़ और रेत की मात्रा अधिक पाई जाती है तथा कई जगहों पर दलदली भूमि का भी विकास हुआ है।
- यह मिट्टी हल्के भूरे या पीले रंग की होती है। यह मिट्टी धान, पटसन और गन्ने की खेती के लिए अनुकूल होती है।

(iii) पुरानी जलोढ़ (बांगर) मिट्टी

- इस मिट्टी का विकास उन क्षेत्रों में होता है जहां बाढ़ का पानी प्रतिवर्ष नहीं पहुंच पाता है।
- इस मिट्टी का विस्तार मुख्यत: **घाघरा-गंडक दोआब** और **बूढ़ी गंडक के पश्चिमी भाग** में है।
- इसका विस्तार पूर्णियां, सहरसा, दरभंगा, मुजफ्फरपुर आदि क्षेत्रों में भी है।
- इस मृदा में चूना और पोटाश की अधिकता होती है तथा फॉस्फोरस एवं नाइट्रोजन की कमी होती है। इसकी प्रकृति क्षारीय होती है। इसमें मुख्य रूप से धान, गेहूं, मक्का, तंबाकू, गन्ना उगाए जाते हैं।

(D) नवीन जलोढ़ (खादर) मिट्टी

- नदियों द्वारा प्रतिवर्ष लाये गये अवसादों से खादर मिट्टी का निर्माण होता है।
- इस मिट्टी का विस्तार गंगा, गंडक, बूढ़ी गंडक, कोसी, महानंदा की निचली घाटी में है।

- इस मिट्टी का रंग गहरा भूरा होता है तथा इसमें बालू एवं चीका (Clay) की प्रधानता होती है।
- इस मिट्टी में नाईट्रोजन की कमी पाई जाती है।
- यह मिट्टी अत्यधिक उर्वर होती है जिसमें पर्याप्त सिंचाई होने पर धान, गेहूं, जूट, मक्का आदि की पैदावार अच्छी होती है।

✪ दक्षिण बिहार की मिट्टी

- दक्षिण बिहार की मिट्टी का विस्तार गंगा नदी तथा छोटानागपुर पठार के मध्य है। मिट्टी की संरचना के आधार पर दक्षिण बिहार की मिट्टी को चार भागों में वर्गीकृत किया गया है –

(i) टाल मिट्टी

- टाल निम्न भूमि का क्षेत्र होता है जो वर्षा ऋतु में जल-प्लावित रहता है। टाल मिट्टी का विस्तार **गंगा के दक्षिणी तट** पर **बक्सर से भागलपुर** तक 8 से 10 किलोमीटर चौड़ी पट्टी में है।
- यह मिट्टी मोटे कणों वाली, धूसर रंग की एवं भारी मिट्टी होती है।
- इस मिट्टी में रबी फसलें अच्छी होती हैं यह क्षेत्र दलहन उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है।

(ii) कगारी मिट्टी

- गंगा नदी के दक्षिण तट पर एवं सोन, फल्गु, पुनपुन, किऊल नदियों के किनारों पर इस मिट्टी का विस्तार है। इसकी उर्वरा शक्ति कुछ कमजोर होती है।
- यह मिट्टी मोटे अनाज एवं सब्जी के उत्पादन के लिए जानी जाती है।
- इस मिट्टी में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलें मक्का, सरसों, मिर्च आदि हैं।

(iii) पुरानी जलोढ़ (करैल-केवाल) मिट्टी

- इस मिट्टी का विस्तार बक्सर, उत्तरी गया, पटना, नालंदा, मुंगेर से लेकर भागलपुर तक है।
- इस मिट्टी की उर्वरा शक्ति अधिक होती है तथा इसमें जल सोखने की क्षमता भी अधिक होती है। इस मिट्टी का रंग गहरा भूरा, पीला एवं हल्का होता है।
- इस मिट्टी में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलें मक्का, धान, बाजरा, आलू, अरहर, गेहूं आदि हैं।

(iv) लाल पीली (बलथर) मिट्टी

- पश्चिम में कैमूर श्रेणी के निकट से पूर्व में राजमहल की उच्च भूमि तक 8 से 15 किलोमीटर चौड़ी पट्टी में इस मिट्टी का विस्तार है।

- यह मिट्टी जमुई, मुंगेर के खड़गपुर पहाड़ी क्षेत्र, बांका, नवादा और औरंगाबाद के पठारी क्षेत्र में पाई जाती है।
- इस मिट्टी में रेत एवं कंकड़ की बहुलता होती है एवं इसकी उर्वरा शक्ति काफी कम होती है। इस मिट्टी में जल संग्रहण की क्षमता भी कम होती है।
- लौह तत्व की प्रधानता के कारण यह लाल रंग की होती है तथा इसकी प्रकृति अम्लीय होती है। इस मिट्टी में मक्का, ज्वार, बाजरा, अरहर आदि मोटे अनाज उपजाये जाते हैं।

✪ अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु –

- लाल बलुई मिट्टी कैमूर एवं रोहतास के पठारी क्षेत्रों में पाई जाती है।
- इस मिट्टी में बालू और लेटराइट मिट्टी के अंश भी पाए जाते हैं।
- इस मिट्टी में मुख्य रूप से ज्वार, बाजरा, मक्का जैसे मोटे अनाज उपजाये जाते हैं।

वन एवं वन्यजीव

बिहार एक मानसूनी प्रदेश है। यहां मुख्य रूप से **मानसूनी पर्णपाती** वन पाए जाते हैं। इन पर्णपाती वनों को उनकी विशिष्टता के आधाार पर दो भागों में बांटा जाता है–

(i) आर्द्र पर्णपाती वन

(ii) शुष्क पर्णपाती वन

(i) आर्द्र पर्णपाती वन– ये वन उन क्षेत्रों में पाए जाते हैं जहाँ वर्ष में वर्षा औसतन **120 सेमी. से अधिक** होती है।

- बिहार में आर्द्र पर्णपाती वन **किशनगंज, पश्चिमी चम्पारण (वाल्मीकिनगर वन)** तथा नेपाल के सीमावर्त्ती क्षेत्र में पाए जाते हैं।
- ऐसे वनों में साल, सेमल, जामुन, सागवान आदि के वृक्ष मिलते हैं। इसके अतिरिक्त इन वनों में सवई घास, हाथी घास, नरकट, बेंत आदि झाड़ियाँ पाई जाती हैं।

(ii) शुष्क पर्णपाती वन– ये वन उन क्षेत्रों में पाए जाते है जहाँ वर्ष में वर्षा औसतन **120 सेमी. से कम** होती है।

- बिहार के अधिकांश भागों में इसी प्रकार के वन पाए जाते हैं।
- ये वन **कैमूर की पहाड़ी, मुंगेर, जमुई, बांका** आदि क्षेत्रों में पाए जाते हैं।
- इन वनों में शीशम, अमलतास, साल, खैरा, महुआ, पलास, जामुन, बाँस आदि के वृक्ष पाए जाते हैं।

बिहार के वन्यजीव अभयारण्य

◈ बिहार में एक राष्ट्रीय उद्यान तथा 12 वन्यजीव अभयारण्य हैं।

क्र.सं	अभयारण्य	स्थान	विशेषताएँ
1.	वाल्मीकिनगर राष्ट्रीय उद्यान	पश्चिमी चम्पारण	• यह बिहार का एक मात्र राष्ट्रीय उद्यान है। • इसमें बिहार के सबसे घने वन पाए जाते हैं।
2.	भीमबांध एवं वन्य जीव अभयारण्य	मुंगेर	• 681 वर्ग किमी. क्षेत्र में फैला है। • तेंदूआ, भालू, सूअर, मगरमच्छ के लिए प्रसिद्ध है।
3.	गौतम बुद्ध पक्षी विहार	गया	• 259 वर्ग किमी. क्षेत्र में फैला है।
4.	कांवर झील वन्य जीव अभयारण्य	बेगूसराय	• 63 वर्ग किमी. क्षेत्र में फैला है। • साईबेरियाई पक्षियों का आश्रय स्थल। • रामसर सूची में शामिल बिहार का एकमात्र आर्द्रभूमि क्षेत्र।
5.	कैमूर वन्य जीव अभयारण्य	रोहतास	• 1784 वर्ग किमी. क्षेत्र में फैला है। • बिहार का सबसे बड़ा वन्य जीव अभयारण्य है।
6.	नागी बांध पक्षी विहार	जमुई	• 1.92 वर्ग किमी. क्षेत्र में फैला है। • सबसे छोटा अभयारण्य।
7.	नकटी डैम वन्य जीव अभयारण्य	जमुई	• 3.33 वर्ग किमी. क्षेत्र में फैला है।
8.	पंत वन्य जीव अभयारण्य	नालंदा (राजगीर)	• 35.84 वर्ग किमी. क्षेत्र में फैला है।
9.	उदयपुर वन्य जीव अभयारण्य	पश्चिमी चम्पारण	• 8.87 वर्ग किमी. क्षेत्र में फैला है।
10.	वाल्मीकि वन्य जीव अभयारण्य	पश्चिमी चम्पारण	• 880 वर्ग किमी. क्षेत्र में फैला है। • बिहार का एक मात्र बाघ आरक्ष्य इसके अंदर है।
11.	कुशेश्वर स्थान पक्षी वन्य जीव अभयारण्य	दरभंगा	• 291 वर्ग किमी. क्षेत्र में फैला है। • साइबेरियाई पक्षिओं का आश्रय स्थल
12.	विक्रमशिला डॉल्फिन वन्य जीव अभयारण्य	भागलपुर	• 60 किमी. क्षेत्र में फैला है (गंगा नदी में मुंगेर से भागलपुर तक) • भारत के पहले डॉल्फिन अभयारण्य के रूप में प्रसिद्ध है।
13.	बरैला सलीम अली पक्षी अभयारण्य	वैशाली	

वन स्थिति रिपोर्ट 2021 (बिहार)

◈ भारत एवं बिहार वन स्थिति रिपोर्ट प्रति दो वर्षों पर **भारतीय वन सर्वेक्षण** द्वारा जारी किया जाता है।

◈ सर्वप्रथम यह रिपोर्ट **1987 ई०** में प्रकाशित किया गया था। 2021 की रिपोर्ट इस श्रृंखला की **17वीं रिपोर्ट** है जिसके लिए दूरसंवेदी उपग्रह रिसोर्स सैट-2 से प्राप्त आंकड़ों का प्रयोग किया गया है।

◈ **बिहार में वन आवरण –**

- वन स्थिति रिपोर्ट 2021 के अनुसार, **बिहार का वनावरण 7380.79 वर्ग किमी.** है जो राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का **7.84%** है।
- 2019 की रिपोर्ट की तुलना में वनावरण में **75 वर्ग किमी की वृद्धि** हुई है, जो लगभग **1.03%** है।

◈ **बिहार में वनावरण एवं वृक्षावरण**

वर्ग	क्षेत्रफल	प्रतिशत	वृद्धि
वनावरण	7381 वर्ग किमी.	7.84%	75 वर्ग किमी.
वृक्षावरण	2341 वर्ग किमी.	2.48%	338 वर्ग किमी.
कुल	9722 वर्ग किमी.	10.32%	413 वर्ग किमी.

◈ **जिलों में वनावरण (क्षेत्रफल के अनुसार)**

सबसे अधिक		सबसे कम	
जिला	क्षेत्रफल	जिला	क्षेत्रफल
कैमूर	1051.56 वर्ग किमी.	शेखपुरा	1.19 वर्ग किमी.
पश्चिमी चम्पारण	903.34 वर्ग किमी.	अरवल	4.14 वर्ग किमी.
रोहतास	669.91 वर्ग किमी.	जहानाबाद	4.43 वर्ग किमी.

◈ **जिलों में वनावरण (प्रतिशत के अनुसार)**

सबसे अधिक		सबसे कम	
जिला	प्रतिशत	जिला	प्रतिशत
कैमूर	31.56%	शेखपुरा	0.17%
जमुई	21.34%	बक्सर	0.35%
नवादा	20.72%	सीवान	0.35%

◈ 2019 की तुलना में वनावरण में सर्वाधिक वृद्धि/नुकसान वाले जिले

वनावरण में वृद्धि		वनावरण को नुकसान	
जिला	क्षेत्रफल	जिला	क्षेत्रफल
बांका	16.29 वर्ग किमी.	कैमूर	– 4.83 वर्ग किमी.
जमुई	13.22 वर्ग किमी.	सुपौल	– 4.46 वर्ग किमी.
गया	12.24 वर्ग किमी.	रोहतास	– 2.32 वर्ग किमी.

◈ अन्य बिन्दु – वाल्मिकी नगर टाइगर रिजर्व के 796.12 km^2 में वन है जो कुल टाइगर रिजर्व क्षेत्र (928.80 वर्ग किमी.) का 85.71% है।

◈ **बिहार में वृक्षावरण** – भारत वन स्थिति रिपोर्ट 2021 के अनुसार बिहार के **2341 km^2 क्षेत्र पर वृक्षावरण** है, जो राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का **2.48%** है । 2019 की रिपोर्ट की तुलना में **वृक्षावरण में 338 वर्ग किमी. वृद्धि** दर्ज की गई।

◈ 2021 में बिहार में विभिन्न प्रकार के वनों के अंतर्गत प्रतिशत क्षेत्र

वन का प्रकार	2021 में
अति सघन वन (70% अधिक शिखर सघनता)	4.5% (333 वर्ग किमी.)
मध्यम सघन वन (40% - 70% शिखर सघनता)	44.5% (3286 वर्ग किमी.)
खुले वन (10% - 40% शिखर सघनता)	51% (3762 वर्ग किमी.)

◈ बिहार में वनावरण में शीर्ष जिले

वर्ग	शीर्ष जिले	शीर्ष जिलों का क्षेत्रफल
बहुत घने वन	पश्चिम चम्पारण	249.34 वर्ग किमी.
मध्यम रूप से घने वन	पश्चिम चम्पारण	548.47 वर्ग किमी.
खुले वन	कैमूर	531.73 वर्ग किमी.

◈ 2019 एवं 2021 वनावरण की तुलना

वन	क्षेत्रफल (2019)	क्षेत्रफल (2021)
बहुत घने वन	333 वर्ग किमी.	333 वर्ग किमी.
मध्यम रूप से घने वन	3250 वर्ग किमी.	3286 वर्ग किमी.
खुले वन	3693 वर्ग किमी.	3762 वर्ग किमी.
कुल	**7306 वर्ग किमी.**	**7381 वर्ग किमी.**

नोटः 10 प्रतिशत से अधिक शिखर घनत्व और एक हेक्टेयर या अधिक क्षेत्रफल वाली वृक्षाच्छादित भूमि को वनाच्छादन माना जाता है।

अन्य महत्त्वपूर्ण तथ्य –

- संजय गाँधी जैविक उद्यान, पटना 153 एकड़ में फैला है। यह उद्यान **गैंडा प्रजनन** के लिए एशिया का सबसे बड़ा केन्द्र है।
- जनवरी- 2021 में बिहार के पहले राजकीय पक्षी उत्सव **'कलरव'** का आयोजन जमुई के **नागी-नकटी पक्षी अभयारण्य** में किया गया।
- **राजगीर** में **जू-सफारी** की स्थापना की गयी है।
- बिहार में **डॉल्फिन रिसर्च सेंटर, पटना** में स्थित है। डॉल्फिन दिवस 5 अक्टूबर को मनाया जाता है।
- **बाघ गणना रिपोर्ट वर्ष-2018** के अनुसार **बिहार में बाघों की संख्या 31** है।

बिहार में आपदा प्रबंधन

बिहार एक मैदानी राज्य है जहाँ की **मुख्य आपदा बाढ़** है। इसके अतिरिक्त बिहार **सुखा, भूकम्प, चक्रवात** एवं **लू** जैसी आपदाओं से भी पीड़ित होता है।

बाढ़ – बिहार के 38 जिले में से **28 जिले बाढ़ प्रभावित** हैं। इन 28 जिलों में **15 अत्यधिक बाढ़ प्रभावित** तथा **13 कम बाढ़ प्रभावित** जिले हैं।

- बाढ़ का अत्यधिक प्रभाव उत्तर-बिहार में देखा जाता है। बिहार का बाढ़ग्रस्त क्षेत्र भारत के कुल बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र का **16.5%** है।

अत्यधिक बाढ़ प्रभावित जिले (15)	पूर्वी चम्पारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, सीतामढ़ी, शिवहर, दरभंगा, मधुबनी समस्तीपुर, सहरसा, सुपौल, मधेपुरा, खगड़िया, बेगूसराय, भागलपुर, कटिहार
कम बाढ़ प्रभावित जिले (13)	पश्चिम चम्पारण, सारण, सीवान, गोपालग. ंज, पूर्णिया, किशनगंज, पटना, नालंदा, भोजपुर, बक्सर, लखीसराय, शेखपुरा

बाढ़ आने के प्रमुख कारण

- बिहार में वर्षा ऋतु के दो माह में अत्यधिक वर्षा होना।
- उत्तर बिहार की नदियों में वर्षा ऋतु में अत्यधिक जल प्रवाह होना।

- बिहार में जल प्रबंधन का अभाव होना।
- तटबंधों का टूटना तथा जल संग्रहण क्षेत्र में मानव का प्रसार आदि।

सूखा – मानसून की अनिश्चितता तथा जल के अवैज्ञानिक दोहन के कारण सूखा की स्थिति उत्पन्न होती है।

- बिहार का लगभग 20% क्षेत्र सूखे से प्रभावित होता है।
- सूखे से प्रभावित होने वाले प्रमुख जिले **औरंगाबाद, गया, नवादा, रोहतास, कैमूर, मुंगेर** आदि हैं।
- सूखा नियंत्रण के लिए आधुनिक सिंचाई पद्धति जैसे- टपक सिंचाई, फव्वारा सिंचाई आदि का प्रयोग एवं नहर निर्माण का कार्य किया जाना आवश्यक है।

भूकम्प – बिहार की भौगोलिक अवस्थिति हिमालय के समीप होने के कारण यहां भूकंप की संभावना को जन्म देती है।

- बिहार के अलग-अलग क्षेत्रों को भूकंप की संभावना के आधार पर विभिन्न जोन- V, IV एवं III में विभाजित किया जाता है।

जोन	जिले
जोन- V (अत्यधिक प्रबलता)	किशनगंज, सहरसा, सुपौल, मधेपुरा, अररिया, सीतामढ़ी, दरभंगा, मधुबनी
जोन- IV (मध्यम प्रबलता)	पूर्वी चम्पारण, पश्चिम चम्पारण, सारण, वैशाली, पटना, सीवान, शिवहर
जोन- III (निम्न प्रबलता)	गया, औरंगाबाद, रोहतास, कैमूर, बक्सर, भोजपुर, मुंगेर

चक्रवात – बिहार भौगोलिक रूप से समुद्र तटीय राज्य नहीं है लेकिन बंगाल की खाड़ी के समीप होने के कारण बिहार चक्रवात जैसी आपदा से कभी-कभी प्रभावित होता है।

- बंगाल की खाड़ी में उत्पन्न होने वाला चक्रवात पं. बंगाल, झारंखड से होकर बिहार के सीमावर्ती जिलों को प्रभावित करता है।
- चक्रवात से मुख्य रूप से बिहार के पूर्वी जिले **किशनगंज, पूर्णिया, भागलपुर, कटिहार, अररिया** आदि जिले प्रभावित होते हैं।
- चक्रवात में मूसलाधार वर्षा एवं तेज हवाओं से जान-माल की क्षति होती है।

✪ सेंदाई फ्रेमवर्क और बिहार

- जापान के **सेंदाई शहर** में **मार्च, 2015** में आपदा जोखिम में कमी लाने के लिए **तीसरा संयुक्त राष्ट्र विश्व शिखर सम्मेलन आयोजित** किया गया था। इस सम्मेलन में आपदा जोखिम में कमी लाने से सम्बंधित 7 प्रमुख लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। **भारत ने 1 जून, 2016 को सेंदाई फ्रेमवर्क** को अपनाया। **बिहार भारत का पहला राज्य** है, जिसने सेंदाई फ्रेमवर्क से संबंधित कार्ययोजना को लागू किया है।





बिहार की अर्थव्यवस्था 04

कृषि

बिहार एक मैदानी राज्य है। बिहार का लगभग **96 प्रतिशत भू-भाग मैदानी** है। यह मैदानी क्षेत्र उपजाऊ जलोढ़ मृदा से समृद्ध है। जलोढ़ मृदा, सिंचाई की उपलब्धता तथा भौगोलिक अनुकूलता के कारण बिहार एक कृषि प्रधान राज्य है।

◈ बिहार के लगभग **70 प्रतिशत** श्रमिक **कृषि** एवं सहवर्ती क्षेत्र पर आश्रित हैं। बिहार आर्थिक सर्वेक्षण 2020-21 के अनुसार कृषि एवं सहवर्ती क्षेत्र का बिहार के सकल घरेलू उत्पाद (GSDP) में **19.2 प्रतिशत** योगदान है।

◈ बिहार के कुल भू-भाग में कृषि क्षेत्र

शुद्ध बुआई क्षेत्र	54.2 प्रतिशत
कुल अकृष्य भूमि	45.8 प्रतिशत

◈ बिहार के कुल भू-भाग में कृषि सघनता-

सकल फसल क्षेत्र	72.97 लाख हेक्टेयर
शुद्ध बुआई क्षेत्र	50.77 लाख हेक्टेयर
सकल सिंचित क्षेत्र	54.35 लाख हेक्टेयर
फसल सघनता	144 प्रतिशत

✪ बिहार में फसल उत्पादन के प्रकार-

(i) **रबी फसल-** यह **अक्टूबर/नवम्बर** माह में बोई जाती है तथा **मार्च/अप्रैल** में काट ली जाती है। गेहूँ, चना, सरसों, मटर, आलू, जौ इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

(ii) **खरीफ फसल-** यह **जून/जुलाई** माह में बोई जाती है तथा **नवम्बर/दिसम्बर** माह में काट ली जाती है। धान, गन्ना, ज्वार, बाजरा, मक्का, अरहर इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

(iii) **जायद फसल-** यह रबी एवं खरीफ फसल के बीच के दो-तीन माह में उपजाई जाने वाली फसलें हैं। यह **अप्रैल/मई** में बोई जाती है तथा **जून/जुलाई** में काट ली जाती है। मक्का, जूट, मरूआ, तरबूज, ककड़ी, मूंग, लोबीया, पत्तेदार सब्जियाँ आदि इसके प्रमुख उदाहरण है।

- बिहार में सर्वाधिक उपजायी जाने वाली फसल चावल (धान) है। दूसरी प्रमुख फसल **गेहूँ** है।
- प्रमुख फसल उसके उत्पादक एवं उत्पादकता वाले जिले–

फसल	सर्वाधिक उत्पादन वाले जिले	सर्वाधिक उत्पादकता वाले जिले
चावल	रोहतास	पश्चिम चम्पारण
गेहूँ	रोहतास	बेगूसराय
मक्का	कटिहार	अररिया
दलहन	पटना	जहानाबाद

- उत्पादन की दृष्टि से बिहार के प्रमुख तीन फल क्रमशः केला (19.8 लाख टन), आम (15.5 लाख टन) तथा अमरूद (4.3 लाख टन) हैं।
- बिहार में **सर्वाधिक लीची उत्पादन मुजफ्फरपुर** (बिहार के कुल उत्पादन का 48%) में होता है।
- बिहार में **सर्वाधिक गन्ना उत्पादन पश्चिम चम्पारण** (बिहार के कुल उत्पादन का 53%) में होता है।
- बिहार में **सर्वाधिक चाय उत्पादन किशनगंज** में होता है।
- बिहार में **सर्वाधिक जूट उत्पादन पूर्णिया** में होता है।
- बिहार में 2020-21 में **कुल खाद्यान उत्पादन 17.952 लाख टन** अनुमानित है।
- बिहार में कृषि एवं सहवर्ती क्षेत्र में 2016-17 से 2020-21 के दौरान **2.1% की दर से वृद्धि** हुई है।
- बिहार भारत के कुल खाद्यान्न उत्पादन का लगभग 6.6 प्रतिशत उत्पादन करता है।
- वर्ष 2012 से अब तक बिहार राज्य को **5 बार कृषि कर्मण पुरस्कार** मिला है–

वर्ष 2011-12 में	चावल के लिए
वर्ष 2012-13 में	गेहूँ के लिए
वर्ष 2015-16 में	मक्का के लिए
वर्ष 2016-17 में	मक्का के लिए
वर्ष 2017-18 में	गेहूँ के लिए

- बिहार में कृषि के समग्र विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा **तीन कृषि रोड मैप** का निर्माण एवं क्रियान्वयन किया गया है–
  - प्रथम कृषि रोड मैप– 2008-12
  - द्वितीय कृषि रोड मैप– 2012-17
  - तृतीय कृषि रोड मैप– 2017-22

  (तृतीय कृषि रोड मैप का कार्यकाल एक वर्ष बढ़ाकर 2023 किया गया है।)

- राज्य सरकार द्वारा कृषि से जुड़े सभी विभागों को साथ लेकर कृषि के समग्र विकास के लिए एक समिति का गठन किया गया है, जिसके अध्यक्ष बिहार के मुख्यमंत्री हैं।
- **चौथे कृषि रोड मैप** की तैयारी की जा रही है। इसका **कार्यकाल 1 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2028** तक होगा। इस रोड मैप में जलवायु अनुकूल कृषि, कृषि विविधीकरण आदि पर विशेष बल दिया जायेगा।

सिंचाई

- बिहार में सिंचाई के प्रमुख साधन नहर, नलकूप, पइन, तालाब एवं कुआँ है। बिहार के कुल सिंचित क्षेत्र का लगभग **64% हिस्सा नलकूपों** द्वारा सिंचित होता है।

पशुपालन

- कृषि प्रधान राज्य होने के कारण बिहार में पशुपालन रोजगार एवं आय का एक प्रमुख साधन है।
- आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22 के अनुसार बिहार में 2019 में पशुओं की कुल संख्या **365.4 लाख** थी।
- वर्ष 2016-17 से 2020-21 के मध्य पशुधन में बिहार में **10 प्रतिशत दर से वृद्धि** हुई है।
- वर्ष 2020-21 में पशुधन उत्पादन की स्थिति–

दुग्ध उत्पादन	115.01 लाख टन
अंडा उत्पादन	301.32 करोड़
मछली उत्पादन	6.83 लाख टन
मांस उत्पादन	3.85 लाख टन

- बिहार में पशुओं की संख्या, प्रतिशत एवं अग्रणी जिले–

गाय एवं बैल	154 लाख	42.1%	पूर्णिया
भैंस	77.20 लाख	21.2%	मधुबनी
बकरी	128.2 लाख	35.1%	अररिया
मुर्गी एवं बत्तख	165.3 लाख		कटिहार

खिनज

- पृथ्वी की भूपर्पटी या भूगर्भ में प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले तत्वों तथा यौगिकों को खनिज कहते हैं। इन्हें भौतिक एवं रासायनिक गुणों के आधार पर धात्विक एवं अधात्विक में विभाजित किया जाता है।

- बिहार से झारखण्ड के विभाजन के पूर्व बिहार में देश का लगभग 25 प्रतिशत खनिज पाया जाता था। ये मुख्यत: छोटानागपुर पठारी क्षेत्र में पाया जाते हैं। विभाजन के पश्चात बिहार में खनिज की मात्रा केवल 2 से 3 प्रतिशत शेष रह गई है।
- वर्तमान में बिहार में दक्षिणी सीमा पर धारवाड़ एवं विन्ध्य क्रम की चट्टानों में खनिज पाये जाते हैं।
- बिहार में पाये जाने वाले मुख्य खनिज **चूना पत्थर, पायराइट, अभ्रक, मैंगनीज, चीनी मिट्टी, क्वार्ट्ज, बॉक्साइट** आदि है।

खनिज	उत्पादक जिले या क्षेत्र	विशेषताएँ
चूना पत्थर	रोहतास (रोहतास पहाड़ी, कैमूर पहाड़ी)	• सीमेंट उद्योग का प्रमुख कच्चा माल होता है। • रोहतास में सीमेंट कारखाना स्थापित है। • चीनी उद्योग में शुद्धीकरण के लिए उपयोगी होता है। • इस्पात उद्योग के लिए उपयोगी होता है।
पायराइट	रोहतास (अमझौर एवं बंजारी)	• भारत के कुल भंडार का 95% बिहार में है। • यह गन्धक का प्रमुख स्रोत होता है। • इसका उपयोग उर्वरक उद्योग, कागज उद्योग, पेट्रो. लियम शोधन आदि में होता है।
अभ्रक	नवादा, गया, जमुई, मुंगेर	• विश्व में सबसे उच्च कोटि का अभ्रक बिहार में पाया जाता है। • अभ्रक विद्युत का कुचालक है इसलिए इसका उपयोग विद्युत उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक उद्योग आदि में होता है।
चीनी मिट्टी	भागलपुर, बाँका, मुंगेर	• इसका उपयोग बर्त्तन, विद्युत प्रतिरोध उपकरण बनाने में होता है। • इसके अतिरिक्त वस्त्र, कागज, पेंट आदि उद्योग में भी इसका उपयोग होता है।
क्वार्टजाईट	मुंगेर (खड़गपुर की पहाड़ियाँ), जमुई, गया	• इसका उपयोग भवन निर्माण सामग्री के रूप में मुख्य रूप से होता है।
बॉक्साइट	मुंगेर (खड़गपुर की पहाड़ियाँ)	• बॉक्साइट एल्यूमिनियम का अयस्क है। एल्युमिनियम का उपयोग वृहत रूप से होता है।

खनिज	उत्पादक जिले या क्षेत्र	विशेषताएँ
सोना	जमुई (करमिटिया) मुंगेर, पश्चिमी चम्पारण	• सोना एक बहुमूल्य धातु है। बिहार के जमुई में सोने के विशाल भंडार का पता लगाया गया है।
शोरा	सारण, मुजफ्फरपुर, बेगूसराय, पूर्वी चम्पारण आदि	• शोरा सोडियम और पोटैशियम नाइट्रेट के रूप में पाया जाता है। • इसका उपयोग विस्फोटक पदार्थ (बारूद) बनाने तथा पटाखा, काँच, इस्पात उद्योग में किया जाता है।
क्वार्ट्ज	जमुई, नवादा, गया आदि	• इसका उपयोग काँच, विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक उद्योग में होता है।
यूरेनियम	गया, नवादा	• ऊर्जा उत्पादन के दृष्टि से बहुमूल्य है।
स्लेट	मुंगेर (खड़गपुर पहाड़ी से)	• इसका उपयोग सजावटी पत्थर के रूप में किया जाता है।
मैंगनीज	गया, मुंगेर	• मैंगनीज का उपयोग धातु निर्माण कार्य में किया जाता है। मुख्य रूप से इसका उपयोग इस्पात उद्योग में होता है।
एस्बेस्टस	मुंगेर	• इसका उपयोग कपड़े, कागज, छत ढ़कने के तख्ते बनाने में किया जाता है। • एस्बेस्टस में आग नहीं लगने के कारण इस से बने कपड़े fire fighters पहनते हैं।
गैलेना	बाँका	• इसका उपयोग परमाणु संयत्र, रसायन उद्योग, पेन्ट उद्योग में किया जाता है।
पेट्रोलियम	पश्चिमी चम्पारण	• ईंधन के रूप में प्रयोग किया जाता है।
प्राकृतिक गैस	पूर्णिया, किशनगंज, कटिहार	• ईंधन के रूप में प्रयोग किया जाता है।

ऊर्जा

◈ बिहार राज्य में ऊर्जा का उत्पादन **वर्ष 2020-21 में 6422 मेगावाट** रहा।

◈ बिहार राज्य में प्रति व्यक्ति विद्युत उपभोग वर्ष **2020-21 में 350 किलोवाट घंटा** रहा।

◈ बिहार राज्य में वर्ष 2020-21 में सर्वाधिक बिजली खपत वाले जिले क्रमशः **पटना, गया** एवं **मुजफ्फरपुर** रहे।

◆ बिहार में बिजली वितरण के लिए दो कंपनियाँ कार्यरत है–
(i) उत्तर बिहार विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड
(ii) दक्षिण बिहार विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड

◆ बिहार में ऊर्जा के तीन अभिकरण कार्यशील हैं–
(i) बिहार राज्य विद्युत बोर्ड (बी एस ई बी)
(ii) बिहार राज्य जल विद्युत निगम लिमिटेड (बी एच एस पी सी)
(iii) बिहार नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (ब्रेडा)

◆ बिहार में कुल **13 जलविद्युत परियोजनाएँ** चालू हैं जिनसे **54.3 मेगावाट** विद्युत उत्पादन होता है।

जलविद्युत परियोजना	जिला	उत्पादन (मेगावाट में)
पूर्वी गंडक नहर	पं॰ चम्पारण	15
सोन पश्चिमी नहर	रोहतास	6.6
सोन पूर्वी नहर	औरंगाबाद	3.3
कोसी जलविद्युत	सुपौल	19.2
अगनूर लघु जलविद्युत	अरवल	1
ढेलबाग लघु जलविद्युत	रोहतास	1
नासरीगंज लघु जलविद्युत	रोहतास	1
त्रिवेणी नहर	पं॰ चम्पारण	3
जयनगरा लघु जलविद्युत	रोहतास	1
सेबारी लघु जलविद्युत	रोहतास	1
सिरखिंडी लघु जलविद्युत	रोहतास	0.7
अरवल लघु जलविद्युत	अरवल	0.5
बेलसार लघु जलविद्युत	अरवल	1

◆ बिहार नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (ब्रेडा) बिहार में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन एवं विकास के लिए उत्तरदायी है।

◆ **बिहार के प्रमुख ताप विद्युत केन्द्र–**

ताप विद्युत केन्द्र	जिला/स्थान
बाढ़ ताप विद्युत संयंत्र	पटना (बाढ़)
बरौनी ताप विद्युत परियोजना	बेगुसराय (बरौनी)
बक्सर ताप विद्युत परियोजना	बक्सर (चौसा)
काँटी विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड	मुजफ्फरपुर (काँटी)
ककवारा अल्ट्रा मेगा पॉवर प्रोजेक्ट	बाँका
नबीनगर ताप विद्युत परियोजना	औरंगाबाद

- बिहार में परमाणु विद्युत संयंत्र **नवादा के रजौली** में लगाने की योजना है।
- बिहार सरकार के सात निश्चय - 01 के सात लक्ष्यों में एक लक्ष्य 'हर घर बिजली लगातार' लक्ष्य को प्राप्त कर लिया गया है।

उद्योग

- अर्थव्यवस्था में उद्योग द्वितीयक क्षेत्र का प्रक्रम है। इसके अन्तर्गत निर्माण एवं विनिर्माण का कार्य किया जाता है।
- बिहार में खनिज संसाधन की सीमित मात्रा के कारण खनिज आधारित उद्योगों की संख्या सीमित है।
- बिहार एक कृषि प्रधान राज्य है। बिहार में **कृषि आधारित उद्योगों की अपार संभावना** है।

बिहार के प्रमुख उद्योग–

चीनी उद्योग–

→ बिहार का प्रथम चीनी उद्योग **1904 ई॰ में मरहौरा/मढ़ौरा** (सारण) में स्थापित किया गया था।

→ आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22 के अनुसार बिहार में 11 चीनी मिलें हैं, जिनमें 10 चालू अवस्था में है।

→ आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22 के अनुसार बिहार में चीनी का उत्पादन **46.22 लाख क्विंटल** है।

दुग्ध उद्योग –

→ बिहार कृषि एवं पशुपालन समृद्ध राज्य है अतः यहाँ दुग्ध उत्पादन एक पारंपरिक व्यवसाय है।

→ आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22 के अनुसार बिहार में **115.01 लाख टन** दुग्ध का उत्पादन हुआ है।

→ आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22 के अनुसार बिहार में दुग्ध की बिक्री प्रतिदिन **15.22 लाख लीटर** रही है।

जूट उद्योग –

→ बिहार में जूट के तीन बड़े कारखाने **पूर्णिया, कटिहार** एवं **दरभंगा** में स्थित है।

→ पूर्णिया के मरांगा में एक जूट पार्क स्थापित किया जा रहा है।

→ बिहार पश्चिम बंगाल के बाद दूसरा सर्वाधिक जूट उत्पादक राज्य है।

वस्त्र, रेशम उद्योग –

→ सूती वस्त्र उद्योग बिहार के फुलवारी शरीफ, डुमरांव एवं गया में है। इसके अतिरिक्त मुंगेर, भागलपुर, बक्सर, मुजफ्फरपुर में सूती वस्त्र के छोटी–छोटी मिलें हैं।

→ बिहार में **भागलपुर** रेशमी वस्त्रों के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है।

→ बिहार में **मलबरी, तसर** और **अंडी** तीनों प्रकार के रेशम का उत्पादन होता है।

रेशम	2020-21 में उत्पादन	क्षेत्र
मलबरी	2 टन	सहरसा, सुपौल, अररिया, मधेपुरा, पुर्णिया
तसर	47 टन	बाँका, मुंगेर, नवादा, कैमूर, जमुई
अंडी	17 टन	मुजफ्फरपुर, बेगुसराय

सीमेंट उद्योग –

→ बिहार में **चूना पत्थर** की उपलब्धता के कारण सीमेंट उद्योग स्थापित किया गया है।

→ बिहार में **डालमिया नगर, बंजारी** रोहतास में सीमेंट उद्योग स्थापित है।

कृषि उत्पाद उद्योग –

→ बिहार एक **कृषि प्रधान राज्य** है। बिहार में कृषि आधारित **चीनी, जूट, ईथेनॉल, चावल, खाद्य प्रसंस्करण, चमड़ा, लकड़ी, प्लाईवुड** आदि उद्योग की वृहद संभावना है।

→ बिहार में **भागलपुर, बक्सर** एवं **कटिहार** में **तीन फूड पार्क** स्थापित करने की स्वीकृति दी गई है।

→ बिहार वर्तमान में देश में **खाद्य उत्पादन में सातवें**, **सब्जी उत्पादन में तीसरे** तथा **फल उत्पादन में छठे स्थान** पर है।

→ बिहार **मखाना** उत्पादन में देश का **प्रथम** एवं एकमात्र राज्य है।

→ **लीची** उत्पादन में बिहार देश में **प्रथम** स्थान पर है।

→ कृषि रोड मैप-3 में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को प्राथमिकता दी गई है।

✪ बिहार में केन्द्र सरकार द्वारा नियंत्रित सार्वजनिक उपक्रम

उद्योग	स्थान
फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	बरौनी
इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड	बरौनी
भारत वैगन एंड इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड	मोकामा
रेलवे विद्युत इंजन कारखाना	मधेपुरा
रेल पहिया कारखाना	बेला (सारण)
डीजल एवं इलेक्ट्रिक इंजन कारखाना	मढ़ौरा (सारण)
कैरेज रिपेयर रेल वर्कशॉप	हरनौत (नालंदा)

◈ बिहार राज्य के अधीन औद्योगिक उपक्रम

उद्योग	स्थान
बिहार स्टेट स्कूटर्स लिमिटेड	फतुहा (पटना)
बिहार स्टेट शुगर कॉर्पोरेशन लिमिटेड	पटना
बिहार स्टेट एग्रो इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन	पटना
बिहार स्टेट डेयरी कॉर्पोरेशन लिमिटेड	पटना
बिहार स्टेट स्पन सिल्क	भागलपुर
बिहार स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड	पटना
बिहार स्टेट फॉरेस्ट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन	पटना
बिहार स्टेट फाइनेन्स कॉर्पोरेशन	पटना
बिहार स्टेट टेक्स्ट बुक पब्लिशिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड	पटना

◈ बिहार में औद्योगिक इकाई एवं क्षेत्र

उत्पाद	क्षेत्र
चमड़ा	पटना, मुजफ्फरपुर
चीनी	पश्चिमी चम्पारण, पूर्वी चम्पारण, सारण
कागज	समस्तीपुर, रोहतास, दरभंगा
रेशम	भागलपुर
सूती वस्त्र	गया, पटना, सीवान, भागलपुर
औषधि	मुजफ्फरपुर, पटना
सीमेंट	रोहतास
ऊर्वरक	बरौनी, (बेगुसराय)
प्लाईवुड	हाजीपुर, पूर्णिया, पटना
कालीन	ओबरा (औरंगाबाद)
तेल शोधन	बरौनी (बेगुसराय)

- ◈ बिहार में औद्योगिक विकास के लिए **बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (BIADA)** की स्थापना 1974 ई० में की गई है। इसके चार क्षेत्रीय कार्यालय **पटना, भागलपुर, मुजफ्फरपुर** एवं **दरभंगा** में स्थित है। इसके 9 कलस्टर कार्यालयों के अंतर्गत 74 औद्योगिक क्षेत्र हैं।
- ◈ बिहार में औद्योगिक विकास के लिए औद्योगिक विकास प्रोत्साहन **नीति, 2016** बनाई गई है।

परिवहन

- ◈ बिहार में परिवहन के साधन **सड़क परिवहन, रेल परिवहन, वायु परिवहन एवं जल परिवहन** के रूप में मौजूद हैं।

✪ सड़क परिवहन

◈ यह यातायात का सबसे आसान एवं सस्ता साधन माना जाता है।

◈ बिहार में सड़क नेटवर्क – (आर्थिक समीक्षा 2021-22)

वर्ग	लम्बाई
राष्ट्रीय राजमार्ग (NH)	5947.84 किमी.
प्रांतीय राजमार्ग (SH)	3713.97 किमी.
मुख्य जिला पथ (MDR)	15272.60 किमी.
ग्रामीण सड़कें	120503 किमी.

◈ प्रति 1000 वर्ग किमी॰ भौगोलिक क्षेत्रफल पर 3086 किमी. **पथ घनत्व** के साथ बिहार का स्थान **देश में तीसरा** है।

◈ **सड़कों की कुल लम्बाई** में बिहार का देश में **आठवाँ स्थान** है।

◈ **पक्की सड़कों की कुल लम्बाई** में बिहार का देश में **दसवाँ स्थान** है।

◈ राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) की सर्वाधिक लम्बाई वाला बिहार का जिला **पटना (506 km)** है।

◈ राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) का सबसे कम लम्बाई वाला बिहार का जिला **शिवहर (22 km)** है।

✪ रेल परिवहन

◈ बिहार में प्रथम रेलमार्ग का निर्माण **1862 ई.** में **हावड़ा से मुगलसराय रेलमार्ग** के दौरान हुआ था।

◈ बिहार में 2020 ई. में रेलमार्ग की **कुल लम्बाई 3794 किमी.** थी जो भारत के कुल रेलमार्ग का **5.6 प्रतिशत** है।

◈ भारत में रेल परिवहन में **बिहार का स्थान आठवाँ** है।

◈ बिहार में कुल **चार रेल मंडल** है–

मंडल	रेल क्षेत्र
सोनपुर मंडल	ECR
दानापुर मंडल	ECR
समस्तीपुर मंडल	ECR
कटिहार मंडल	NEFR

- भारतीय रेलवे के 18 रेल जोनों में बिहार में **एक मात्र रेल जोन 'पूर्व मध्य रेलवे' हाजीपुर** में है। इस रेलवे जोन की स्थापना 1 अक्टूबर 2002 ई. को हुई थी।
- **पटना मेट्रो रेल परियोजना** का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा **17 फरवरी 2019** को किया गया। इसके तहत पटना शहर अन्तर्गत 32.91 किमी. लंबा मेट्रो पथ निर्माण किया जाना है। इसे दो चरणों में 2027 तक पूरा किया जायेगा।

वायु परिवहन

- बिहार में वायु परिवहन की शुरूआत **1960 ई.** में हुई।
- **भारत सरकार द्वारा नागरिक उड्डयन नीति 2016** स्वीकृत की गई। इसके तहत आम नागरिकों को हवाई सेवा उपलब्ध कराने के लिए **'उड़े देश का आम नागरिक'** की परिकल्पना की गई।
- बिहार में स्थित हवाई अड्डे

हवाई अड्डा	स्थान	प्रकार
जय प्रकाश नारायण अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	पटना	अंतर्राष्ट्रीय
गया अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	गया	अंतर्राष्ट्रीय
दरभंगा हवाई अड्डा	दरभंगा	घरेलू
जोगबनी हवाई अड्डा	जोगबनी (अररिया)	घरेलू
रक्सौल हवाई अड्डा	रक्सौल (पूर्वी चम्पारण)	घरेलू
मुजफ्फरपुर हवाई अड्डा	मुजफ्फरपुर	घरेलू
चूनापुर हवाई अड्डा	पूर्णिया	रक्षा

जल परिवहन

- जल परिवहन **समुद्र एवं नदियों** के माध्यम से होता है। **बिहार एक भू-बद्ध राज्य है** अतः बिहार में केवल नदियों के माध्यम से जल परिवहन होता है।
- गंगा नदी में **इलाहाबाद से हल्दिया** तक **राष्ट्रीय जल मार्ग संख्या-01** है जिसकी कुल लम्बाई 1620 किमी. है। इस जल मार्ग का एक वृहत भाग बिहार से होकर (बक्सर से भागलपुर तक) गुजरता है। पटना के महेन्द्रू घाट में राष्ट्रीय पोत संस्थान की स्थापना की गई है।
- बिहार में दो लघु जल मार्ग है–

  (i) बरारीघाट से महादेवपुर घाट **(ii) मोकामा से बरौनी**
- आधुनिक तकनीक के विकास एवं सड़क, रेल एवं वायु परिवहन के सुलभ होने के कारण जल परिवहन का महत्व घटा है।



बिहार में पर्यटन

05

बिहार पर्यअन की दृष्टि से एक समृद्ध राज्य है। यहाँ ऐतिहासिक धार्मिक, प्राकृतिक सभी प्रकार के दर्शनीय स्थल मौजूद है। बिहार में धार्मिक पर्यटन स्थलों में हिंदू, बौद्ध, जैन, सिख, इसाई एवं मुस्लिम सभी धर्मो के दर्शनीय स्थल मौजूद है।

- पर्यटन का दूसरा पक्ष आर्थिक होता है। बिहार में पर्यटन के विकास के लिए पर्यटन को उद्योग का दर्जा प्रदान किया गया है।
- बिहार में पर्यटन का लोगो – **बिहार टूरिज्म : ब्लिसफुल बिहार**
- बिहार में पर्यटन के विकास के लिए पर्यटन स्थलों को सर्किटों के रूप में चिन्हीत किया गया है। प्रमुख सर्किट एवं उसके प्रमुख स्थल निम्नलिखित है।

बौद्ध सर्किट – बौद्ध धर्म के सभी उच्च महत्व वाले पवित्र स्थलों को इसमें स्थान दिया गया है। जैसे– जहाँ भगवान बुद्ध का जन्म हुआ, उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई, अपने उपदेश दिए, उनके स्तूप आदि।

- महाबोधी मंदिर – गया
- सुजाता गढ़ स्तूप – गया
- विश्व शांति स्तूप – राजगीर (नालंदा)
- अशोक स्तंभ – वैशाली
- बुद्ध अवशेष स्तूप – वैशाली
- केसरिया स्तूप – पूर्वी चम्पारण

जैन सर्किट – बिहार 12वें तीर्थंकर वासुपूज्य और 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी का पवित्र जन्म स्थान है। बिहार में जैन धर्म से जुड़े कई धार्मिक पर्यटन स्थल मौजूद है।

- जल मंदिर – पावापुरी (नालंदा)
- जैन मंदिर – कुण्डलपुर (नालंदा)
- जैन मंदिर – लछुआर (जमुई)
- जैन मंदिर – कुण्डग्राम (वैशाली)

रामायण सर्किट – हिन्दू धर्म और सनातन धर्म के विकास में बिहार का उल्लेखनिय योगदान रहा है। बिहार की पवित्र भूमि भगवान राम और माता सीता से संबंधित रही है। बिहार में हिन्दू धर्म से संबंधित कई मंदिर एवं दर्शनीय स्थल मौजूद हैं।

- सीता कुण्ड – सीतामढ़ी
- अहिल्या स्थान – दरभंगा
- सिंहेश्वर स्थान – सहरसा
- रामशिला – गया
- वाल्मीकि नगर – पश्चिम चम्पारण
- प्रेतशिला – गया

सिख सर्किट – बिहार सिख धर्म के दशवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह की जन्मभूमि रहा है। इसके अतिरिक्त सिख धर्म के प्रथम गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह एवं नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादूर सिंह ने बिहार की यात्रा की थी।

- तख्त श्री हरिमंदिर जी, पटना साहिब – पटना
- गुरुद्वारा गुरु का बाग – पटना
- गुरुद्वारा हांडी साहिब – पटना
- कंगन घाट – पटना
- गुरुद्वारा बाल लीला – पटना
- प्रकाश पुंज – पटना
- गुरुनानक कुण्ड – राजगीर

✪ **सूफी सर्किट** – बिहार की भूमि सूफीवाद के चिश्ती एवं सुहरावर्दी से संबंधित रहा है। बिहार में कई सूफी दर्शनीय स्थल मौजूद है।

- मनेर शरीफ – पटना
- अमझर शरीफ – औरंगाबाद
- शेरशाह सूरी का मकबरा – सासाराम (रोहतास)
- बड़ी दरगाह – नालंदा

✪ **इको सर्किट** – बिहार प्राकृतिक छटा, जैविक विविधता एवं मनभावक पर्यावरणीय दृश्यों से परिपूर्ण स्थल है। यहाँ पहाड़, झरने, हरियाली के मनभावक दृश्य मौजूद हैं।

- वाल्मीकि टाइगर रिजर्व – पश्चिम चम्पारण
- बराबर गुफाएँ – जहानाबाद
- भीमबांध अभयारण्य – मुंगेर
- घोड़ा कटोरा – राजगीर (नालंदा)
- तेलहड़ कुण्ड – कैमूर
- काँवर झील – बेगूसराय
- ककोलत झरना – नवादा

✪ **यूनेस्को विश्व विरासत स्थल की सूची में बिहार के 2 स्थलों को चिन्हीत किया गया है। –**

(i) महाबोधी मंदिर कॉम्पलेक्स – बोधगया (2002)

महाबोधी मंदिर बोधगया स्थित बौद्ध धर्म का सबसे पवित्र स्थल है। भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति बोध गया में ही हुई थी। इस मंदिर के प्रांगन में बोधी वृक्ष भी मौजूद है जिसके नीचे भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी।

(ii) नालंदा महाविहार का पूरातात्विक स्थल – नालंदा (2016)

नालंदा महाविहार का निर्माण प्राचीन गुप्त काल में शिक्षा केन्द्र के रूप में हुआ था। यह बौद्ध धर्म का सबसे बड़ा शिक्षा केन्द्र था तथा यह विश्व का प्रथम बड़ा विश्वविद्यालय था। बख्तियार खिलजी द्वारा नालंदा विश्वविद्यालय को ध्वस्त किया गया था। वर्ष 2010 में संसद द्वारा पारित नालंदा विश्वविद्यालय अधिनियम के द्वारा राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय की पुनर्स्थापना का कार्य किया गया है जहाँ 2014 से शैक्षनिक सत्र प्रारंभ हो गया है।



बिहार की जनगणना (2011)



- भारत की पहली जनगणना **1872 ई० में लॉड मेयो** के समय हुई थी। भारत में नियमित जनगणना की शुरूआत **1881 ई० में लॉड रिपन** के समय में हुई।
- 1936 ई० में उड़ीसा से बिहार के अलग होने के बाद 1941 ई० में बिहार की जनगणना पृथक रूप से हुई।
- 2011 की जनगणना देश की **15वीं जनगणना** थी। इसके आयुक्त **सी. चंद्रमौली** थे।
- 2011 की जनगणना का आदर्श वाक्य था– **'हमारी जनगणना हमारा भविष्य'**
- 2011 की जनगणना के अनुसार बिहार की कुल जनसंख्या **10,40,99,452** है, जो भारत की कुल जनसंख्या का **8.58%** है।
- जनसंख्या की दृष्टि से बिहार का स्थान उत्तर प्रदेश एवं महाराष्ट्र के बाद **तीसरा** है।

बिहार एवं भारत 2011 जनगणना आँकड़ों का तुलनात्मक अध्ययन –

सूचक	बिहार (वर्ष 2011 में)	भारत (वर्ष 2011 में)
कुल जनसंख्या	10.41 करोड़	121.06 करोड़
कुल जनसंख्या में पुरुषों का %	52.14 %	51.47%
कुल जनसंख्या में महिलाओं का %	47.86 %	48.53%
ग्रामीण जनसंख्या	9.23 करोड़	83.37 करोड़
ग्रामीण जनसंख्या % (कुल जनसंख्या का)	88.7 %	68.8%
शहरी जनसंख्या	1.18 करोड़	37.71 करोड़
शहरी जनसंख्या % (कुल जनसंख्या का)	11.3 %	31.2 %
शहरीकरण की दशकीय वृद्धि दर	0.8%	3.4%
2001-11 के दौरान दशकीय वृद्धि दर	25.42 %	17.7 %
लिंग अनुपात	918	943
बाल लिंग अनुपात (0-6 वर्ष)	935	919
घनत्व	1106 / km^2	382 / km^2
0-14 आयु समूह का जनसंख्या प्रतिशत	40.2%	30.9%
15-59 आयु समूह का जनसंख्या प्रतिशत	53.5%	60.7%
60 वर्ष और अधिक आयु समूह का जनसंख्या प्रतिशत	6.3%	8.4%

सूचक	बिहार (वर्ष 2011 में)	भारत (वर्ष 2011 में)
साक्षरता दर	61.8%	73 %
पुरूष साक्षरता दर	71.2%	80.9%
महिला साक्षरता दर	51.5%	64.6%
साक्षरता दर में वृद्धि (2001 से 2011 के बीच)	17.9%	10.9%
ग्रामीण साक्षरता दर	59.8%	67.8 %
शहरी साक्षरता दर	76.9%	84.1 %
अनुसूचित जाति का % (कुल जनसंख्या का)	15.72 %	16.6 %
अनुसूचित जनजाति का % (कुल जनसंख्या का)	1.3 %	8.6 %

✪ बिहार 2011 जनगणना संबंधित आँकड़े –

विषय	प्रथम स्थान	द्वितीय स्थान	तृतीय स्थान
सर्वाधिक क्षेत्रफल वाले तीन जिले	पश्चिम चम्पारण	गया	पूर्वी चम्पारण
सबसे कम क्षेत्रफल वाले तीन जिले	शिवहर	अरवल	शेखपुरा
सर्वाधिक जनसंख्या वाले तीन जिले	पटना (58.4 लाख)	पूर्वी चंपारण	मुजफ्फरपुर
सबसे कम जनसंख्या वाले तीन जिले	शेखपुरा (6.4 लाख)	शिवहर	अरवल
सर्वाधिक जनसंख्या दशकीय वृद्धि वाले तीन जिले	मधेपुरा (31.1 %)	किशनगंज	अररिया एवं खगड़िया (30.2 %)
सबसे कम जनसंख्या दशकीय वृद्धि वाले तीन जिले	अरवल (18.89 %)	गोपालगंज (19.02 %)	दरभंगा
सर्वाधिक लिंगानुपात वाले तीन जिले	गोपालगंज (1021)	सीवान	सारण
सबसे कम लिंगानुपात वाले तीन जिले	मुंगेर (876)	भागलपुर	खगड़िया
सर्वाधिक बाल लिंगानुपात वाले तीन जिले	किशनगंज (971)	कटिहार	गया
सबसे कम बाल लिंगानुपात वाले तीन जिले	वैशाली (904)	पटना	मुजफ्फरपुर
सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाले तीन जिले	शिवहर (1880)	पटना	दरभंगा

विषय	प्रथम स्थान	द्वितीय स्थान	तृतीय स्थान
सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाले तीन जिले	कैमूर (488)	जमुई	बांका
सर्वाधिक शहरीकरण वाले तीन जिले	पटना (43.1)	मुंगेर	भागलपुर
सबसे कम शहरीकरण वाले तीन जिले	समस्तीपुर एवं बांका (3.5)	मधुबनी	कैमूर
सर्वाधिक साक्षरता वाले तीन जिले	रोहतास (73-4 %)	पटना	भोजपुर
सबसे कम साक्षरता वाले तीन जिले	पूर्णिया (51.1%)	सीतामढ़ी	कटिहार
सर्वाधिक पुरूष साक्षरता दर वाले तीन जिले	रोहतास (82.9%)	भोजपुर	बक्सर
सबसे कम पुरूष साक्षरता दर वाले तीन जिले	पूर्णिया (59.1%)	कटिहार	सीतामढ़ी
सर्वाधिक महिला साक्षरता दर वाले तीन जिले	रोहतास (63.0%)	मुंगेर	पटना
सबसे कम महिला साक्षरता दर वाले तीन जिले	सहरसा (41.7%)	मधेपुरा	पूर्णिया
सर्वाधिक ग्रामीण साक्षरता दर वाले तीन जिले	रोहतास (72.5%)	औरंगाबाद	भोजपुर
सबसे कम ग्रामीण साक्षरता दर वाले तीन जिले	पूर्णिया (48.4%)	कटिहार	सीतामढ़ी
सर्वाधिक शहरी साक्षरता दर वाले तीन जिले	कैमूर (82.6%)	पटना	मुंगेर
सबसे कम शहरी साक्षरता दर वाले तीन जिले	शिवहर (62.0%)	शेखपुरा	मधुबनी
सर्वाधिक अनुसूचित जाति (SC) प्रतिशत वाले तीन जिले	गया (30.39%)	नवादा	औरंगाबाद
न्यूनतम अनुसूचित जाति (SC) प्रतिशत वाले तीन जिले	किशनगंज (6.69%)	कटिहार	भागलपुर
सर्वाधिक अनुसूचित जनजाति (ST) प्रतिशत वाले तीन जिले	पश्चिमी चंपारण (6.35%)	कटिहार	जमुई
न्यूनतम अनुसूचित जनजाति (ST) प्रतिशत वाले तीन जिले	खगड़िया (0.04%)	समस्तीपुर	औरंगाबाद



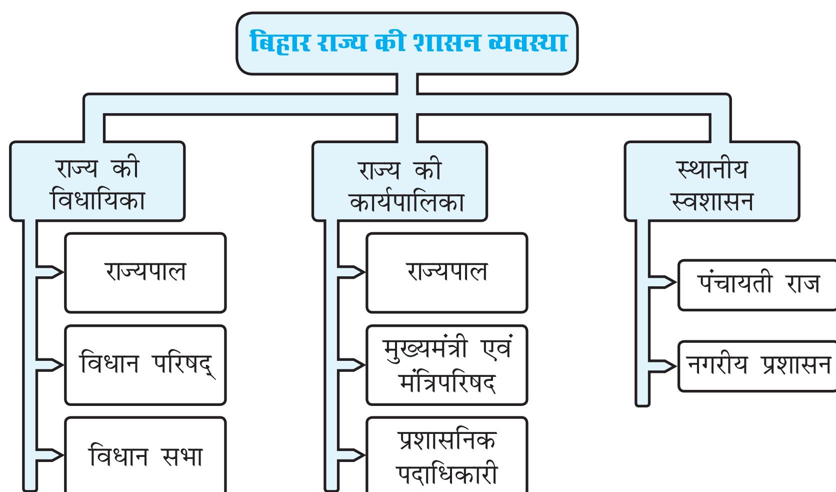


बिहार की राजव्यवस्था 07

- पृथक बिहार प्रांत के गठन की घोषणा 1911 ई० में की गई। तत्पश्चात् **1912 ई० में पृथक बिहार राज्य का गठन** हुआ।
- पृथक बिहार राज्य में प्रथम **विधान सभा चुनाव 1937 ई०** में हुआ। **विधान सभा** के लिए **152** तथा **विधान परिषद** के लिए **30 सीटों** की व्यवस्था की गई।
- राज्य में 152 में से 70 निर्वाचन क्षेत्र सामान्य नागरिकों के लिए, 15 अनुसूचित जातियों, 7 अनुसूचित जनजातियों, 39 मुस्लिमों, 4 महिलाओं, 2 आंग्ल भारतीय, 2 यूरोपीय समुदाय तथा 13 विशिष्ट क्षेत्र (व्यवसाय, उद्योग, भू-स्वामी, शिक्षक आदि) के लिए सुरक्षित था।
- चुनाव में **98 सीटों** पर **कांग्रेस** ने जीत दर्ज की। **20 सीटों** पर **मुस्लिम लीग** ने जीत दर्ज की।
- कांग्रेस को सरकार बनाने का निमंत्रण मिला। **श्री कृष्ण सिंह** ने कांग्रेस पार्टी के आदेश पर पद ग्रहण से पूर्व सरकार से राजनीतिक स्वायतत्ता का आश्वासन मांगा। आश्वासन नहीं मिलने पर श्री कृष्ण सिंह ने मंत्रिमंडल गठन से इंकार कर दिया।
- तत्कालीन गर्वनर ने **इन्डीपेन्डेन्ट पार्टी** के **मोहम्मद यूनुस** को मार्च 1937 ई० में एक कार्यकारी सरकार बनाने का दायित्त्व सौंपा। इस प्रकार सरकार का गठन कर **मो० यूनुस बिहार के पहले प्रधानमंत्री (मुख्यमंत्री)** बने।
- लेकिन गर्वनर एवं कांग्रेस के मध्य सहमति होने पर **20 जुलाई 1937 ई०** को **श्री कृष्ण सिंह** के नेतृत्व में बिहार में पहली बार कांग्रेस की सरकार बनी।
- **डॉ० सच्चिदानंद सिन्हा** विधान सभा के **प्रोटेम स्पीकर** नियुक्त हुए। विधान सभा में 23 जुलाई 1937 ई० को **श्री रामदयालु सिंह, अध्यक्ष** तथा **प्रो० अब्दुल बारी, उपाध्यक्ष** चुने गए।
- 1939 ई० में द्वितीय विश्व युद्ध में कांग्रेस के सहमति के विरूद्ध भारत को शामिल करने के मुद्दे पर कांग्रेस मंत्रिमंडल ने त्याग पत्र देकर विधान सभा भंग कर दिया।
- 1939 ई० से 1945 ई० तक विधान सभा का गठन नहीं हुआ।
- 1935 ई० के अधिनियम के आधार पर 1946 ई० में पुनः चुनाव हुए। अप्रैल **1946 ई०** में **श्री कृष्ण सिंह** ने कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करते हुए **मुख्यमंत्री पद संभाला।**

- इस विधान सभा द्वारा 39 सदस्यों को संविधान सभा के लिए चुना गया। इनमें सरोजिनी नायडू, डॉ राजेन्द्र प्रसाद, डॉ० सच्चिदानंद सिन्हा, जगजीवन राम आदि प्रमुख थे।
- स्वतंत्र भारत का **पहला आम चुनाव 1952 ई०** में हुआ, जिसमें **बिहार विधान सभा** के **330 सीटों** के लिए चुनाव हुए। **स्वतंत्र बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्री कृष्ण सिंह** थे।

भारतीय संविधान के भाग-6 में अनुच्छेद 152 से अनुच्छेद 237 के अन्तर्गत राज्य सरकारों एवं उनकी कार्यप्रणाली का वर्णन किया गया है –



राज्यपाल

- राज्य सरकार का संवैधानिक प्रमुख राज्यपाल होता है। राज्यपाल को विधायी, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका संबंधी अधिकार प्रदत्त किये गए हैं। इन अधिकारों का उल्लेख संविधान में अनुच्छेद 152 से 162 में किया गया है।
- राज्यपाल संवैधानिक प्रमुख होता है लेकिन वह मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करता है।
- राष्ट्रपति शासन के दौरान राज्यपाल प्रत्यक्ष रूप से कार्यपालिका का प्रधान हो जाता है। अब तक बिहार में 8 बार राष्ट्रपति शासन लगाया गया है।

✪ बिहार के राज्यपालों की सूची -

क्रम.	नाम	कार्यकाल	
		कब से	कब तक
1.	सर जेम्स सिफ्टन	11 फरवरी 1935	10 मार्च 1937
2.	सर मौरिस गार्नियर हैलेट	11 मार्च 1937	15 मार्च 1938
3.	सर थॉमस अलेक्जेंडर स्वेवार्ट	6 अगस्त 1939	2 फरवरी 1943
4.	सर थॉमस जॉर्ज रदरफोर्ड	3 फरवरी 1943	6 सितम्बर 1943
5.	सर फ्रांसिस मूडी (कार्यकारी)	7 सितम्बर 1943	23 अप्रैल 1944
6.	सर थॉमस जॉर्ज रदरफोर्ड	24 अप्रैल 1944	12 मई 1946
7.	सर हफ डो	13 मई 1946	14 अगस्त 1947
स्वतंत्रता पश्चात् बिहार के राज्यपालों की सूची			
1.	जयरामदास दौलतराम	15 अगस्त 1947	11 जनवरी 1948
2.	माधव श्रीहरी अन्ने	12 जनवरी 1948	14 जून 1952
3.	आर. आर. दिवाकर	15 जून 1952	5 जुलाई 1957
4.	डॉ. जाकिर हुसैन *	6 जुलाई 1957	11 मई 1962
5.	एम. ए. एस. अयंगर	12 मई 1962	6 दिसम्बर 1967
6.	नित्यानंद कानूनगो	7 दिसम्बर 1967	20 जनवरी 1971
7.	न्यायमूर्ति यू. एन. सिन्हा (पदासीन)	21 जनवरी 1971	31 जनवरी 1971
8.	देवकांत बरुआ	1 फरवरी 1971	4 फरवरी 1973
9.	रामचंद्र धोंडीबा भंडारे	4 फरवरी 1973	15 जून 1976
10.	जगन्नाथ कौशल	16 जून 1976	31 जनवरी 1979
11.	न्यायमूर्ति के. बी. एन. सिंह (पदासीन)	31 जनवरी 1979	19 सितम्बर 1979
12.	अखलाक-उर-रहमान किदवई (पहली बार)	20 सितम्बर 1979	15 मार्च 1985
13.	पि. वेंकट्ट सुब्बैया	15 मार्च 1985	25 फरवरी 1988
14.	गोविंद नारायण सिंह	26 फरवरी 1988	24 जनवरी 1989
15.	न्यायमूर्ति दीपक कुमार सेन (पदासीन)	24 जनवरी 1989	28 जनवरी 1989
16.	आर. डी. प्रधान	29 जनवरी 1989	2 फरवरी 1989
17.	जगन्नाथ पहाड़िया	3 मार्च 1989	2 फरवरी 1990

18.	न्यायमूर्ति जी. जी. सोहोनी (पदासीन)	2 फरवरी 1990	16 फरवरी 1990
19.	मो० यूनिस सलीम	16 फरवरी 1990	13 फरवरी 1991
20.	बी. सत्यनारायण रेड्डी	14 फरवरी 1991	18 मार्च 1991
21.	मोहम्मद शफी कुरैशी	19 मार्च 1991	13 अगस्त 1993
22.	अखलाक-उर-रहमान किदवई (दूसरी बार)	14 अगस्त 1993	26 अप्रैल 1998
23.	सुन्दर सिंह भंडारी	27 अप्रैल 1998	15 मार्च 1999
24.	न्यायमूर्ति बी. एम. लाल (पदासिन)	15 मार्च 1999	5 अक्टूबर 1999
25.	सूरजभान	6 अक्टूबर 1999	22 नवम्बर 1999
26.	विनोद चन्द्र पाण्डेय	23 नवम्बर 1999	12 जून 2003
27.	एम. आर. जोइस	12 जून 2003	31 अक्टूबर 2004
28.	वेद प्रकाश मारवाह (पदासिन)	1 नवम्बर 2004	4 नवम्बर 2004
29.	बूटा सिंह	5 नवम्बर 2004	29 जनवरी 2006
30.	गोपालकृष्ण गाँधी	31 जनवरी 2006	21 जून 2006
31.	आर. एस. गवई	22 जून 2006	9 जुलाई 2008
32.	रघुनंदन लाल भाटिया	10 जुलाई 2008	28 जून 2009
33.	देवानंद कुँवर	29 जून 2009	21 मार्च 2013
34.	डी. वाई. पाटिल	22 मार्च 2013	26 नवम्बर 2014
35.	केशरी नाथ त्रिपाठी (पहली बार)	27 नवम्बर 2014	15 अगस्त 2015
36.	राम नाथ कोविंद *	16 अगस्त 2015	21 जून 2017
37.	केशरी नाथ त्रिपाठी (दूसरी बार)	22 जून 2017	03 अक्टूबर 2017
38.	सत्यपाल मालिक	04 अक्टूबर 2017	22 अगस्त 2018
39.	लालजी टंडन	23 अगस्त 2018	28 जुलाई 2019
40.	फागु चौहान	29 जुलाई 2019	अभी पद पर हैं

* जाकिर हुसैन एवं राम नाथ कोविंद बिहार के ऐसे दो राज्यपाल रहे जो आगे चलकर भारत के राष्ट्रपति भी बने।

◈ श्री फागु चौहान बिहार के चालीसवें राज्यपाल हैं।

पदासीन: इसका अर्थ है उस समय राज्यपाल का पद खाली था, एवं जब पद खाली हो तो राज्य के उच्च न्यायलय के न्यायमूर्ति उस राज्य के राज्यपाल का कार्यभार संभालते हैं।

विधान परिषद्

- बिहार राज्य की विधायिका द्वि-सदनीय है जिसमें **विधान परिषद् उच्च सदन** है। यह एक स्थायी सदन है।
- **विधान परिषद् के गठन** एवं निर्माण का वर्णन संविधान के **अनुच्छेद 169** में किया गया है।
- संविधान के **अनुच्छेद 171** में **विधान परिषद् की संरचना** का वर्णन किया गया है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि विधान परिषद् की **अधिकतम संख्या विधान सभा की एक तिहाई** से अधिक नहीं हो सकती तथा **न्यूनतम संख्या 40** से कम नहीं हो सकती है।
- विधान परिषद् की **पहली बैठक 20 जनवरी 1913** को पटना कॉलेज के सभागार में हुई थी। इसी के आधार पर वर्ष 2013 में विधान परिषद् का शताब्दी वर्ष समारोह मनाया गया।
- बिहार विधान परिषद् में कुल सीटों की संख्या **75** है।
- विधान परिषद् एक स्थायी सदन होता है जो कभी भंग नहीं होता है। इसके एक तिहाई सदस्य प्रति दो वर्षों पर अवकाश ग्रहण करते हैं। विधान परिषद् में सदस्यों का **कार्यकाल 6 वर्षों** का होता है।
- विधान परिषद में सदस्यों का चयन निम्न प्रकार से होता है –
  (i) **1/3 सदस्य** – विधान सभा सदस्यों द्वारा
  (ii) **1/3 सदस्य** – स्थानीय निकायों द्वारा
  (iii) **1/6 सदस्य** – राज्यपाल द्वारा मनोनीत
  (v) **1/12 सदस्य** – शिक्षकों द्वारा
  (iv) **1/12 सदस्य** – स्नातक निर्वाचकों द्वारा

विधान सभा

- बिहार राज्य विधायिका की **निम्न सदन विधान सभा** है। यह एक **अस्थायी सदन** है।
- विधान सभा का वर्णन संविधान के **अनुच्छेद 170** में किया गया है।
- राज्य विधान सभा में सीटों की **अधिकतम संख्या 500 तथा न्यूनतम संख्या 60** निर्धारित है।
- **7 फरवरी 1921** को मौजूदा विधान मंडल के सभागार में प्रान्तीय विधान परिषद् की **पहली बैठक** हुई थी। इसी के आधार पर वर्ष 2021 में विधान सभा का शताब्दी वर्ष समारोह मनाया गया।
- बिहार विधान सभा में सीटों की संख्या **243** निर्धारित है।

- बिहार विधान सभा सीटों में **38 अनुसूचित जाति** तथा **2 अनुसूचित जनजाति** के लिए आरक्षित है। इसके अतिरिक्त 1 सीट आंग्ल भारतीय समुदाय के लिए आरक्षित थी जिसे 104वें संविधान संशोधन अधिनियम 2021 द्वारा निरस्त कर दिया गया।
- विधान सभा सदस्यों का **कार्यकाल 5 वर्षों** का होता है। लेकिन विभिन्न परिस्थितियों में इसे कार्यकाल पूरा होने के पूर्व भी भंग किया जा सकता है।

वर्ष	विधान परिषद् में सदस्यों की संख्या	वर्ष	विधान सभा में सदस्यों की संख्या
1913	43	1937	152
1937	30	1952	331
1952	72	1957	319
1958	96	1977	325
2000	75	2000	243

मुख्यमंत्री

- राज्य की कार्यपालिका का **वास्तविक प्रधान मुख्यमंत्री** होता है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद् का गठन होता है जो **अनुच्छेद 163** के तहत राज्यपाल को सहयोग प्रदान करते हैं।
- मुख्यमंत्री मंत्रिपरिषद एवं मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता करता है तथा राज्य के विकास के लिए उत्तरदायित्त्व का निर्वहन करता है।
- मुख्यमंत्री राज्य में देश के प्रधानमंत्री के समान होता है। सामान्यतः मुख्यमंत्री का कार्यकाल 5 वर्षों का होता है। लेकिन बहुमत खोने एवं अन्य विषम परिस्थितियों में पहले भी पद त्याग करना पड़ता है।

✪ बिहार के मुख्यमंत्रियों की सूची

क्रम.	नाम	कार्यकाल	
		कब से	कब तक
1.	मो० यूनुस	01 अप्रैल 1937	19 जुलाई 1937
2.	श्रीकृष्ण सिंह	20 जूलाई 1937	31 अक्टूबर 1939
3.	श्रीकृष्ण सिंह	02 अप्रैल 1946	31 जनवरी 1961
4.	दीप नारायण सिंह (कार्यवाहक)	01 फरवरी 1961	18 फरवरी 1961
5.	विनोदानंद झा	18 फरवरी 1961	02 अक्टूबर 1963
6.	कृष्ण बल्लभ सहाय	02 अक्टूबर 1963	05 मार्च 1967

7.	महामाया प्रसाद सिन्हा	05 मार्च 1967	28 जनवरी 1968
8.	सतीश प्रसाद सिन्हा (कार्यवाहक)	28 जनवरी 1968	01 फरवरी 1968
9.	बी. पी. मंडल	01 फरवरी 1968	22 मार्च 1968
10.	भोला पासवान शास्त्री	22 मार्च 1968	29 जून 1968
	राष्ट्रपति शासन (पहली बार)	29 जून 1968	26 फरवरी 1969
11.	सरदार हरिहर सिंह	14 फरवरी 1969	22 जून 1969
12.	भोला पासवान शास्त्री (दूसरी बार)	22 जून 1969	04 जुलाई 1969
	राष्ट्रपति शासन (दूसरी बार)	06 जुलाई 1969	16 फरवरी 1970
13.	दरोगा प्रसाद राय	16 फरवरी 1970	22 दिसम्बर 1970
14.	कर्पूरी ठाकुर	22 दिसम्बर 1970	02 जून 1971
15.	भोला पासवान शास्त्री (तीसरी बार)	02 जून 1971	09 जनवरी 1972
	राष्ट्रपति शासन (तीसरी बार)	09 जनवरी 1972	19 मार्च 1972
16.	केदार पाण्डेय	19 मार्च 1972	02 जुलाई 1973
17.	अब्दुल गफूर	02 जुलाई 1973	11 अप्रैल 1975
18.	जगन्नाथ मिश्रा	11 अप्रैल 1975	30 अप्रैल 1977
	राष्ट्रपति शासन (चौथी बार)	30 अप्रैल 1977	24 जून 1977
19.	कर्पूरी ठाकुर (दूसरी बार)	24 जून 1977	21 अप्रैल 1979
20.	राम सुन्दर दास	21 अप्रैल 1979	17 फरवरी 1980
	राष्ट्रपति शासन (पांचवी बार)	17 फरवरी 1980	08 जून 1980
21.	जगन्नाथ मिश्रा (दूसरी बार)	08 जून 1980	14 अगस्त 1983
22.	चंद्रशेखर सिंह	14 अगस्त 1983	12 मार्च 1985
23.	बिन्देश्वरी दुबे	12 मार्च 1985	13 फरवरी 1988
24.	भागवत झा आजाद	14 फरवरी 1988	10 मार्च 1989
25.	सत्येन्द्र नारायण सिन्हा	11 मार्च 1989	06 दिसम्बर 1989
26.	जगन्नाथ मिश्रा (तीसरी बार)	06 दिसम्बर 1989	10 मार्च 1990
27.	लालू प्रसाद यादव	10 मार्च 1990	28 मार्च 1995
	राष्ट्रपति शासन (छठी बार)	28 मार्च 1995	04 अप्रैल 1995
28.	लालू प्रसाद यादव (दूसरी बार)	04 अप्रैल 1995	25 जुलाई 1997
29.	राबड़ी देवी	25 जुलाई 1997	11 फरवरी 1999
	राष्ट्रपति शासन (सातवीं बार)	11 फरवरी 1999	09 मार्च 1999
30.	राबड़ी देवी (दूसरी बार)	09 मार्च 1999	02 मार्च 2000
31.	नीतीश कुमार	03 मार्च 2000	10 मार्च 2000
32.	राबड़ी देवी (तीसरी बार)	11 मार्च 2000	06 मार्च 2005

	राष्ट्रपति शासन (आठवीं बार)	07 मार्च 2005	24 नवम्बर 2005
33.	नीतीश कुमार (दूसरी बार)	24 नवम्बर 2005	26 नवम्बर 2010
34.	नीतीश कुमार (तीसरी बार)	26 नवम्बर 2010	20 मई 2014
35.	जीतन राम मांझी	20 मई 2014	22 फरवरी 2015
36.	नीतीश कुमार (चौथी बार)	22 फरवरी 2015	20 नवम्बर 2015
37.	नीतीश कुमार (पांचवीं बार)	20 नवम्बर 2015	26 जुलाई 2017
38.	नीतीश कुमार (छठी बार)	26 जुलाई 2017	16 नवम्बर 2020
39.	नीतीश कुमार (सातवीं बार)	16 नवम्बर 2020	09 अगस्त 2022
40.	नीतीश कुमार (आठवीं बार)	10 अगस्त 2022	अभी पद पर हैं...

- ब्रिटिश शासन में बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री – मोहम्मद यूनुस (1937)
- स्वतंत्र बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री – श्रीकृष्ण सिंह
- बिहार के प्रथम हरिजन मुख्यमंत्री – भोला पासवान शास्त्री
- बिहार के प्रथम निर्दलीय मुख्यमंत्री – महामाया प्रसाद सिन्हा
- बिहार के प्रथम मुस्लिम मुख्यमंत्री – अब्दुल गफूर
- बिहार की प्रथम महिला मुख्यमंत्री – श्रीमती राबड़ी देवी
- बिहार के सर्वाधिक कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री – श्री नीतीश कुमार

स्थानीय स्वशासन

पंचायती राजव्यवस्था

- स्वतंत्रता उपरांत ही 1947 ई० में बिहार में पंचायती राज व्यवस्था के संबंध में अधिनियम बनाया गया।
- **73वें संविधान संशोधन** के बाद बिहार सरकार ने **बिहार पंचायती राज अधिनियम, 1992** लागू किया गया।
- बलवंत राय मेहता की सिफारिश के अनुरूप त्रि-स्तरीय व्यवस्था 2001 ई. से कार्यरत हुआ।
- पंचायती राज व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाने के लिए **बिहार पंचायत राज अधिनिम, 2006** लागू किया गया।
- बिहार पंचायत राज अधिनियम, 2006 के मुख्य प्रावधान निम्नलिखित हैं–
  - → पंचायती राज के तीन स्तर – **(i) ग्राम पंचायत (ii) पंचायत समिति (iii) जिला परिषद्** होंगे।
  - → **महिलाओं** के लिए सभी स्तरों पर **50 प्रतिशत आरक्षण होगा।**

→ **पिछड़े वर्ग** को सभी स्तरों एवं पदों पर **अधिकतम 20 प्रतिशत आरक्षण** होगा।

→ **अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति** वर्ग को सभी स्तरों पर **जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण** प्राप्त होगा।

→ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़े वर्ग का सभी स्तरों एवं पदों पर कुल **आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक नहीं** होगा।

→ पंचायती राज के निर्वाचित पद धारकों को लोक सेवक का दर्जा प्राप्त होगा।

→ पंचायती राज का **चुनाव राज्य निर्वाचन आयोग** के अधीन होगा।

◈ बिहार पंचायत राज अधिनियम 2006 के अधीन ग्राम सभा, ग्राम पंचायत, पंचायत समिति एवं जिला परिषद् की संरचना एवं विशेषताएँ–

✪ ग्राम सभा –

◈ यह पंचायती राज के अधीन **सबसे बड़ी सभा** होती है। ग्राम सभा में **गाँव के सभी मतदाता सदस्य होते हैं।**

◈ ग्राम सभा की बैठक के लिए **दो बैठकों** के बीच का अन्तराल **तीन माह से अधिक का नहीं होगा।** एक वर्ष में चार बैठक अनिवार्य है।

◈ ग्राम सभा के बैठक का आयोजन मुखिया द्वारा कराया जाता है। ग्राम सभा का **कोरम (गणपूर्ति)** कुल सदस्यों का **1/20** होता है।

◈ ग्राम सभा की प्रत्येक बैठक की **अध्यक्षता** संबद्ध ग्राम पंचायत के **मुखिया** द्वारा की जाती है तथा उनकी **अनुपस्थिति में उप-मुखिया** द्वारा।

◈ ग्राम सभा का मुख्य कृत्य/कार्य विकासात्मक कार्यों में सहयोग करना, लाभूकों की पहचान करना, अंशदान देना, सौहार्द्र बढ़ाना तथा निगरानी समिति द्वारा कार्यों का पर्यवेक्षण करना है।

✪ ग्राम पंचायत–

◈ निर्वाचित **मुखिया, उप-मुखिया** एवं वार्ड सदस्यों को मिलाकर 7000 की जनसंख्या पर एक **ग्राम पंचायत** का गठन होता है।

◈ ग्राम पंचायत का **कार्यकाल 5** वर्षों का होता है। ग्राम पंचायत का चुनाव उसके विघटन के छः माह के अंदर पूरा कर लिया जायेगा।

◈ **मुखिया** – इनका चुनाव **प्रत्यक्ष मतदान** द्वारा होता है।

◈ **उप-मुखिया**– इनका चुनाव वार्ड सदस्यों के बहुमत द्वारा **अप्रत्यक्ष** चुनाव से होता है। बहुमत बराबर होने की स्थिति में परिणाम लौटरी द्वारा होता है।

◈ **वार्ड सदस्य**– प्रत्येक वार्ड के लिए एक वार्ड का चुनाव **प्रत्यक्ष मतदान** द्वारा होता है। प्रत्येक 500 जनसंख्या पर एक वार्ड सदस्य का निर्वाचन होता है।

- मुखिया एवं उप-मुखिया अपना त्यागपत्र जिला पंचायती राज पदाधिकारी को स्वयं लिखकर दे सकता है।
- वार्ड सदस्य अपना त्यागपत्र स्वयं लिखकर मुखिया को दे सकता है। जिसके सात दिन बाद उसका पद रिक्त हो जाएगा।
- ग्राम पंचायत की बैठक के लिए गणपूर्ति सदस्यों की कुल संख्या की आधी (½) होगी।

ग्राम कचहरी-

- प्रत्येक ग्राम पंचायत क्षेत्र में न्यायिक कृत्यों के लिए एक ग्राम कचहरी होती है।
- ग्राम कचहरी का प्रधान सरपंच होता है जो प्रत्यक्ष मतदान द्वारा निर्वाचित होता है।
- ग्राम पंचायत के सभी वार्ड से एक पंच सदस्य प्रत्यक्ष मतदान द्वारा निर्वाचित होता है।
- निर्वाचित पंच सदस्य एवं सरपंच अपने में से एक उप-सरपंच का चुनाव अप्रत्यक्ष मतदान द्वारा करते हैं।
- प्रत्येक ग्राम कचहरी की सहायता के लिए एक सचिव एवं न्यायमित्र की नियुक्ति की जाती है।
- सरपंच एवं उप-सरपंच अपना त्यागपत्र जिला पंचायती राज पदाधिकारी को स्वलिखित आवेदन देकर देते हैं।
- ग्राम कचहरी का कोई पंच अपना त्यागपत्र स्वलिखित आवेदन द्वारा सरपंच को देता है।

पंचायत समिति

- प्रखण्ड स्तर पर पंचायत समिति होती है। प्रत्येक 5000 की जनसंख्या पर एक पंचायत समिति सदस्य का निर्वाचन होता है।
- पंचायत समिति सदस्यों का निर्वाचन प्रत्यक्ष मतदान द्वारा होता है।
- पंचायत समिति सदस्य निर्वाचन उपरांत अपने सदस्यों में से प्रमुख एवं उप-प्रमुख का चुनाव करते हैं।
- प्रमुख एवं उप-प्रमुख का चुनाव पंचायत समिति सदस्यों द्वारा अप्रत्यक्ष मतदान द्वारा किया जाता है।
- प्रमुख पंचायत समिति के बैठक की अध्यक्षता करते हैं।
- प्रमुख अपना त्यागपत्र लिखित रूप में अनुमंडल दंडाधिकारी को देता है। उप-प्रमुख अपना त्यागपत्र स्वलिखित रूप में प्रमुख को देता है। पंचायत समिति का सदस्य अपना त्यागपत्र स्वलिखित रूप में प्रमुख को देता है।

✪ जिला परिषद्

- ◈ जिला स्तर पर **जिला परिषद्** होती है। जिला परिषद् ग्राम पंचायतों एवं पंचायत समितियों के लिए **नीति निर्धारण एवं मार्गदर्शन** का काम करती है।
- ◈ **जिला परिषद के सदस्य** लगभग 50,000 की जनसंख्या पर **प्रत्यक्ष मतदान** द्वारा चुने जाते हैं।
- ◈ जिला परिषद् के निर्वाचित सदस्य अपने में से एक **अध्यक्ष** एवं **एक उपाध्यक्ष** का चुनाव **अप्रत्यक्ष मतदान** द्वारा करते हैं।
- ◈ **अध्यक्ष** अपना **त्यागपत्र** स्वलिखित रूप में **जिला दंडाधिकारी को देता** है तथा **उपाध्यक्ष** अपना **त्यागपत्र** स्वलिखित रूप में **अध्यक्ष को** देता है।
- ◈ **जिला परिषद् सदस्य** अपना **त्यागपत्र अध्यक्ष** को देता है।

✪ पंचायती राज के सभी जन प्रतिनिधियों के निर्वाचन एवं त्यागपत्र की विधि-

जन प्रतिनिधि	निर्वाचन	त्यागपत्र
मुखिया	प्रत्यक्ष	जिला पंचायती राज पदाधिकारी
उप-मुखिया	अप्रत्यक्ष	जिला पंचायती राज पदाधिकारी
वार्ड सदस्य	प्रत्यक्ष	मुखिया
प्रमुख	अप्रत्यक्ष	अनुमंडल दंडाधिकारी
उप-प्रमुख	अप्रत्यक्ष	प्रमुख
पंचायत समिति सदस्य	प्रत्यक्ष	प्रमुख
जिला परिषद् अध्यक्ष	अप्रत्यक्ष	जिला दंडाधिकारी
जिला परिषद् उपाध्यक्ष	अप्रत्यक्ष	जिला परिषद् अध्यक्ष
जिला परिषद् सदस्य	प्रत्यक्ष	जिला परिषद् अध्यक्ष
सरपंच	प्रत्यक्ष	जिला पंचायती राज पदाधिकारी
उप-सरपंच	अप्रत्यक्ष	जिला पंचायती राज पदाधिकारी
पंच	प्रत्यक्ष	सरपंच

✪ नगरीय प्रशासन

- ◈ **नगरीय क्षेत्र** में स्थानीय सुविधाओं के उद्देश्य से **नगरपालिका का गठन** किया गया है।
- ◈ **74वें संविधान संशोधन 1992** के द्वारा बिहार में नगर निगम, नगर परिषद् और नगर पंचायत के लिए बिहार नगरपालिका अधिनियम लागू किया गया।
- ◈ **बिहार नगर पालिका अधिनियम 2007** में शहरी स्वशासन की त्रि-स्तरीय संरचना नगर पंचायत, नगर परिषद् एवं नगर निगम का प्रावधान किया गया।
- ◈ नगर निकायों में प्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा पांच वर्षों के लिए सदस्यों का चयन किया जाता है। इसमें भी पंचायती राज के प्रावधानों के अनुरूप आरक्षण की व्यवस्था की गई है।



- वर्तमान में बिहार में कुल नगर निकायों की **संख्या 261** है।
- नगर निगम – 19
- नगर परिषद् – 88
- नगर पंचायत – 154

बिहार में न्यायपालिका

- राज्य की न्यायिक व्यवस्था में उच्च न्यायालय पटना, का स्थान शीर्ष पर है। पटना उच्च न्यायालय का गठन भारत सरकार अधिनियम 1909 के अंतर्गत 3 फरवरी 1916 ई० को किया गया था।
- इसके प्रथम मुख्य न्यायाधीश **सर एडवर्ड मेनार्ड डेस चैम्प्स केमियर** थे।
- उच्च न्यायालय पटना में मुख्य न्यायाधीश सहित 29 न्यायाधीश हैं तथा 14 अतिरिक्त न्यायाधीश हैं।
- बिहार के न्यायिक व्यवस्था में जिला एवं अनुमंडल स्तर पर अधीनस्थ न्यायालय है।

प्रशासनिक व्यवस्था

- प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए राज्य को प्रशासनिक रूप से विभाजित किया गया है।

प्रशासनिक इकाई	प्रशासनिक उच्च पदाधिकारीरी
राज्य	मुख्य सचिव (CS)
प्रमण्डल	आयुक्त (Commissioner)
जिला	जिला पदाधिकारी (DM)
अनुमंडल	अनुमंडल पदाधिकारी (SDO)
प्रखण्ड/अंचल	प्रखण्ड विकास पदाधिकारी (BDO) / अंचल पदाधिकारी (CO)

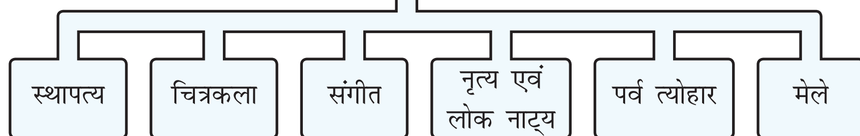
- प्रशासनिक दृष्टि से **राज्य का प्रशासनिक प्रधान मुख्य सचिव** होता है। मुख्य सचिव सचिवालय का प्रधान होता है। मुख्य सचिव का समस्त विभागों पर नियंत्रण होता है।
- मुख्य सचिव मुख्यमंत्री का प्रधान सलाहकार होता है। मुख्य सचिव मंत्रिमंडल का भी सचिव होता है। वह मंत्रिमंडल की बैठकों का प्रबंधन करता है।



कला एवं संस्कृति

08

- किसी भी क्षेत्र के सांस्कृतिक जीवन की पहचान में बौद्धिक विरासत के साथ-साथ **कला, पर्व-त्योहार, मेले, उत्सव** तथा **लोगों के रहन-सहन** का भी महत्वपूर्ण स्थान होता है।
- कलात्मक दृष्टि से बिहार का इतिहास काफी बहु-आयामी तथा समृद्ध रहा है।
- बिहार के कला के इतिहास में **स्थापत्य, मूर्त्ति, चित्र** का अद्भूत सम्मिश्रण रहा है। आधुनिक काल में यह परंपरा **संगीत, नृत्य, पर्व-त्योहार** आदि के रूप में और अधिक विकसित हुई है।



स्थापत्य कला

- **मौर्यकाल**- बिहार में कला परंपरा के **स्थायी प्रमाण मौर्य काल से** प्राप्त होते हैं। मौर्य काल के दौरान बने **राज प्रसाद, स्तंभ, स्तूप** एवं **गुफा** स्थापत्य कला के प्रमुख रूप हैं।
- पटना के **कुम्हरार से चन्द्रगुप्त मौर्य के राजप्रासाद** के अवशेष मिले हैं। यहां से एक विशाल कक्ष का अवशेष मिला है जिसमें अस्सी स्तंभ थे। ये गोलाकार स्तंभ एकाश्म पत्थर के बने थे। संभवतः यह महल पत्थर के स्तंभ पर **लकड़ी से निर्मित** था।
- अशोक ने धर्म प्रचार के लिए एकाश्म पत्थर के स्तंभों का निर्माण करवाया था। इन स्तंभों के शीर्ष पर पशुओं की आकृति है जो उल्टे कमल के फूल पर स्थित हैं।
- बिहार में ये **स्तंभ लौरिया नंदनगढ़** (पश्चिम चम्पारण), **लौरिया अरेराज** (पूर्वी चम्पारण), **रामपुरवा** (पूर्वी चम्पारण) और **बसाढ़** (वैशाली) से प्राप्त हुए हैं।
- ये एकाश्म स्तंभ चुनार के धूसर बालू के पत्थर से निर्मित हैं। इन पर सुन्दरता के लिए चमकीली पॉलिश का प्रयोग किया गया है।

- आजीवक संप्रदाय के अनुयायियों के लिए अशोक एवं उसके पौत्र दशरथ ने **बराबर एवं नागार्जुन की पहाड़ी** में गुफाओं का निर्माण करवाया था। गुफाओं के भीतरी भाग पर चमकीली पॉलिश का उपयोग इसकी प्रमुख विशेषता है।
- मौर्य काल के मूर्त्ति के अवशेष पटना एवं उसके आस-पास से प्राप्त हुए हैं। पटना से यक्ष की दो मूर्त्तियाँ प्राप्त हुई हैं। ये हल्के भूरे रंग के बालू के पत्थर से निर्मित हैं।
- पटना के **लोहानीपुर** से पुरूषों के नग्न रूप की दो मूर्त्तियाँ प्राप्त हुई हैं। संभवतः ये जैन तीर्थंकरों की मूर्त्तियाँ है। इनका निर्माण जैन शैली में **कायोत्सर्ग मुद्रा** में हुआ है।
- पटना सिटी के **दीदारगंज** से एक स्त्री की मूर्त्ति मिली है जिसे **यक्षी** या **स्त्रीरत्न** का नाम दिया गया है। भूरे रंग के बालू पत्थर से बनी यह मूर्त्ति नारी के शारीरिक सौंदर्य को सूक्ष्म रूप से प्रदर्शित करती है।
- **पाल काल**- पाल काल के दौरान **स्थापत्य** एवं **मूर्त्तिकला** के कला रूप के अवशेष मिले हैं।
- **ओदंतपुरी** एवं **विक्रमशिला महाविहार** पाल कला के स्थापत्य के प्रमुख उदाहरण है। इनका निर्माण ईंटों से किया गया है। **आँगन, आँगन के चारों ओर बरामदे तथा बरामदे के पीछे भिक्षुओं के निवास के लिए कमरे** इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं।
- गया में निर्मित **विष्णुपद मंदिर** पालकालीन मंदिर स्थापत्य का अत्यंत सुंदर उदाहरण है।
- पाल काल में मूर्त्तिकला में पत्थर एवं काँसे दोनों का प्रयोग हुआ। काँसे की मूर्त्ति के प्रमुख रचनाकार **धीमन एवं विठपाल** थे। ये पाल शासक धर्मपाल एवं देवपाल के समकालीन थे। काँसे से बनी ये मूर्त्तियाँ साँचे में ढली थी। इसके अनेक नमूने नालंदा एवं **कुर्क्रिहार** (गया) से प्राप्त हुए हैं।
- पाल काल के पत्थर की मूर्त्तियाँ **काले बैसाल्ट** पत्थर की बनी हुई हैं। ये पत्थर मुंगेर की पहाड़ियों से प्राप्त किये गये थे। इन मूर्त्तियों पर बौद्ध एवं हिन्दू धर्म का विशेष प्रभाव था।

✪ मध्यकालीन स्थापत्य -

- तुर्ककाल की सबसे महत्वपूर्ण इमारत **बिहार शरीफ स्थित मलिक इब्राहिम या मलिक बया का मकबरा** है। इसका निर्माण 1353 ई. में हुआ था। इस पर **तुगलक शैली** का प्रभाव था।
- **अफगान शैली** का सर्वश्रेष्ठ नमूना **शेरशाह का मकबरा** है। इसका निर्माण **सासाराम** में **1545 ई.** के मध्य हुआ था। झील के मध्य **अष्टकोणीय** आकार का यह मकबरा एक चबूतरे पर बना है जिसके चारों तरफ सीढ़ियाँ हैं। इसकी छत एक वृहत गुंबद है। इसके अतिरिक्त सासाराम में **हसन खाँ एवं इस्लाम शाह का भी मकबरा** है।

- **मुगल शैली** की इमारत का बिहार में सबसे सुंदर उदाहरण 1617 ई. में निर्मित **शाह दौलत का मनेर स्थित मकबरा** है। इसे जहाँगीर के शासनकाल में बिहार के प्रांतपति **इब्राहिम खाँ काकर** ने बनवाया था। इसका निर्माण लाल बलुआ पत्थर से हुआ है। सुंदर जालियाँ, ऊँचा चबूतरा और भव्य गुंबद इसके मुख्य आकर्षण हैं।

यूरोपीय स्थापत्य

- गोथिक शैली में पटना समाहरणालय, पटना कॉलेज भवन तथा बाँकीपुर चर्च एवं पटना सिटी स्थित पादरी की हवेली प्रमुख उदाहरण हैं। इस पर हॉलैण्ड शैली का प्रभाव था।
- **नवीन यूरोपीय शैली** में **पटना का राजभवन, पटना सचिवालय** एवं **उच्च न्यायालय** का निर्माण करवाया गया।
- **गोलघर** यूरोपीय निर्माण कला के गुबंद कला का प्रमुख नमूना है।
- **हिन्द-इस्लामी** शैली में **पटना संग्रहालय** और **सुल्तान पैलेस** का निर्माण कराया गया।

चित्रकला

- **पटना कलम** – अठारहवीं शताब्दी में पटना में **मुगल शैली, ब्रिटिश शैली** एवं **स्थानीय कला शैली** के सम्मिश्रण से एक नवीन चित्रकला शैली का उद्‌भव हुआ जिसे पटना कलम शैली का नाम दिया गया। इस कला शैली की प्रमुख विशेषता **लघु चित्रों** का निर्माण था। इनका **निर्माण कागज तथा हाथी दाँत** पर किया जाता था। इसमें मुगलों की भव्यता की जगह **सामान्य पर्व-त्योहार, उत्सव, जीव-जन्तु** एवं **सामान्य जीवन के चित्रों** को प्रधानता दी गई थी।
- **मधुबनी चित्रकला** – मिथिला क्षेत्र की महिलाओं द्वारा इस कला रूप को प्रचलित किया गया। इसके **प्रमुख रूप भित्ति चित्र एवं अरिपन** हैं। **प्राकृतिक रंगों** पर निर्भर इस चित्रकला में **धार्मिक एवं वनस्पति चित्रों की प्रधानता** है। यह बिहार की प्रमुख प्रचलित चित्रकला है।
- **मंजूषा चित्रकला** – यह कला बिहार के **भागलपुर** एवं उसके आस-पास **अंग प्रदेश** में प्रचलित है। यह स्थानीय लोक कला है जिसमें लोकगाथा को चित्रण द्वारा प्रस्तुत किया जाता है। इसमें **कहानी को क्रमिक एवं श्रृंखलाबद्ध** रूप में चित्रित किया जाता है। यह **कला बिहुला-विषहरी की लोकगाथा** पर आधारित है।
- **थंका चित्रकला** – गौतम बुद्ध के जीवन एवं उनकी शिक्षाओं से संबंधित चित्रकला को थंका चित्रकला कहा जाता है। थंका तिब्बती भाषा का शब्द है इसका अर्थ होता है 'जिसे लपेटा जा सके'। थंका चित्रकला भारतीय तिब्बती संस्कृतियों का सम्मिश्रित शैली है।
- **जादोपटिया चित्रकला** – यह संथाल जनजाती क्षेत्र के रीति रीवाजों धार्मिक मान्यताओं पर आधारित चित्रकला शैली है। जनजातियों द्वारा कपड़े या कागज पर जादोपटिया चित्रकारी की जाती है।

संगीत कला

- बिहार में उत्सवों, त्योहारों एवं शुभ अवसरों पर स्थानीय संगीत का प्रचलन रहा है।
- **चैता**- चैत माह में गाया जाने वाला लोकगीत है।
- **फाग**- फाल्गुन माह में होली के अवसर पर गाया जाने वाला लोकगीत है।
- **कजरी**- यह सावन के समय युवक-युवतियों द्वारा गाया जाने वाला लोकगीत है।
- **बारहमासा**- इसमें वर्ष के प्रत्येक माह की विशेषताओं का गीत द्वारा वर्णन किया जाता है।
- **जांतसारी**- यह महिलाओं द्वारा चक्की अथवा जांता का उपयोग करते समय गाया जाने वाला लोकगीत है।
- **नचारी**- यह भगवान शिव की स्तुति में गाया जाता है। यह प्रख्यात कवि विद्यापति के गीतों का संकलन है।
- **सोहर**- शिशुओं के जन्म पर महिलाओं द्वारा गाया जाता है।
- **सुमंगली/लगनी** -विवाह के शुभ अवसर पर महिलाओं द्वारा गाया जाता है।
- **बटोहिया**- यह देश-भक्ति से भरा गीत है। यह गीत **श्री रघुवीर नारायण** की रचना है।
- **फिरंगिया**- यह देश भक्ति से भरा गीत है। इसका प्रचलन स्वतंत्रता आंदोलन के समय बहुत अधिक था।
- **पूरबी**- इसमें बिरहिनियाँ अपनी दयनीय स्थिति का वर्णन गीत द्वारा करती है।

लोक नृत्य एवं लोक-नाट्य

- **जोगीड़ा नृत्य**- होली के अवसर पर गाँव की टोली द्वारा गीत एवं नृत्य किया जाता है।
- **लौंडा नृत्य**- शुभ अवसरों एवं त्योहारों में पुरुष द्वारा स्त्री का रूप धारण कर नृत्य किया जाता है।
- **करिया झूमर नृत्य**- यह मिथिला क्षेत्र में प्रचलित स्थानीय नृत्य है। इसमें लड़कियाँ समूह में गाती और नृत्य करती हैं।
- **झिझिया नृत्य**- यह नृत्य ग्रामीण लड़कियों एवं महिलाओं द्वारा किया जाता है। इसमें मुख्य लड़की अपने सर पर छिद्र वाला घड़ा रखती है तथा उसके अंदर दीप जलाकर नृत्य करती है।
- **सामा चकेवा**- कार्तिक माह में लड़कियों एवं महिलाओं द्वारा नाट्य के रूप में किया जाता है। यह बहन-भाई से संबंधित नाट्य है।

- **डोमकच–** यह विवाह के अवसर पर बरात चले जाने के बाद घर की महिलाओं द्वारा किया जाता है। यह हास्य–परिहास से संबंधित नाट्य होता है।
- **जट–जटिन–** इसमें नाट्य द्वारा जट–जटिन के वैवाहिक जीवन का प्रदर्शन किया जाता है।
- **विदेशिया–** इसमें पुरुष तथा पुरुष द्वारा महिला रूप धारण कर नाट्य प्रस्तुत किया जाता है। यह लौंडा नृत्य का नाट्य रूप होता है। विदेशिया भिखारी ठाकुर की कृति है।

पर्व त्योहार

- **वसंत पंचमी** – बिहार में माघ शुक्ल पंचमी को वसंत पंचमी मनाया जाता है। यह छात्रों के बीच **सरस्वती पूजा** के रूप में अधिक लोकप्रिय है।
- **रामनवमी–** भगवान राम के जन्मोत्सव पर चैत्र मास में शुक्ल पक्ष के नवमी को रामनवमी मनाया जाता है। इस अवसर पर रामायण का पाठ किया जाता है एवं झाँकी निकाली जाती है।
- **होली–** फाल्गुन माह की पूर्णिमा को यह त्योहार बड़ी धूम–धाम से रंग–गुलाल के साथ मनाया जाता है।
- **शिवरात्रि–** भगवान शिव एवं माता पार्वती के विवाह के अवसर पर यह मनाया जाता है।
- **रक्षाबंधन–** श्रावण माह की पूर्णिमा को यह त्योहार मनाया जाता है। इसमें बहन भाई की कलाई पर राखी बाँधती है तथा अपने रक्षा का वचन लेती है।
- **तीज–** यह व्रत सुहागन महिलायें अपने पति की लम्बी उम्र के लिए करती है। इसमें महिलायें कठोर उपवास करती हैं।
- **जन्माष्टमी–** भगवान श्री कृष्ण के जन्म के अवसर पर यह त्योहार भाद्र मास की अष्टमी को मनाया जाता है।
- **विजयदशमी–** आश्विन माह की दशवीं तिथि को बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में इसे मनाया जाता है। इस दिन **रावण का पुतला दहन** किया जाता है।
- **दीपावली–** कार्तिक माह के अमावस्या को यह त्योहार मनाया जाता है। यह भगवान राम द्वारा रावण का वध कर **अयोध्या लौटने के उपलक्ष्य** में मनाया जाता है।
- **गोवर्धन पूजा–** दीपावली के अगले दिवस पर यह त्योहार मनाया जाता है। इस दिन घर में गाय, बैल आदि पशुओं की पूजा की जाती है।
- **छठ पूजा–** यह **बिहार का सबसे प्रमुख त्योहार** है। कार्तिक मास की पाँचवीं एवं छठी तिथि को यह त्योहार मनाया जाता है। इस अवसर पर व्रती उपवास में रहकर **सूर्य एवं जल** की पूजा करते हैं।

- **गुरुगोविन्द सिंह जयंती–** सिखों के दशवें गुरु श्री गुरु गोविन्द सिंह के जन्मदिवस पर शोभा यात्रा निकाल कर इसे मनाया जाता है। गुरु गोविन्द सिंह का जन्म स्थान पटना, बिहार है।
- **महावीर जयंती–** जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के जन्म के अवसर पर चैत्र माह में मनाया जाता है।
- **बुद्ध जयंती–** बैशाख पूर्णिमा को भगवान बुद्ध के जन्म के अवसर पर बुद्ध जयंती मनाई जाती है।

मेले

- **हरिहर क्षेत्र मेला**– **एशिया का सबसे बड़ा पशु मेला सोनपुर** में गंडक नदी के किनारे आयोजित होता है। स्थानीय स्तर पर यह सोनपुर मेला के नाम से प्रसिद्ध है।
- **कार्त्तिक-पूर्णिमा मेला**– यह कार्त्तिक पूर्णिमा के दिन **सोनपुर में गंगा स्नान** के रूप में लगता है। इस दिन लोग गंगा स्नान कर हरिहर नाथ की पूजा करते है। इसी दिन से सोनपुर मेला एक मास के लिए प्रारंभ होता है।
- **वैशाली का मेला–** महावीर की जन्मस्थली में चैत्र मास में वैशाली मेले का आयोजन किया जाता है।
- **जानकी मेला**– सीतामढ़ी में सीता माता की जन्मस्थली पर चैत्र मास में जानकी मेला का आयोजन किया जाता है।
- **सौराठ मेला– मिथिलांचल (मधुबनी)** में शादी-विवाह को सुगम बनाने के लिए इस मेले का आयोजन किया जाता है। यह मेला प्रति वर्ष ज्येष्ठ या अषाढ़ माह में लगता है। इसमें पिता अपनी पुत्री के लिए योग्य वर को चुनते हैं।
- **पितृपक्ष मेला–** प्रत्येक वर्ष सितंबर-अक्टूबर माह में इसका आयोजन किया जाता है। इस मेले में हिन्दू धर्म के लोग अपने पूर्वजों के मोक्ष के लिए फल्गु नदी के तट पर पिंडदान करते हैं।
- **मंदार मेला–** बांका जिले में मंदार पहाड़ी पर प्रत्येक वर्ष मकर संक्रांति के अवसर पर मंदार मेला लगता है।
- **मलमास मेला–** राजगीर में मलमास माह में लाखों भक्त गर्म पानी के झरने में स्नान करने एवं पूजा करने आते हैं।





बिहार के प्रमुख व्यक्तित्व 09

प्राचीन काल

- **गौतम बुद्ध** – बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध थे। उनका **जन्म 563 ई. पू.** में हुआ। वे **शाक्य कुल** के क्षत्रिय थे। उन्हें ज्ञान की प्राप्ति बोधगया में निरंजना नदी (फल्गु नदी) के तट पर **बोधि वृक्ष** के नीचे हुआ। उनको 483 ई. पू. में कुशीनगर में महापरिनिर्वाण की प्राप्ति हुई। उन्होंने मध्यम मार्ग का प्रतिपादन किया।

- **महावीर स्वामी** – महावीर स्वामी का जन्म **540 ई. पू.** में वैशाली के कुण्डग्राम में हुआ था। उनका संबंध **ज्ञातृक कुल** से था। वे जैन धर्म के 24वें एवं अंतिम तीर्थंकर थे। उन्हें 12 वर्षों की कठोर तपस्या के पश्चात् जृम्भिक ग्राम में ऋजुपालिका नदी के तट पर शाल वृक्ष के नीचे कैवल्य (ज्ञान) की प्राप्ति हुई। उन्हें 468 ई. पू. में पावापुरी में मोक्ष की प्राप्ति हुई।

- **चन्द्रगुप्त मौर्य** – चाणक्य की सहायता से नंद वंश को समाप्त कर 321 ई. पू. में चन्द्रगुप्त मौर्य ने मौर्य वंश की स्थापना की। उन्हें प्रथम बार भारत के विशाल साम्राज्य को संगठित रूप प्रदान किया।

- **चाणक्य (कौटिल्य)** – चन्द्रगुप्त मौर्य के राजनीतिक गुरू एवं प्रधानमंत्री चाणक्य थे। उन्होंने राजनीतिक एवं प्रशासनिक विषय पर आधारित अर्थशास्त्र की रचना की।

- **अशोक** – मौर्य वंश का सबसे महान शासक अशोक चन्द्रगुप्त मौर्य का पौत्र एवं बिन्दुसार का पुत्र था। अशोक अपने शांति, सद्भाव, जनकल्याणकारी शासन के लिए प्रसिद्ध था। अशोक ने बौद्ध धर्म को स्वीकार किया तथा उसके प्रसार के लिए स्तंभ/शिलालेखों का प्रयोग किया।

- **आर्यभट्ट** – आर्यभट्ट गुप्तकाल के प्रसिद्ध गणितज्ञ एवं खगोलशास्त्री थे। उन्होंने बीजगणित की प्रारम्भिक आधारशिला रखी। उन्होंने आर्यभट्टीयम एवं आर्य सिद्धांत की रचना की। उन्होंने दशमलव एवं शून्य का अविष्कार किया था।

- **याज्ञवल्क्य** – याज्ञवल्क्य विदेह (मिथिला) के राजा जनक के समकालीन थे। उन्होंने शतपथ ब्राह्मण, याज्ञवल्क्य स्मृति आदि की रचना की।

- **पाणिनी** – पाटलिपुत्र निवासी पाणिनी ने प्रसिद्ध संस्कृत व्याकरण 'अष्टाध्यायी' की रचना की।
- **जीवक** – जीवक बिम्बिसार के समकालीन थे। वे एक प्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य थे। जीवक ने महात्मा बुद्ध एवं उज्जैन के राजा प्रद्योत का उपचार किया था।
- **अश्वघोष** – अश्वघोष बौद्ध महाकवि एवं दार्शनिक थे। वे कनिष्क के समकालीन थे। उनकी प्रसिद्ध रचना है 'बुद्धचरितम्'।
- **बाणभट्ट**– बाणभट्ट हर्षवर्द्धन के समकालीन थे। उन्होंने हर्षचरित एवं कादम्बरी की रचना की। कादम्बरी विश्व का सबसे प्राचीन उपन्यास है।
- **दीपांकर श्रीज्ञान** – दीपांकर श्रीज्ञान विक्रमशिला विश्वविद्यालय के प्रसिद्ध आचार्य थे। उन्हें तिब्बत शासक के निमंत्रण पर तिब्बत भेजा गया था। वे बौद्ध धर्म के प्रमुख ज्ञाता रहे थे।
- **मंडन मिश्र** – मंडन मिश्र मिथिला क्षेत्र के प्रसिद्ध विद्वान एवं दार्शनिक थे। उन्होंने शंकराचार्य के साथ शास्त्रार्थ किया था।

मध्य काल

- **मखदूम शर्फुद्दीन याह्या मनेरी** – वे चौदहवीं शदी में बिहार के प्रसिद्ध सूफी संत थे। उन्होंने फिरदौसी सम्प्रदाय का बिहार में प्रसार-प्रचार किया।
- **शेरशाह**– भारत का सर्वश्रेष्ठ अफगान शासक जिसनें मुगल सत्ता को समाप्त कर शूर वंश की स्थापना की। शेरशाह को उसके **प्रशासनिक सुधारों** के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। शेरशाह ने जणकल्याण के लिए कृषि, संचार, यातायात आदि में व्यापक सुधार किये।
- **विद्यापति** – विद्यापति बिहार के दरभंगा के प्रसिद्ध श्रृंगार रस के कवि थे। उनकी मैथिली और संस्कृत की रचनाएँ काफी प्रसिद्ध है। उनकी प्रमुख संस्कृत रचनाओं में पुराण संग्रह, विभासागर, गंगा काव्यावली प्रमुख है। उन्हें '**मैथिल कवि कोकिल**' भी कहा जाता है।
- **गुरु गोविन्द सिंह**– सिक्ख धर्म के दशवें गुरु जिनका जन्म 1666 ई. में पटना में हुआ। उन्होंने सिक्खों के लिए **पंच ककार केश, कंघा, कड़ा, कृपाण** और **कच्छा** को अनिवार्य किया था। 1708 ई. में नादेड़ में एक अफगानी द्वारा उनकी हत्या कर दी गई थी।

आधुनिक काल

- **पीर अली** – पटना सिटी के पुस्तक विक्रेता जिसने पटना में 1857 की क्रांति का बिगुल फूंका। अंग्रेजों से संघर्ष के पश्चात् उन्हें फांसी की सजा दे दी गई।
- **वीर कुँवर सिंह**– जगदीशपुर के जमींदार जिसने 1857 की क्रांति में बिहार का नेतृत्व किया। 75 वर्ष की आयु में भी उन्होंने एक वर्ष तक अंग्रेजों से संघर्ष कर कठिन चुनौती दी।
- **डॉ० सच्चिदानन्द सिन्हा**– पृथक बिहार के निर्माता के रूप में इन्हें जाना जाता है। वे संविधान सभा के प्रथम अध्यक्ष (अस्थायी) थे।
- **मौलाना मजहरूल हक** – बिहार के मुस्लिम स्वतंत्रता सेनानियों में सबसे अग्रणी थे। उन्होंने असहयोग एवं खिलाफत आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने पटना में 1920 ई. में सदाकत आश्रम की स्थापना की। गाँधी जी उन्हें **देशभूषण** कहते थे।
- **डॉ० राजेन्द्र प्रसाद** – स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे। उनका जन्म 3 दिसंबर 1884 ई. को सीवान के जीरादेई में हुआ था। वे 1906 में बिहारी छात्र सम्मेलन से सक्रिय भूमिका में आये। वे चम्पारण सत्याग्रह, असहयोग आंदोलन से भारत छोड़ो आंदोलन तक सक्रिय रहे। संविधान सभा के वे स्थायी अध्यक्ष बने।
- **हसन इमाम** – पटना के निवासी हसन इमाम पेशे से बैरिस्टर थे। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में खिलाफत आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। बिहार में उन्होंने साइमन कमीशन के विरोध का नेतृत्व किया।
- **भिखारी ठाकुर** – भिखारी ठाकुर का जन्म 1887 ई० में सारण के कुतुबपुर में हुआ था। वे भोजपुरी के लोक गायक, लोक कलाकार थे। उन्हें **भोजपुरी का शेक्सपीयर** कहा जाता है। 'विदेशिया' इनकी सबसे प्रसिद्ध कृति थी।
- **सर सुल्तान अहमद** – वे पटना विश्वविद्यालय के प्रथम भारतीय कुलपति थे। वे 1937 ई० में वायसराय की कार्यकारी परिषद् के सदस्य बने। 1941 ई० में वे भारत सरकार में विधि सदस्य नियुक्त हुए।
- **सत्येन्द्र प्रसन्न सिन्हा** – बिहार के प्रथम भारतीय गर्वनर बने। उन्होंने असहयोग आंदोलन के दौरान 1921 ई० में बिहार-उड़ीसा के गर्वनर पद से इस्तीफा दे दिया।
- **राजकुमार शुक्ल** – चम्पारण के प्रसिद्ध किसान नेता थे जिन्होंने किसानों की दुर्दशा के प्रति काँग्रेस एवं गाँधी जी का ध्यान खींचा।

- **मोहम्मद यूनुस** – 1937 के चुनाव पश्चात बिहार के प्रथम प्रधानमंत्री (मुख्यमंत्री) का पद ग्रहण किया।

- **डॉ० श्री कृष्ण सिंह** – इनका जन्म 1887 ई० में नवादा के खनवा में हुआ लेकिन इनका पैतृक गाँव शेखपुरा के बरबीघा में था। बिहार के सक्रिय स्वतंत्रता सेनानी रहे जो स्वतंत्र बिहार के पहले मुख्यमंत्री बने। श्री कृष्ण सिंह को **'बिहार केसरी'** के नाम से भी जाना जाता है।

- **रामधारी सिंह दिनकर** – हिन्दी के प्रख्यात लेखक कवि एवं निबन्धकार थे। उनका जन्म 1908 ई. में बेगूसराय के सिमरिया में हुआ था। उन्हें स्वतंत्रता पूर्व **'विद्रोही कवि'** के रूप में जाना जाता था। स्वतंत्रता पश्चात् उन्हें **'राष्ट्रकवि'** के रूप में जाना जाता है। उनकी प्रमुख रचनाएं है– कुरूक्षेत्र, उर्वशी, हुंकार, रेणुका, रसवन्ती आदि।

- **फणीश्वरनाथ रेणु** – इनका जन्म 1921 ई. में अररिया जिले में फारबिसंगज के औराही में हुआ था। हिन्दी उपन्यासों में उन्हें आँचलिक लेखक के रूप में जाना जाता है। उनकी प्रमुख रचना है **'मैला आँचल'**।

- **अनुग्रह नारायण सिन्हा** – इनका जन्म 1887 ई. में **औरंगाबाद के पोईअवा** में हुआ था। उन्होंने 1917 के चम्पारण सत्याग्रह में गाँधी जी का साथ दिया। स्वतंत्रता पश्चात् उन्होंने बिहार सरकार में मंत्री का पद संभाला। उन्हें **बिहार विभूति** की संज्ञा दी जाती है।

- **जयप्रकाश नारायण**– इनका जन्म 1902 ई. में बिहार के **सारण के सिताब दियारा** गाँव में हुआ था। **लोकनायक** के नाम से प्रसिद्ध जयप्रकाश नारायण का राजनीतिक जीवन सविनय अवज्ञा आंदोलन से प्रारंभ हुआ। उन्होंने 1942 की क्रांति में विशेष भूमिका निभाई। उन्होंने **आजाद दस्ता** का गठन किया। स्वतंत्रता पश्चात् **1975 ई.** में उन्होंने **सम्पूर्ण क्रांति** का नेतृत्व किया। 1965 ई. में उन्हें मैग्सेसे पुरस्कार दिया गया था।

- **स्वामी सहजानन्द सरस्वती** – स्वामी सहजानन्द सरस्वती को भारत के किसान आंदोलन का जनक कहा जाता है। उन्होंने सन्यासी जीवन व्यतीत करते हुए किसानों के अधिकारों के लिए संगठन का नेतृत्व किया। **1929 ई. में उन्होंने बिहार प्रांतीय किसान सभा का गठन किया।** उन्होंने **1936 ई. में भारतीय किसान सभा** की स्थापना की। उन्होंने **हुंकार** पत्रिका में अपने विचार प्रस्तुत किये।

- **कर्पूरी ठाकुर** – इनका जन्म 1924 ई. में बिहार के समस्तीपुर में हुआ था। उन्हें **'गरीबों के मसीहा'** के रूप में जाना जाता है। स्वतंत्रता पश्चात् वे बिहार के दूसरे उप–मुख्यमंत्री बने। बाद में वे 1970 ई० में मुख्यमंत्री बने।

- **राहुल सांकृत्यायन** – वे हिन्दी के प्रमुख साहित्यकार थे। इनका मूल नाम केदारनाथ पाण्डेय था। उनका जन्म 1893 ई० में उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में हुआ था। उनके ज्ञान भंडार के लिए उन्हें 'महापंडित' की उपाधि दी गई थी। उन्होंने बिहार में किसान आंदोलन में प्रमुखता से भाग लिया। उन्होंने सीवान के **अम्बारी/अन्नवारी सत्याग्रह** का नेतृत्व किया था।

- **खान बहादुर खुदाबख्श खाँ**– इनका जन्म 1842 ई० में **सीवान के उखई** में हुआ था। उन्होंने पटना के प्रसिद्ध खुदा बख्श लाइब्रेरी की स्थापना की। स्वतंत्रता पश्चात् इसे राष्ट्रीय धरोहर मानते हुए 1969 ई० में संसद द्वारा पारित प्रस्ताव के तहत इसका नियंत्रण भारत सरकार द्वारा किया जाने लगा।

- **रामवृक्ष बेनीपुरी** – इनका जन्म 1899 ई० में मुजफ्फरपुर के बेनीपुर गाँव में हुआ था। इन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई और जेल भी गये। उन्होंने **'युवक'** नामक समाचार पत्र का संपादन किया। उनकी प्रमुख रचना माटी की मूरतें, चिता के फूल, संघमित्रा, तथागत आदि हैं।

- **नागार्जुन** – इनका वास्तविक नाम वैद्यनाथ मिश्र था। इनका जन्म 1911 ई० में मधुबनी के सतलखा गाँव में हुआ था। नागार्जुन ने हिन्दी, मैथिली, संस्कृत एवं बांग्ला में अपनी मौलिक रचनाएँ लिखी। उनकी प्रसिद्ध रचनाएँ थीं– युगधारा, प्यासी-पथराई आँखे, बलचनमा, संतरंगे पंखों वाली, तालाब की मछलियाँ आदि।

- **बिस्मिल्लाह खाँ** – उस्ताद बिस्मिल्लाह खाँ का जन्म 1916 ई० में **बक्सर के डुमराँव** गाँव में हुआ था। वे शहनाई वादन के लिए विश्व प्रसिद्ध थे। उन्होंने प्रथम स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 1947) पर लाल किले में शहनाई वादन किया। 2001 ई० में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।





बिहार विशेष विविध

10

- विश्व का प्रथम लोकतांत्रिक गणराज्य – **लिच्छवी (वैशाली)**
- विश्व का प्रथम विश्वविद्यालय – **नालंदा विश्वविद्यालय**
- विश्व का प्रथम वैभवशाली नगर – **पाटलिपुत्र**
- विश्व का प्रथम खगोल वैज्ञानिक – **आर्यभट्ट**
- भारत के प्रथम राष्ट्रपति – **डॉ. राजेन्द्र प्रसाद**
- संविधान सभा के अस्थायी अध्यक्ष – **डॉ. सच्चिदानन्द सिन्हा**
- संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष – **डॉ. राजेन्द्र प्रसाद**
- ब्रिटिश शासन में प्रथम भारतीय राज्यपाल – **सत्येन्द्र प्रसन्न सिन्हा**
- ब्रिटिश शासन में बिहार के प्रथम राज्यपाल – **सर जेम्स सिफ्टन (1935)**
- स्वतंत्र बिहार के प्रथम राज्यपाल – **जयरामदास दौलतराम (1947)**
- ब्रिटिश शासन में बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री – **मोहम्मद यूनुस (1937)**
- स्वतंत्र बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री – **श्रीकृष्ण सिंह**
- बिहार के प्रथम हरिजन मुख्यमंत्री – **भोला पासवान शास्त्री**
- बिहार के प्रथम निर्दलीय मुख्यमंत्री – **महामाया प्रसाद सिन्हा**
- बिहार के प्रथम मुस्लिम मुख्यमंत्री – **अब्दुल गफूर**
- बिहार की प्रथम महिला मुख्यमंत्री – **श्रीमती राबड़ी देवी**
- पटना उच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश – **सर एडवर्ड मेनार्ड डेस जैम्प्स केमियर**
- पटना उच्च न्यायालय की स्थापना – **3 फरवरी 1916**
- पटना उच्च न्यायालय के प्रथम भारतीय मुख्य न्यायाधीश – **सर सैयद फजल अली**
- सर्वोच्च न्यायालय के प्रथम बिहारी मुख्य न्यायाधीश – **भुवनेश्वर प्रसाद सिन्हा**
- विधान सभा के प्रथम अध्यक्ष – **रामदयालु सिंह**
- विधान परिषद के प्रथम सभापति – **राजीव रंजन प्रसाद सिंह**
- बिहार के प्रथम ज्ञानपीठ पुरस्कार पाने वाले – **रामधारी सिंह दिनकर**
- बिहार के व्यक्ति जिन्हें 'भारत रत्न' सम्मान मिला – **डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (1962)**
  – **डॉ. जाकिर हुसैन (1963)**
  – **जयप्रकाश नारायण (1999)**
  – **बिस्मिल्लाह खाँ (2001)**

- बिहार के प्रथम अशोक चक्र प्राप्त करने वाला व्यक्ति – **रणधीर वर्मा**
- बिहार का प्रथम हिन्दी समाचार पत्र – **बिहार बंधु (1874)**
- बिहार का प्रथम अंग्रेजी साप्ताहिक समाचार पत्र – **दी बिहार हेराल्ड (1875)**
- बिहार का प्रथम हिन्दी दैनिक समाचार पत्र – **सर्वहितैषी**
- बिहार का प्रथम अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र – **दी सर्च लाइट (1918)**
- बिहार का प्रथम उर्दू समाचार पत्र – **नुर-अल-अनवर (1876)**
- बिहार में प्रथम हिन्दी छापाखाना – **बिहार बंदु प्रेस**
- बिहार की प्रथम नगरपालिका – **आरा**
- बिहार आने वाला प्रथम अंग्रेज यात्री – **रॉल्फ फिच**
- बिहार की सबसे बड़ी नदी – **गंगा**
- बिहार का सबसे बड़ा नगर – **पटना**
- बिहार का सबसे बड़ा हवाई अड्डा – **जयप्रकाश नारायण हवाई अड्डा, पटना**
- बिहार का सबसे बड़ा रेलवे जंक्शन – **पटना जंक्शन**
- बिहार का सबसे बड़ा प्लेटफॉर्म – **सोनपुर**
- बिहार का सबसे बड़ा सड़क पुल – **महात्मा गाँधी सेतु**
- बिहार का सबसे बड़ा मेला – **हरिहर नाथ (सोनपुर)**
- बिहार का प्रथम तेल शोधक कारखाना – **बरौनी रिफाइनरी**
- बिहार का प्रथम सिंचाई परियोजना – **सोन बहुउद्देशीय परियोजना**
- बिहार का प्रथम तारा मंडल – **इंदिरा गाँधी तारामंडल, पटना**
- आधुनिक बिहार का प्रथम विश्वविद्यालय – **पटना विश्वविद्यालय (1917)**
- बिहार का प्रथम खुला विश्वविद्यालय – **नालंदा खुला विश्वविद्यालय**
- बिहार का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय – **मगध विश्वविद्यालय**
- बिहार का प्रथम कॉलेज – **पटना कॉलेज (9 जनवरी 1863)**
- बिहार का सबसे गर्म जिला – **गया**
- बिहार का सबसे ठंडा जिला – **गया**
- बिहार में सबसे अधिक वर्षा वाला जिला – **किशनगंज**
- बिहार में सबसे कम वर्षा वाला जिला – **औरंगाबाद**
- बिहार का सबसे बड़ा जिला – **पश्चिम चम्पारण**
- बिहार का सबसे छोटा जिला – **शिवहर**





BPSC प्रश्नावली 11

67th BPSC - 47th BPSC & CDPO

BPSC 67वीं प्रारंभिक परीक्षा (Re-exam)

- बिहार के आर्थिक सर्वेक्षण, 2021-22 के अनुसार, वर्तमान में राज्य में शहरीकरण का स्तर क्या है? **- 15.3%**
- बिहार में खादी के ब्रांड एम्बेसडर कौन हैं? **- मनोज तिवारी**
- सीता माता की विश्व की सबसे लम्बी मूर्ति (251 मीटर) का निर्माण बिहार के किस जिले में किया जाएगा? **- सीतामढ़ी**
- बिहार में 'ऑपरेशन प्रहार' संबंधित है - **- शराबबन्दी से**
- हाल ही में बिहार में किस स्थान पर उत्तर भारत का पहला 'बर्ड रिंगिंग स्टेशन' खोला गया है? **- भागलपुर**
- निम्न में से किसने बिहार में 'गिद्ध संरक्षण योजना' शुरू की? **- वाल्मीकि टाइगर रिजर्व**
- बिहार में तुर्क सत्ता का वास्तविक संस्थापक कौन था? **- इब्न बख्तियार खिलजी**
- बिहार के प्रथम भारतीय गवर्नर कौन थे? **- सत्येन्द्र प्रसन्न सिन्हा**
- 'सन्थाल विद्रोह' के नेता कौन थे? **- सिद्धू एवं कान्हू**
- बिहार का 'चौरी विद्रोह' किस वर्ष हुआ? **- 1798**
- किस वर्ष उड़ीसा को बिहार से पृथक् किया गया? **- 1936**
- बिहार राज्य का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल है ? **- 94163 वर्ग किमी.**
- बिहार का शोक किस नदी को कहा जाता है? **- कोसी**
- बिहार के किस जिले में तेल्हाड़ कुंड जलप्रपात अवस्थित है? **- कैमूर**
- एशिया की सबसे बड़ी एवं ताजा-जल वाली गोखुर झील बिहार में कौन-सी है? **- कनवार झील/कांवर झील**
- बिहार के किस जिले में सबसे अधिक सोने का भण्डार मिला है? **- जमुई**

- बिहार के किस जिले को 'सिल्क सिटी' के नाम से जाना जाता है? **- भागलपुर**

- भारत की जनगणना, 2011 के अनुसार, बिहार में महिला साक्षरता दर क्या है? **- 51.50%**

- शहरीकरण के बढ़ते स्तर के अनुसार, बिहार के निम्न जिलों का सही क्रम चुनिए: **- नालंदा < मुंगेर < पटना**

- वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए राजकोषीय घाटा बिहार के जी.एस.डी.पी. का .... होने का अनुमान है। **- 3.47%**

- वह विकल्प चुनिए, जो बिहार की 'सात निश्चय भाग–2 योजना' का हिस्सा नहीं है: **– सभी के लिए वायुमार्ग**

- प्रति व्यक्ति आय के अवरोही क्रम में बिहार राज्य के जिलों का सही क्रम चुनिए: **- नवादा > किशनगंज > पूर्वी चंपारण > अररिया > शिवहर**

- 'आजाद दस्ता' बिहार में किस आंदोलन के दौरान सक्रिय रहा? **- भारत छोड़ो आंदोलन**

BPSC 67वीं प्रारंभिक परीक्षा (Cancelled)

- 2021-22 के दौरान बिहार में राजकोषीय घाटा कितना अनुमानित है? **- ₹ 22,511 करोड़**

- वर्ष 1917 के चम्पारण सत्याग्रह से कौन संबंधित नहीं हैं? **- राम मनोहर लोहिया**

- 2011 की जनगणना के अनुसार, बिहार के किस जिले में पुरूषों से ज्यादा महिलाएँ हैं? **- गोपालगंज**

- बिहार विधान परिषद की पहली बैठक किस वर्ष बुलाई गई थी? **- 1913**

- बिहार से रश्मि कुमारी एक – **- अंतर्राष्ट्रीय कैरम चैम्पियन है**

- बिहार सरकार को 'डिजिटल इंडिया अवार्ड' किसलिए दिया गया था? **- कोविड–19 लॉकडाउन के दौरान बिहार के बाहर फँसे लोगों को सेवा प्रदान करने के लिए**

- बिहार विधान सभा में अनुसूचित जाति के उम्मीदवारो के लिए कितनी सीटें आरक्षित हैं? **- 38**

- बिहार में पंचायत निकायों में महिलाओं को 50% आरक्षण किस वर्ष प्रदान किया गया था? **- 2006**

- झारखंड बनाने के लिए बिहार को किस वर्ष विभाजित किया गया था? **- 2000**
- बिहार में वर्ष 2021-22 के लिए पेश किए गए बजट में प्रस्तावित नया मंत्रालय किस पर केन्द्रित है? **- कौशल और उद्यमिता विकास**
- बिहार में मानव विकास उप-मिशन के अंतर्गत कितने विभाग शामिल हैं? **- 7**
- गरीब कल्याण रोजगार अभियान बिहार के किस जिले से प्रधानमंत्री द्वारा 2020 में शुरू किया गया था? **- खगड़िया**
- वर्ष 1855 में संथाल विद्रोह का नेतृत्व किसने किया था? **- सिद्धू और कान्हू**
- गाँधी को चंपारण आने का आमंत्रण किसने दिया था? **- राजकुमार शुक्ल**
- बोधगया में किसे ज्ञान-प्राप्ति हुई थी? **- गौतम बुद्ध**
- 1913 ई० में पटना में अनुशीलन समिति की एक शाखा की स्थापना किसने की थी? **- सचिन्द्रनाथ सान्याल**
- बिहार समाजवादी पार्टी (1931 ई०) का गठन किन्होंने किया था? **- फूलन प्रसाद वर्मा और जयप्रकाश नारायण**
- शेरशाह का मकबरा कहाँ स्थित है? **- सासाराम**
- सोन और गंगा नदी का संगम बिहार के किस जिले में स्थित है? **- पटना**
- बिहार का पहला रामसर स्थल कौन-सा है? **- कांवर झील**
- ब्रह्मयोनि हिल बिहार के किस जिले में स्थित है? **- गया**
- बिहार के किस कृषि -जलवायु क्षेत्र में सबसे अधिक जिले हैं? **- उत्तर-पश्चिम**

BPSC 66वीं प्रारंभिक परीक्षा

- बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री कौन थे? **- श्रीकृष्ण सिंह**
- बिहार में कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन रखा गया था? **- पटना**
- जयप्रकाश नारायण को कौन-सी उपाधि दी गई थी? **- लोकनायक**
- बिहार की स्थापना कब की गई थी? **- 1912**
- बिहार में तीनकठिया पद्धति में नील की खेती के लिए भूमि का कितना भाग अमानत रखा जाता था? **- 03/20**

- रामविलास पासवान ने अपना राजनीतिक सफर किस राजनीतिक दल से प्रारम्भ किया था? **- संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी**
- बिहार के राजनीतिज्ञ स्वर्गीय रघुवंश प्रसाद सिंह पहली बार किस लोक सभा के लिए निर्वाचित हुए थे? **- ग्यारहवीं लोक सभा**
- चम्पारण में इंडिगो के किसानों की दशा की ओर गाँधीजी का ध्यान किसने आकर्षित किया? **- राजकुमार शुक्ल**
- प्राचीन महाजनपद मगध की प्रथम राजधानी कहाँ थी? **- राजगृह/गिरिव्रज**
- स्वामी सहजानंद निम्न में से किससे संबंधित थे? **- बिहार में किसान आंदोलन**
- निम्न में से कौन-सा भारत में गाँधीजी का प्रथम सत्याग्रह आंदोलन था, जिसमें उन्होंने सविनय अवज्ञा का प्रयोग किया? **- चम्पारण**
- बिहार में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व किसने किया? **- कुँवर सिंह**
- जनजाति और जिले के निम्न जोड़ों में से कौन-सा जोड़ा सही नहीं है ? **- मुण्डा-जमुई**
- बिहार राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्र की तुलना में समस्त वन्यक्षेत्र का प्रतिशत है- **- 7.84%**
- निम्न में से किस जिले में बिहार का एकमात्र राष्ट्रीय उद्यान स्थित है? **- पश्चिमी चम्पारण**
- बिहार में प्रवाहित होने वाली निम्न नदियों में से उत्तर की ओर प्रवाहित होने वाली कौन-सी नदी है? **- सोन, पुनपुन, कर्मनाशा, आदि**
- बिहार के निम्न जिलों में से किस जिले में ही पीड्मोंट स्वैम्प मिट्टी पाई जाती है? **- पश्चिमी चम्पारण**
- बिहार के निम्न प्रशासनिक विभागीय जोड़ों में से किस प्रमण्डल से गंगा नदी नहीं बहती है? **- कोसी-मगध**
- वर्ष 1632 में बिहार के पटना शहर में कौन-सी कम्पनी ने अपनी फैक्टरी स्थापित की? **- डच ईस्ट इंडिया कंपनी**
- बिहार सरकार के सात निश्चयों में निम्न में से कौन-सा सम्मिलित नहीं है? **- बाल कल्याण**
- बिहार का प्रति व्यक्ति शुद्ध राज्य घरेलू उत्पाद स्थिर कीमतों पर देश की तुलना में कम है। वर्ष 2018-19 में यह था- **- राष्ट्रीय औसत का 33%**

- भारत के निर्वाचन आयोग ने कब बिहार विधान-सभा, 2020 के आम चुनाव के लिए प्रेस नोट जारी किया? **- 25 सितम्बर, 2020**
- बिहार सरकार ने 1 अप्रैल, 2019 से सार्वजनिक वित्तीय प्रबन्धन प्रणाली (सी. एफ. एम. एस.) शुरू की है। यह प्रणाली
  – राज्य में समस्त वित्तीय कार्यकलापों को ऑनलाइन तथा कागजरहित बनाएगी
- भारत सरकार ने 2 जनवरी, 2020 को बिहार राज्य को कृषि कर्मण पुरस्कार प्रदान किया। यह पुरस्कार दिया गया था ? **- मक्का और गेहूँ के उत्पादन और उत्पादकता के लिए**

BPSC 66वीं प्रारंभिक परीक्षा (Re-exam)

- बिहार का कौन-सा शहर पाँच पहाड़ियों से घिरा है? **– राजगीर**
- भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ० राजेन्द्र प्रसाद किस राज्य से थे? **- बिहार**
- बिहारी छात्र सम्मेलन का सोलहवां अधिवेशन कहां हुआ था? **- हजारीबाग**
- बिहार के चिरांद नामक पुरास्थल की प्राचीनतम संस्कृति है – **- नव-पाषाणिक संस्कृति**
- बाबा ठाकुर दास ने पटना में किस सोसाइटी की स्थापना की थी? **- रामकृष्ण मिशन सोसाइटी**
- स्वतंत्रता पश्चात् बिहार का प्रथम राज्यपाल कौन बना था? **- जयरामदास दौलतराम**
- वर्ष 2011 में बिहार के कितने जिलों में 10 लाख से कम जनसंख्या थी? **- 3**
- बिहार में निम्नलिखित में से किस अनाज का प्रति हेक्टेयर उत्पादन सबसे अधिक है? **- मक्का**
- बिहार में मछली उत्पादन करने वाले अग्रणी जिले हैं – **- मधुबनी और दरभंगा**
- उत्पादन क्षेत्र की दृष्टि से बिहार में शीर्ष श्रेणी (रैंकिंग) की दालें कौन-सी हैं? **- मूंग और मसूर**
- बिहार में गन्ना उत्पादन में अग्रणी जिला है – **- पश्चिमी चम्पारण**
- बिहार के किस जिले में सबसे अधिक नहर-सिंचित क्षेत्र है? **- रोहतास**
- बिहार के वे जिले कौन-से हैं, जिनमें 2001 और 2011 में क्रमशः सबसे कम ग्रामीण महिला साक्षरता दर थी? **- किशनगंज और सहरसा**

- बिहार अर्थव्यवस्था की विकास दर वर्ष 2018 – 19 में स्थिर कीमतों पर क्या थी? - **10.53%**
- वर्ष 2019 में बिहार राज्य में बिजली क्षमता की उपलब्धता क्या थी? - **4767 मेगावाट**
- किस खाद्यान्न उत्पादन के लिए बिहार को 'कृषि कर्मण पुरस्कार', 2017–18 मिला है? - **गेहूं**
- कुंवर सिंह जगदीशपुर में कब प्रविष्ट हुए? - **22 अप्रैल, 1858 को**
- 1904 ई० में देवार में गोल्डन लीग की स्थापना ब्रिटिशर्स का बहिष्कार और स्वदेशी आंदोलन की प्रगति के लिए की गई – - **बिहार में**
- सन् 1875 ई० में 'बिहार हेराल्ड' आरंभ किया था – - **बाबू गुरू प्रसाद सेन ने**
- बिहार में प्रथम समेकित चेकपोस्ट कब स्थापित किया गया था? - **2018 ई०**

BPSC 65वीं प्रारंभिक परीक्षा

- कश्मीर घाटी के अंतिम मुस्लिम शासक यूसुफ शाह चक, जिन्हें मुगल सम्राट अकबर द्वारा बिहार में निर्वासित किया गया था, दफन हैं ? - **नालंदा में**
- बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम की टैगलाइन क्या है ? - **ब्लिसफुल बिहार**
- बिहार राज्य में गंगा के किनारे स्थित जिलों की संख्या है– - **12**
- निम्नलिखित में से कौन सा वन्यजीव अभयारण्य बिहार के मुंगेर जिले में स्थित है? - **भीमबांध**
- 2011 की जनगणना के अनुसार बिहार के किस जिले में सर्वोच्च लिंग अनुपात दर्ज किया गया है? - **गोपालगंज**
- निम्नलिखित में से कौन-सा जिला सबसे अधिक घने पतझड़ वाले वनक्षेत्र से घिरा है? - **पश्चिम चम्पारण**
- बिहार के किस जिले में गंगा नदी सबसे लम्बी है? - **पटना**
- 2011 की जनगणना के अनुसार बिहार के किस जिले में सर्वोच्च घनी आबादी (प्रति वर्ग कि.मी.) दर्ज की गई है? - **शिवहर**
- भागलपुर में नमक सत्याग्रह का नेतृत्व किसने किया था ? - **महादेवलाल सराफ**
- सन 1939 में बिहार में 'अम्बारी सत्याग्रह' का नेतृत्व किसने किया था? - **राहुल सांकृत्यायन**

- बिहार में सर्चलाइट समाचार पत्र के सम्पादक कौन थे ? - मुरली मोहन प्रसाद
- सन 1931 में 'बिहार समाजवादी पार्टी' का गठन किसने किया ? - फूलन प्रसाद वर्मा
- बिहार में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व किसने किया था ? - कुंवर सिंह
- असहयोग आंदोलन के दौरान बिहार में कृषकों का नेतृत्व किसने किया ? - स्वामी विद्यानन्द
- आधुनिक बिहार का निर्माता किसे माना जाता है ? - सच्चिदानन्द सिन्हा
- बिहार प्रांतीय किसान सभा का गठन किसने किया ? - स्वामी सहजानंद सरस्वती
- डच ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने किस वर्ष अपनी फैक्ट्री पटना में स्थापित की ?-1632
- बिहार में स्वराज दल का गठन किसने किया ? - श्रीकृष्ण सिंह
- निम्नलिखित में से कौन-सा जिला धारवाड़ भूस्तरीय रचना वाला नहीं है ?- रोहतास
- जनगणना 2011 के अनुसार बिहार में बाल लिंग अनुपात था - - 933
- वर्ष 2017-18 के दौरान बिहार में तृतीयक क्षेत्र की विकास दर थी - - 14.6%
- वर्ष 2017-18 में मौजूदा कीमतों पर बिहार राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) था- - 4,87,628 करोड़ रुपए
- पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश कौन थे, जिन्होंने जुलाई 2019 में बिहार के राज्यपाल के रूप में श्री फागू चौहान को पद की शपथ दिलाई? - माननीय ए. पी. साही
- बिहार दिवस का क्या महत्व है, जो हर साल 22 मार्च को मनाया जाता है ? - 1912 में बिहार के बंगाल प्रेसीडेंसी से अलग होने को याद करने के लिए
- निम्नलिखित में से किस राज्य को केंद्र सरकार द्वारा विशेष श्रेणी दर्जा (SCS) कभी प्रदान नहीं किया गया ? - बिहार

BPSC 65वीं प्रारंभिक परीक्षा (दिव्यांग कोटा)

- माननीय न्यायाधीश श्री राकेश कुमार ने पटना उच्च न्यायालय में स्थायी न्यायाधीश के रूप में किस वर्ष में दायित्व सम्भाला? - 2011
- वर्ष 2019 में आर. के. सिंह ने बिहार के किस निर्वाचन क्षेत्र से लोक सभा सीट जीता? - आरा

- बिहार से केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री का नाम है ? – नित्यानन्द राय
- बिहार के किसानों ने किस आंदोलन में 'चौकीदारी कर' देने से इनकार कर दिया था? – सविनय अवज्ञा आंदोलन
- निम्न में से कौन-सा बिहार के भूगर्भीय इतिहास में सबसे नवीनतम है? – बिहार का मैदान
- पुरानी जलोढ़ मिट्टी का भंडार बिहार के निम्न से किस क्षेत्र में पाई जाती है? – पटना और गया
- बिहार में बरौनी रिफाइनरी किसके सहयोग से बनाया गया था? – सोवियत रूस
- बिहार का प्रसिद्ध पशु मेला कार्तिक पूर्णिमा में आयोजित होता है – सोनपुर में
- दक्षिण बिहार में प्रचलित परंपरागत जल संरक्षण सिंचाई पद्धति कहलाती है। – आहर और पईन
- निम्नलिखित में से किस स्थान पर कोसी नदी गंगा नदी में मिलती है। – कुर्सेला
- विक्रमशिला डॉल्फिन अभयारण्य बिहार के किस जिले में है? – भागलपुर
- बिहार का प्रति व्यक्ति सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) 2017-18 में वर्तमान कीमतों पर 42,242 रुपये था। स्थिर कीमतों (आधर वर्ष 2011-12) पर प्रति व्यक्ति GSDP का अनुमान क्या है? - ₹ 31,316
- 2018-19 में बिहार का कौन-सा जिला, स्थिर कीमतों पर आधार वर्ष (2011-12) तीन सबसे समृद्ध जिलों (प्रति व्यक्ति आय के अनुसार) में से एक है? - बेगूसराय
- बिहार में 2017-18 की तुलना में 2018-19 में राज्य अधिशेष मे लगभग कितने प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है? - 44%
- बिहार में मोटे अनाज का कुल उत्पादन (लाख टन में) 2017-18 में और उसकी विकास दर 2013-14 एवं 2017-18 के बीच थे, क्रमश: - 3.15; 6%
- बिहार में सामाजिक विकास को बढ़ावा देने में 'जीविका' ने अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। सितम्बर 2018 तक गठित स्वयं सहायता समूहों की अनुमानित संख्या थी – - 8.17 लाख
- 'किसान क्या करें' किसने लिखी? - स्वामी सहजानंद सरस्वती
- मदरलैंड को किसने प्रकाशित किया? - मजहरूल हक

- पटना युवक संघ की स्थापना हुई थी – - 1927
- पाटलिपुत्र में बुलाई गई प्रथम जैन संगीति के अध्यक्ष कौन थे? - स्थूलभद्र
- किस शासक ने अपनी राजधानी पाटलिपुत्र में स्थानांतरित की थी ? - उदयन
- 1922 के भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के गया अधिवेशन के अध्यक्ष कौन थे? - सी. आर. दास
- भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के 1916 के लखनऊ अधिवेशन में किसने बिहार के नील उगाने वालों का प्रश्न प्रस्तुत किया था? - राजकुमार शुक्ल
- जमशेदपुर लेबर एसोसिएशन की स्थापना 1920 में किसने की? - एस. एन. हलदर
- भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के 27वें अधिवेशन की अध्यक्षता किसने की? – आर.एन. मुधोलकर (बांकीपुर)

BPSC 66वीं प्रारंभिक परीक्षा

- भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण के बाद पहली बौद्ध संगीति हुई थी– - राजगृह (राजगीर) में
- बंगाल और बिहार में भूमि पर किरायेदारों के अधिकार को बंगाल किरायादारी अधिनियम द्वारा कब स्वीकार किया गया? - 1885
- बिहार कब भारत में एक स्वतंत्र प्रदेश बना? - 1912
- चम्पारण में गाँधीजी को आमंत्रण किसने दिया? - राजकुमार शुक्ल
- बिहार सोशलिस्ट पार्टी कब गठित हुई? - 1931
- इनमें से किसने बिहार में पहले कांग्रेस मंत्री सभा का नेतृत्व किया ? - श्रीकृष्ण सिन्हा
- 'नील विद्रोह' किसके बारे में था? - रैयत नील की खेती नहीं करना चाह रहे थे पर उनसे एक अमान्य मूल्य पर जबरदस्ती करवाई जा रही थी
- कुँवर सिंह अंग्रेजों के खिलाफ 1857 के विद्रोह में किस जगह शामिल हुए?- आरा
- नमक सत्याग्रह के दौरान बिहार में लोगों ने नमक बनाने के साथ-साथ किस कर के विरोध द्वारा सरकार का विरोध किया? - चौकीदारी

- बिहार किसान सभा से कौन जुड़ा था?
  – **स्वामी सहजानंद, कार्यानंद शर्मा, राहुल सांकृत्यायन एवं यदुनंदन शर्मा**
- किस वर्ष झारखंड राज्य अस्तित्व में आया ? **- 2000**
- एक भारतीय राज्य के रूप में बिहार बना– **- 1912 में**
- बिहार के निम्न हिस्सों में से कौन–सा हिस्सा भूतात्त्विक दृष्टि से अपेक्षाकृत पुराना है? **- खड़गपुर पहाड़ियाँ**
- जुलाई 2018 तक पटना जिला बिहार के कितने जिलों से सीमाबद्ध था? **- 9**
- बिहार का अधिकांश क्षेत्र आच्छादित है– **- कछारी मिट्टी से**
- भारत के राज्यों में से निम्नतम साक्षरता दर (2011 जनगणना) की दृष्टि से बिहार का स्थान हैं– **- प्रथम**
- भारत के राज्यों में से जूट उत्पादन की दृष्टि से बिहार का स्थान क्या है? **- द्वितीय**
- बिहार में किस प्रकार के उद्योगों की प्रत्याशा एवं संभावनाएँ हैं?
  - कृषि आधरित उद्योग
- एक रिपोर्ट के अनुसार, दिसम्बर 2017 से फरवरी 2018 के मध्य 4G सिग्नलों की उपलब्ध्ता की दृष्टि से देश के 20 शहरों में पटना का स्थान है – **- प्रथम**
- सुलभ इंटरनेशनल ने बिहार के किस नगर में सस्ती दर पर पेयजल उपलब्ध कराने हेतु 'सुलभ जल' प्रोजक्ट प्रारंभ किया है? **- दरभंगा**

BPSC 63वीं प्रारंभिक परीक्षा

- बिहार के निम्नलिखित जिलों में से कौन जिला नेपाल के साथ सीमा साझा नहीं करता है? **- पूर्णिया**
- निम्नलिखित में से कौन–सा भारत के बिहार राज्य में मौजूद एकमात्र यूनेस्को धरोहर स्थल है?
  – **महाबोधि मंदिर बोधगया एवं नालंदा महाविहार के पुरातात्विक स्थान**
- बाढ़ सुपर थर्मल पावर स्टेशन (बी. एस० टी० पी० एस०) किस राज्य में स्थित है?
  - बिहार
- बिहार प्रोविंशियल किसान सभा का गठन कब हुआ? **- 1929**

- किस अधिनियम के तहत बिहार एक अलग राज्य बना?
  - भारत सरकार अधिनियम, 1935
- बिहार में कृषि भूमि की जोतों का औसतन आकार दूसरे राज्यों की तुलना में है –
  - न्यूनतम से द्वितीय
- भारत के किस राज्य की वर्तमान मूल्यों पर नवीनतम प्रति व्यक्ति आय न्यूनतम है?
  - बिहार
- बिहार में नवीनतम वार्षिक प्रति व्यक्ति बिजली का उपभोग है - न्यूनतम
- निम्नलिखित में से कौन–सी नदी फतुहा के पास गंगा में मिलती है? - पुनपुन
- कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार उत्तर बिहार की जलवायु किससे प्रदर्शित की जा सकती है? - CWg
- मुजफ्फरपुर, दरभंगा तथा चंपारण जिलों में कौन–सी मिट्टी अधिकांशत: पाई जाती है?
  - नवीन जलोढ
- बिहार का सर्वाधिक जूट उत्पादन जिला है - पूर्णिया
- त्रिवेणी नहर किस नदी पर निर्मित है? - गंडक
- जैन धर्म के प्रवर्तक महावीर जी का मोक्ष–स्थान कहाँ स्थित है? - पावापुरी
- कैमूर पठार किसके लिए प्रसिद्ध है? - चूना पत्थर
- स्वामी सहजानन्द सरस्वती ने एक पत्रिका का प्रकाशन किया, जिसका नाम था –
  - हुंकार
- पटना में 1913 में अनुशीलन समिति की एक शाखा की स्थापना किसने की ?
  - शचीन्द्रनाथ सान्याल
- 1922–23 में मुंगेर में किसान सभा का गठन किसने किया?
  - श्रीकृष्ण सिंह एवं मोहम्मद जुबैर
- 1934 में बनी बिहार सोशलिस्ट पार्टी के सचिव थे- - जयप्रकाश नारायण
- बिहार से भारतीय संविधान सभा के सदस्य कौन थे?
  - संविधान सभा में बिहार से कुल 36 सदस्य थे।
- बिहार में 1937 में गठित प्रथम भारतीय मंत्रिमंडल का नेतृत्व किसने किया?
  - मुहम्मद यूनुस
- पटना लॉन का गाँधी मैदान के रूप में नामकरण कब किया गया? - 1948 में
- बंगाल विभाजन की घोषणा की गई- - 19 जुलाई, 1905 में

BPSC 60वीं-62वीं प्रारंभिक परीक्षा

- बिहार में 2005-06 से 2014-15 के मध्य किस क्षेत्र ने सर्वाधिक वृद्धि दर दर्ज की? - रजिस्टर्ड विनिर्माण
- प्रति व्यक्ति आय के मानदण्ड के अनुसार बिहार का कौन-सा जिला सबसे गरीब है? - शिवहर
- जीविका (JEEVIKA) बिहार सरकार की एक पहल है। इसका संबंध है- - रोजगार सृजन से
- बिहार में SPUR परियोजना का संबंध है : - नगर निगम वित्त से
- बिहार में राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लम्बाई है: - 4595 किमी.
- बिहार राज्य में प्रति व्यक्ति ऊर्जा उपभोग है: - 203 Kwh
- बिरसा को सोते हुए पकड़ा गया- - 3 फरवरी, 1900
- किसने यूरोपियन नील बागान मालिकों द्वारा किसानों के शोषण की तरफ गाँधी जी का ध्यान आकर्षित किया? - राजकुमार शुक्ल
- असहयोग आंदोलन के दौरान किसने पटना कॉलेज छोड़ा जबकि उसकी परीक्षा के केवल 20 दिन ही बचे थे? - जयप्रकाश नारायाण
- अखिल भारतीय फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना के लिए सुभाषचन्द्र बोस से कौन जुड़े और आई. एन. ए. आंदोलन के साथ भी जुड़े रहे? - शीलभद्र याजी
- बिहार के किस वकील ने असहयोग आंदोलन के समय अपनी लाभप्रद वकालत छोड़ दी थी? - राजेन्द्र प्रसाद
- 'ओदन्तपुर' शिक्षा केन्द्र निम्न में से किस राज्य में अवस्थित था? - बिहार
- बिहार का प्रथम मुस्लिम विजेता कौन था? - बख्तियार खिलजी
- कर्नाट वंश का संस्थापक कौन था? - नान्यदेव
- 'नालन्दा विहार' का विध्वंस किया था- - बख्तियार खिलजी
- कर्नाट वंश का अंतिम शासक कौन था? - हरिसिंह
- 'राजनीति रत्नाकर' का लेखक है - - चन्देश्वर
- 'उदवन्त प्रकाश' का लेखक है- - मौली कवि

- निम्नलिखित नहर प्राणलियों में किससे बिहार के क्षेत्र में सिंचाई होती है? **- त्रिवेणी नहर**
- निम्नलिखित भू-आकृतियों में से किसके द्वारा बिहार राज्य का उत्तर पश्चिमी भाग घिरा है? **- सोमेश्वर पहाड़ी श्रेणी**
- तेल नदी निम्नलिखित नदियों में से किसकी सहायक नदी है? **– महानदी**
- निम्नलिखित जिलों में 2001-11 के दौरान कहाँ सर्वाधिक जनसंख्या की वृद्धि हुई? **- मधेपुरा**
- बिहार में निम्नलिखित में कौन रेशम (सिल्क) वस्त्र उत्पादक केन्द्र है? **- भागलपुर**
- निम्नलिखित स्थानों में भारत वैगन एवं इंजीनियरिंग लि. कहाँ स्थित है? **- मोकामा**
- निम्नलिखित राष्ट्रीय राजमार्गों में कौन छपरा एवं गोपालगंज को जोड़ता है? **- राष्ट्रीय राजमार्ग क्र. 85**
- निम्न में से 'संथाल विद्रोह' कब हुआ था? **- 1855-56**

BPSC 56वीं-59वीं प्रारंभिक परीक्षा

- बिहार से लोक सभा के लिए कितने सदस्य चुने जाते हैं ? **- 40**
- बिहार का अद्वितीय त्योहार क्या है ? **- छठ पूजा**
- बिहार के कौन-से स्थान में गाँधीजी ने अपना प्रथम सत्याग्रह किया था? **- चम्पारण**
- पटना में किस सिख गुरु का जन्म हुआ था ? **- गुरू गोविन्द सिंह**
- 1922 में गया के इंडियन नेशनल कॉंग्रेस के अधिवेशन के अध्यक्ष कौन थे? **- चितरंजन दास**
- जयप्रकाश नारायण किस नाम से पहचाने जाते हैं ? **- लोकनायक**
- बिहार में डालमिया नगर किसके लिए प्रसिद्ध है ? **- सीमेंट**
- निम्नलिखित में से कौन-सा शहर बिहार के सबसे पूर्वी भाग में स्थित है ? **- कटिहार**
- निम्नलिखित झीलों में से कौन-सी बिहार में स्थित है ? **- अनुपम झील**

➲ रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :
_____________ में बंगाल और बिहार में भूमि पर किरायेदारों के अधिकारों को बंगाल किरायेदारी अधिनियम द्वारा दिया गया था। **– बी.टी. एक्ट 1885**

➲ 1920–22 के असहयोग आंदोलन के दौरान बिहार में प्रचलित मान्यताओं में से एक यह थी कि उनकी जीत होगी, क्योंकि गाँधी- **- धर्म के प्रतीक थे**

➲ इनमें से कौन बिहार का/के किसान नेता था / थे?
– स्वामी विद्यानंद एवं स्वामी सहजानंद

➲ किस क्षेत्र में राहुल सांकृत्यायन 1920 के असहयोग आंदोलन में सक्रिय थे ?
- छपरा

➲ निम्नलिखित में से कौन–सा कथन सही है ?
- 1857 में दरभंगा, डुमराँव और हथुआ के महाराजाओं और उनके साथी जमींदारों ने आदमी तथा पैसे से अंग्रेजों की मदद की।

➲ किसने 'दुखी', 'दुखी आत्मा', 'दुखी हृदय' जैसे छद्‌म नामों के तहत लिखकर चम्पारण के किसानों की दुर्दशा पर प्रकाश डाला? **- पीर मुहम्मद मुनीस**

BPSC 53वीं–55वीं प्रारंभिक परीक्षा

➲ किसके प्रयत्नों से बिहार प्रान्तीय काँग्रेस का दूसरा अधिवेशन हुआ?
- श्री दीपनारायण सिंह

➲ भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस का 27वाँ अधिवेशन किस स्थान पर हुआ?
- बांकीपुर (पटना)

➲ हजारीबाग में बिहारी स्टूडेन्ट्स कॉन्फ्रेंस का सोलहवाँ अधिवेशन हुआ ? **- 1921 में**

➲ बिहार के प्रमुख समाचार पत्र 'बिहारी' के सम्पादक थे – **- बाबू माहेश्वर प्रसाद**

➲ राजकुमार शुक्ल किस गाँव के निवासी थे ? **- मुरली भरहवा के**

➲ श्री निवारणचन्द्र दासगुप्ता थे – **- पुरुलिया से**

➲ कुँवर सिंह राजा थे – **- जगदीशपुर के**

➲ लॉर्ड सिन्हा ने 1921 में कहाँ के गवर्नर पद से त्यागपत्र दिया था? **- बिहार–उड़ीसा**

➲ किन राज्य सरकारों ने 2010 तक स्थानीय निकायों में महिलाओं का आरक्षण 50 प्रतिशत कर दिया है? **- बिहार, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश**

- पूर्वी मध्य रेलवे क्षेत्र का मुख्यालय कहाँ पर स्थित है? **- हाजीपुर**
- बिहार के उद्योगों का कमिश्नर दफ्तर कहाँ स्थित है? **- पटना**
- उत्तर बिहार किसके लिए प्रसिद्ध है? **- बाढ़**
- निम्नलिखित में से कौन सा शहर राष्ट्रीय राजमार्ग-2 (NH-2) पर स्थित नहीं है? **- पटना**
- पटना अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा निम्नलिखित से सीधे जुड़ा हुआ है- **- काठमाण्डु (नेपाल), नई दिल्ली, कोलकाता, मुम्बई, लखनऊ, वाराणसी एवं रांची**
- योजना आयोग ने 1993-94 में बिहार के लिए गरीबी रेखा से नीचे (BPL) का निम्नलिखित प्रतिशत प्राक्कलित किया- **- 35**
- बिहार में यद्यपि 'जमींदारी' सांविधिक रूप से 1952 में हटा दी गई थी, तथापि भू-नियंत्रण का सामाजिक आधार पर निम्नलिखित के हाथों रह गया। **- प्रधान जाति के हिन्दू**
- बिहार राज्य (विभाजन-पूर्व) में कितने 'औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण' थे? **- छः, यथा- आदित्यपुर, बोकारो, पटना, राँची, दरभंगा एवं मुजफ्फरपुर**
- बिहार की उस योजना का नाम बताएँ जो 'निर्यातोन्मुखी इकाइयों' की स्थापना के लिए अपेक्षित उच्चस्तरीय अवसंरचनात्मक सुविधाओं के निर्माण पर ध्यान देती है **- इन्टिग्रेटेड इन्फ्रास्ट्रक्चरल डेवलपमेन्ट (आइ० आई० डी०)**

BPSC 48वीं-52वीं प्रारंभिक परीक्षा

- बिहार राज्य की शिशु मरणांक दर है: **- झारखण्ड से अधिक**
- बिहार के इतिहास में पहली बार राज्य का आर्थिक सर्वेक्षण किया गया- **- सुशील मोदी के द्वारा**
- वर्ष 2006-07 के विकास प्रतिवेदन के अनुसार बिहार का मानव विकास सूचकांक राष्ट्रीय मानव विकास सूचकांक से कम है- **- 20 प्रतिशत**
- वर्ष 2006-07 में बिहार का विकासात्मक व्यय इसके कुल व्यय का था- **- 56 प्रतिशत**

- वर्तमान में बिहार में सम्पत्ति का मुख्य स्रोत क्या है ? **- कृषि**
- बिहार सरकार के द्वारा कर्मचारियों के वेतन एवं पेन्शन पर अपने समस्त संसाधनों का कितना प्रतिशत व्यय किया जाता है? **- 40 प्रतिशत**
- गाँधी जी ने भारत में पहली बार सत्याग्रह आंदोलन बिहार में कहाँ प्रारम्भ किया? **- चम्पारण**
- बोध गया में 'बोधि वृक्ष' अपने वंश की इस पीढ़ी का है- **- पंचम**
- विश्व का सबसे ऊंचा कहा जाने वाला 'विश्व शांति स्तूप' बिहार में कहाँ है? **- राजगीर**
- 'नव नालन्दा महाविहार' किसके लिये विख्यात है ? **- पाली अनुसंधान संस्थान**
- विश्व का पहला गणतंत्र वैशाली में किसके द्वारा स्थापित किया गया? **- लिच्छवी**
- बिहार में कोयले का अनुमानित भंडार है- **- 16 करोड़ टन**
- पूर्व मध्य रेलवे का जोन मुख्यालय हाजीपुर स्थित है- **- बिहार में**
- बिहार के क्षेत्रफल में कुल बोयी गई भूमि का प्रतिशत .... है- **- 80**
- बिहार एवं उत्तर प्रदेश राज्यों की संयुक्त सिंचाई परियोजना है- **- गंडक परियोजना**
- 2001 की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या का .... प्रतिशत बिहार राज्य में निवास करती है- **- 8**
- 2001 की जनगणना के अनुसार बिहार भारत का .... बड़ा जनसंख्या वाला राज्य है। **- तीसरा**
- भारत में जनसंख्या के अनुसार तीसरा एवं क्षेत्रफल में बारहवाँ राज्य है- **- बिहार**
- इल्तुतमिश ने बिहार में अपना प्रथम सूबेदार नियुक्त किया था- **- मलिक-जानी**
- हुमायूँ ने चुनार दूर्ग पर प्रथम बार आक्रमण कब किया? **- 1532**
- अकबर ने बंगाल तथा बिहार को मुगल साम्राज्य में मिलाया- **- 1576**
- जगदीशपुर के किस व्यक्ति ने 1857 ई. के विप्लव में क्रान्तिकारियों का नेतृत्व किया? **- कुँवर सिंह**
- सम्राट शाहआलम द्वितीय ने ईस्ट इण्डिया कम्पनी को बंगाल, बिहार तथा उड़ीसा की दीवानी प्रदान की - **- 12 अगस्त 1765**

- मुजफ्फरपुर में किंग्स फोर्ड की हत्या का प्रयास कब किया गया? - 1908
- प्रभावती देवी किस क्षेत्र की स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थी? - पटना
- बलदेव सहाय ने महाधिवक्ता के पद से त्यागपत्र कब दिया? - 1942
- 1942 के आंदोलन में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को किस जेल में कैद रखा गया था? - बांकीपुर जेल
- चम्पारण नील आंदोलन का राष्ट्रीय नेता कौन थे ? - महात्मा गाँधी
- बिरसा मुण्डा का कार्य क्षेत्र कौन-सा था ? - राँची
- जय प्रकाश नारायण इस पार्टी से जुड़े थे- - सोशलिस्ट पार्टी
- 1857 की क्रान्ति के बिहार के नेता थे- - कुँवर सिंह
- बिहार सोशलिस्ट पार्टी के संस्थापक थे- - जे० पी० नारायण
- पाटलिपुत्र का संस्थापक था - - उदयन
- निम्नलिखित में से स्थायी बन्दोबस्त (Permanent settlement) का कौन सा स्वरूप बिहार में प्रचलित था?
  - जमींदारों के लिए जमीन पर वंश परंपरागत अधिकार को स्वेच्छा से लागू कर दिया गया।

BPSC 47 वीं प्रारंभिक परीक्षा

- बिहार में फरवरी, 2005 का अंतिम चरण का चुनाव हुआ - - 93 सीटों के लिए
- वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार निम्नलिखित में से बिहार के जिलों का कौन सा समूह जनसंख्या घनत्व का सही अवरोही क्रम दर्शाता है ?
  - दरभंगा, सारण, सीवान, समस्तीपुर
- नदियां जो बिहार और उत्तर प्रदेश के बीच की सीमा रेखा बनाती है ?
  - कर्मनाशा, गण्डक और घाघरा
- वर्ष 2002 के अनुसार बिहार में जन्म दर (प्रति हजार) क्या है ? - 30.9
- 1 जनवरी, 2003 को बिहार में कोयले के अनुमानित भण्डार थे (मिलियन टन में)- - 160
- बिहार की कुल श्रमशक्ति में कृषि श्रमिकों का अनुपात है- - 48.18

- भारत का कौन सा राज्य सर्वाधिक अभ्रक उत्पादन करता है ? - बिहार
- अंग्रेजी शासनकाल में भारत का कौन सा क्षेत्र अफीम उत्पादन (Poppy plant) हेतु प्रसिद्ध था ? - बिहार
- 1855 ई. में संथालों ने किस अंग्रेज कमांडर को हराया? - मेजर बारो
- बिहार में 1857 की क्रांति के नेता बाबू कुँवर सिंह का देहांत कब हुआ? - 26 अप्रैल, 1858
- बिहार के उस क्रांतिकारी का नाम बताइए जिसने सितंबर, 1928 में 'हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी' की बैठक में भाग लिया।? - फणीन्द्रनाथ घोष
- 1947 के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के दिल्ली अधिवेशन की अध्यक्षता किसने की ? - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
- बिहार में किस स्थान पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 1922 का अधिवेशन हुआ था? - गया

CDPO प्रारंभिक परीक्षा 2022

- बिहार में कानून द्वारा गो-वध किस वर्ष में प्रतिबंधित किया गया था? - 1955
- इनमें से कौन दो बार बिहार का राज्यपाल रहा है? - अखलाक उर रहमान किदवई
- बिहार का प्रथम गैर-कांग्रेस मुख्यमंत्री कौन था? - महामाया प्रसाद सिन्हा
- झारखंड, बिहार का अभिन्न अंग था - - 1999 में
- बिहार में 'तीनकठिया' पद्धति क्या है? - कृषि पद्यति
- 'लोकनायक' की उपाधि किसे दी गयी? - जयप्रकाश नारायण
- बिहार में सतत् विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा 'सात निश्चय योजना' अभियान प्रारंभ किया गया था? - 2015 में
- वर्ष 2021-22 में बिहार का राजकोषीय घाटा राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का .... प्रतिशत है । - 2.97
- इनमें से किसने 'उलगुलान' आंदोलन प्रारंभ किया था? - बिरसा मुंडा
- इनमें से बिहार के किस व्यक्ति को भारत रत्न से सम्मानित किया गया है? - राजेन्द्र प्रसाद

- बिहार की भूमि निम्नलिखित में से किस नदी प्रणाली से अपवाहित है? **- गंगा**
- बिहार में बलसुन्दरी, ताल, करैल एवं बलथर पद निम्नलिखित में से किसके लिए प्रयुक्त होते है? **- मिट्टी**
- कहलगाँव, काँटी, बाढ़ एवं नबीनगर निम्नलिखित में से किसके केन्द्र हैं? **- तापविद्युत् शक्ति**
- 2010-11 के दशक में निम्नलिखित जिलों में से किसमें सबसे अधिक जनसंख्या की वृद्धि-दर दर्ज की गई? **- किशनगंज**
- बिहार में निम्नलिखित में से कौन वस्त्र उद्योग का केन्द्र है? **- भागलपुर, गया, पटना**

CDPO प्रारंभिक परीक्षा 2018

- अली गौहर का बिहार अभियान किस वर्ष समाप्त हुआ? **- 1759**
- बिहार में 1929 में किसान सभा आंदोलन का आरम्भ किसने किया? **- स्वामी सहजानंद सरस्वती**
- अलीवर्दी को किस वर्ष बिहार का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया गया था? **- 1733**
- निम्नलिखित में से बिहार की कौन-सा भू-आकृतिक खण्ड झारखण्ड के साथ अपनी सीमा साझा नहीं करता है? **- मिथिला मैदान**
- भारत के 36 राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों में 2011 की महिला साक्षरता दर के अनुसार बिहार का स्थान ऊपर से कौन-सा है? **- 36**
- गंगा नदी की 'दिआरा' भूमि का नामकरण निम्नलिखित में से किससे सम्बद्ध है? **- दीया**
- निम्नलिखित में से कौन-सी वस्तु बिहार के भौगोलिक संकेत के रूप में पंजीकृत नहीं है? **- मूंगा रेशम**
- बिहार में गंगा नदी में मिलने वाली सोन नदी का उद्गम स्थल है- **- अमरकंटक पठार**
- संख्यात्मक रूप से बिहार की सबसे बड़ी अनूसूचित जनजाति है- **- संथाल**
- बिहार सरकार की ऑर्गेनिक कॉरिडोर योजना के तहत निम्नलिखित में से किसके किनारे/ पास जैविक कृषि को बढ़ावा दिया जाएगा? **- गंगा नदी**

- देश में जनसंख्या के संदर्भ में बिहार राज्य का स्थान (2011 जनगणना के अनुसार) क्या है? **- तृतीय**
- बिहार के किस जिले में साक्षरता दर सबसे अधिक है? **- रोहतास – 75.59%**
- निम्नलिखित में से किस वैश्विक कंपनी को बिहार में लोकोमोटिव कारखाना स्थापित करने का ठेका मिला? **- GE एंड अल्सटॉम**
- कपिलांश धातु उद्योग की स्थापना कहाँ हुई हैं? **- बक्सर जिला का राजपुर**
- सुधा कोऑपरेटिव की स्थापना किस अधिकारी ने की? **- राम चन्द्र सिन्हा**
- बिहार में लीची उत्पादन है **- भारत के उत्पादन का 74%**
- "मैं जहाँ भी हूँ, जगदीशपुर वहीं है" यह किसने कहा था ? **- कुँवर सिंह**
- बिरसा मुंडा के अनुयायी उन्हें किसका अवतार मानते थे ? **- धरती अब्बा**
- बॉयकाट और स्वेदशी आंदोलन के समर्थन में किस स्थान में 'गोल्डन लीग' नामक संस्था की स्थापना हुई थी? **- देवार**
- पटना से प्रकाशित होने वाला प्रथम अंग्रेजी अखबार कौन-सा था? **- दि बिहार हेराल्ड**
- 1928 में बिहार में रविदास सभा का गठन किसने किया था? **- जगजीवन राम**
- यदि नील की खेती करने से छूट चाहते, तो नील के किसानों को कौन-सी क्षतिपूर्ति कर देना पड़ता था? **- तवान**
- 1835 में पहला जिला स्कूल कहाँ खोला गया था? **- पटना**
- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, जो भारत के पहले राष्ट्रपति थे, पूर्व में किस पद पर आसीन हुए थे? **- पटना नगरपालिका के चेयरमैन**

CDPO प्रारंभिक परीक्षा 2005

- बिहार के राजगीर परगना के कौन से स्थानीय नेता ने 1857 के आंदोलन में स्वयं को 'राजा' घोषित किया था? **– हैदर अली खान**
- ब्रिटेन के राजा ने 1765 ई. में एक फरमान द्वारा बंगाल, बिहार व उड़ीसा की दीवानी ईस्ट इंडिया कम्पनी को कितने रुपये में दी थी? **- छब्बीस लाख रुपए**
- अंग्रेजी शासन के दौरान बिहार के अनेक भागों में गायों की रक्षा हेतु 'गौरक्षिणी'

सभाएँ, कब स्थापित हुई थीं? - 1893

- कांग्रेस की अखंडता में वृद्धि करने हेतु 1912 ई. में बाँकीपुर (बिहार) की सभा में डेलिगेट शुल्क घटाकर कितना किया गया? - पाँच रुपए से एक रुपया
- गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1935 द्वारा केंद्रीय संसद के उच्च सदन में बिहार को कितनी सीटें मिली थीं? - 8
- 1937 ई. के चुनाव में मुस्लिम लीग के टिकट पर कितने मुसलमान बिहार राज्य की विधान सभा से चुने गए ? - 20
- कैबिनेट मिशन प्लान के अनुसार राज्यों की ग्रुपिंग में बिहार को किस ग्रुप में रखा गया था? - ग्रुप A
- बिहार का मुख्यमंत्री निम्नलिखित में से कौन नहीं रहा है? - रामविलास पासवान
- बिहार के वर्तमान मुख्य सचिव (Chief Secretary) कौन हैं? - आमिर सुबहानी
- निम्नलिखित नदियों में से कौन 'बिहार का शोक' (Sorrow of Bihar) के रूप में कुख्यात है? - कोसी
- बरौनी तेल शोधक कारखाने की तेल शोधन क्षमता है- - 60 लाख टन
- बिहार राज्य की औसत वार्षिक वर्षा है - - 112 सेमी.
- निम्नलिखित देशांतर रेखाओं में से कौन-सी बिहार से होकर गुजरती है? - 86
- बिहार का प्रसिद्ध नृत्य जाना जाता है- - विदेशिया
- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद 'भारत रत्न' पाने वालों में से एक थे - - 1962 ई. में
- कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी का प्रथम अधिवेशन 1934 ई. में हुआ- - पटना में
- 1976 में 'कांग्रेस फॉर डेमोक्रेसी' नामक एक राजनीतिक दल की स्थापना की गई थी- - जगजीवन राम द्वारा
- मुस्लिम लीग का 'प्रत्यक्ष कार्य दिवस' (Direct Action Plan) की घोषणा के द्वारा बिहार में पूर्ण हड़ताल हुई - - 16 अगस्त, 1946 को
- जयप्रकाश नारायण ने अपनी जनसेवा के लिए मैग्सेसे अवार्ड कब प्राप्त किया? - 1965 ई. में
- झारखंड आंदोलन प्रारंभ किया गया था - - सामाजिक न्याय के लिए

CDPO प्रारंभिक परीक्षा 1998

- केसरिया सुप्रसिद्ध है - - बौद्ध स्तूप के लिए,

- कुम्हरार स्थल संबंधित है, प्राचीन - पाटलिपुत्र से
- चम्पारण प्रसिद्ध है एक आंदोलन के कारण, जिसका संबंध था- - महात्मा गांधी से
- थावे का तीर्थस्थल जिस जिले में स्थित है, वह है - - गोपालगंज
- 1763 ई. में पटना स्थित अंग्रेजों की फैक्ट्री पर अधिकार किया था - - नवाब मीर कासिम ने
- 13वीं शताब्दी में बंगाल के प्रान्तपति गियासुद्दीन ने युद्ध किया था- - तिरहुत के राजा से
- गाँधीजी ने 1917 में चम्पारण की यात्रा की थी - - राजकुमार शुक्ल के अनुरोध पर
- चम्पारण सत्याग्रह के दौरान, गाँधीजी पर मुकदमा चलाया गया- - मोतिहारी में
- बिहार में बिहपुर की घटना का संबंध है - - सत्याग्रह आंदोलन से
- 1921 में गाँधीजी ने पटना में उद्घाटन किया था- - बिहार विद्यापीठ का
- बिहार छात्र परिषद् को संगठित किया था - - राजेन्द्र प्रसाद ने
- सदाकत आश्रम की स्थापना की थी - - मजहरूल हल ने
- स्वामी सहजानंद नेता थे - - किसानों के
- भारत छोड़ो आंदोलन के क्रम में 11 अगस्त, 1942 को पटना में पुलिस गोलीकांड में मरने वाले छात्रों की संख्या थी - - 7
- बिहार में आजाद दस्ता सक्रिय रहा - - भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान
- भारत की स्वतंत्रता के बाद, बिहार के पहले राज्यपाल थे- - जयराम दास दौलतराम
- उड़ीसा बिहार से पृथक हुआ - - 1936
- पटना उच्च न्यायालय की स्थापना हुई थी - - 1916
- बिहार में प्रमंडलों की कुल संख्या है- - 9
- बिहार एक निर्धन राज्य है - - संसाधनों के अपर्याप्त होने के कारण
- छोटानागपुर का पठार मुख्यत: निर्मित है - - आर्कियन ग्रेनाइट द्वारा

Notes

Notes